भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद्

वार्षिक विवरण

1982-83

विषय वस्तु

खण्ड	विषय	पृष्ठ संख्या
१.	सामान्य	१
२.	बजट	१
३.	प्रोत्साहन कार्यकलाप	२
४.	श्रोतों का संकलन	३
५.	अन्य कार्यक्रम तथा कार्यकलाप	४
६.	सेमिनार	६
७.	अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग : भारतीय और विदेशी इतिहासकारों के बीच सम्पर्कों को प्रोत्साहन	७
८.	प्रकाशन	१०
९.	प्रलेखन एवं पुस्तकालय	१३
१०.	प्रशासन	१४

वार्षिक रिपोर्ट १९८२-८३

I

सामान्य

१.०१ भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद की यह ग्यारहवीं वार्षिक रिपोर्ट है। यह रिपोर्ट वर्ष १९८२-८३ से सम्बन्धित है।

परिषद एक स्वायत्त संगठन है और इसकी स्थापना भारत सरकार द्वारा इतिहास को एक उद्देश्यपूर्ण दिशा प्रदान करने तथा युक्तिसंगत प्रस्तुतीकरण व व्याख्या करने के उद्देश्य से की गयी थी। इसमें २७ सदस्य हैं, एक अध्यक्ष, १८ इतिहासकार और ८ पदेन सदस्य। वर्तमान परिषद का गठन नवम्बर, १९७८ में किया गया था। ३१ मार्च, १९८३ की स्थिति के अनुसार परिषद का गठन परिशिष्ट I में दिया गया है।

१.०२ आलोच्य वर्ष के दौरान परिषद ने अपना ध्यान संस्था ज्ञापन-पत्र में उल्लिखित अपने विभिन्न उद्देश्यों और लक्ष्यों को पूरा करने पर दिया। पहले शुरू की गई योजनाओं के संबन्ध में अनुवर्ती कार्यवाही करने के अलावा परिषद ने वर्ष के दौरान अनुसंधान परियोजनाओं की स्वीकृति, अनुसंधान अधि-छात्रवृत्तियां प्रदान करने, यात्रा-एवं-फुटकर अनुदानों, शोध निबधों, पत्रिकाओं अन्य अनुसंधान कार्यों के प्रकाशन के लिए आर्थिक सहायता और इतिहासकारों के व्यावसायिक संगठनों की सहायता की मंजूरी प्रदान की। वर्ष के दौरान परिषद के अन्य प्रमुख कार्य कलाप थे: (१) भारतीय इतिहास के विभिन्न कालों और विभिन्न पहलुओं से सम्बन्धित स्रोत खण्डों का संकलन, (२) ऐतिहासिक अनु-संधान की प्रगति की समीक्षा करते हुए तथा उपेक्षित व ऐसे नये क्षेत्रों का उल्लेख करते हुए, जहां अनुसंधान कार्य को प्रोत्साहित किए जाने की जरूरत है, सर्वेक्षण रिपोर्ट तैयार करना, (३) क्षेत्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनारों और संगोष्ठियों का आयोजन, (४) प्रकाशन, (५) प्रलेखन, (६) परिषद को भारत सरकार आदि द्वारा सौंपी गई विशेष परियोजनाओं का कार्यान्वयन।

II

बजट

आलोच्य वर्ष के दौरान परिषद को ६१.०४ लाख रुपये का सहायक अनुदान प्राप्त हुआ (३४.२५ लाख रुपये योजनेत्तर, २१.६० लाख रुपये योजनागत तथा ५.१९ लाख रुपये विशेष परियोजनाओं के लिए)।

प्रारम्भ में, भारत सरकार ने वित्तीय वर्ष १९८२-८३ के लिए ३१.९० लाख रुपये योजनेत्तर और १५.०० लाख रुपये योजनागत बजट प्रावधान

स्वीकृत किया था। संशोधित प्राक्कलनों (१९८२-८३) में ३८.४५ लाख रुपये योजनेत्तर और १९.४९ लाख रुपये योजनागत के बजट प्रस्तावों के विरुद्ध सरकार ने ३४.२५ लाख रुपये और १५.०० लाख रुपये क्रमशः योजनेत्तर और योजनागत स्वीकृत किए थे। चूंकि वर्ष १९८२-८३ के संशोधित प्राक्कलनों में योजनागत खर्च के लिए स्वीकृत धन परिषद की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपर्याप्त सिद्ध हुआ इसलिए भारत सरकार से और धन स्वीकृत करने का अनुरोध किया गया। फलस्वरूप, वित्तीय वर्ष १९८२-८३ के लिए स्वीकृत १५.०० लाख रुपये के अतिरिक्त सरकार ने योजनागत खर्च के लिए ६.६० लाख रुपये की और व्यवस्था की।

III

प्रोत्साहन कार्यकलाप

३.०१ पिछले वर्षों की तरह परिषद की सहायक अनुदान योजना से प्रोत्साहन कार्यकलापों को बढ़ावा जारी रहा। इस योजना के अन्तर्गत, अनुसंधान परियोजनाओं, अधिछात्रवृत्तियों, अध्ययन/यात्रा/फुटकर खर्च के लिए अनुदान प्रकाशन सहायता तथा इतिहासकारों के व्यावसायिक संगठनों को सहायता प्रदान की जाती है। वर्ष के दौरान ऐसे अनुदानों के लिए ४२८ प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। परिषद की स्थापना से अब तक परिषद द्वारा अनुसंधान परियोजनाओं, अधिछात्रवृत्तियों और अध्ययन/यात्रा/फुटकर अनुदानों के सम्बन्ध में स्वीकृत अनुदानों का योजनावार ब्यौरा नीचे दिया गया है :

वर्ष	अनुसंधान परियोजनाएं	अधिछात्र-वृत्तियां	अध्ययन/ यात्रा/और फुटकर अनुदान	कालम २, ३ ४ का जोड़
१९७२–७३	१९	८	१	२८
१९७३–७४	८	११	२	२१
१९७४–७५	७	१४	३	२४
१९७५–७६	१८	१२	१५	४५
१९७६–७७	२१	३७	८२	१४०
१९७७–७८	५	२१	१५९	१८५
१९७८–७९	२२	३१	११५	१६८
१९७९–८०	१८	४४	१३८	२००
१९८०–८१	४९	८६	१८३	३१८
१९८१–८२	१७	९४	१०६	२१७
१९८२–८३	१५	१३५	१८०	३३०
११ वर्ष का जोड़	१९९	४९३	९८४	१६७६

३.०२ उपरोक्त तालिका से पता चलता है कि वर्ष के दौरान स्वीकृत ३३० प्रस्तावों में से १८० अनुदान मुख्यतः अलग-अलग क्षेत्रों में रहने वाले युवा अध्येताओं को अध्ययन/यात्रा/फुटकर खर्च के लिए हैं ताकि वे देश के प्रमुख नगरों तथा अन्य स्थानों पर स्थित स्रोत सामग्री के विभिन्न संग्रहों का दौरा कर सकें। इससे देश भर में अनुसंधान प्रस्तावों को निश्चय ही प्रोत्साहन मिला है ।

वर्ष के दौरान उपरोक्त तीन योजनाओं के सम्बन्ध में स्वीकृत अनुदानों के ब्यौरे परिशिष्ट II-IV में दिये गए हैं ।

३.०३ वर्ष के दौरान ५५ अध्येताओं/संस्थाओं/को शोध निबंध/पाण्डु-लिपि/पत्रिकाएं कार्यवाहियां प्रकाशित करने के लिए आर्थिक सहायता स्वीकृत की गयी । इनके ब्यौरे परिशिष्ट V में दिये गए हैं ।

३.०४ वर्ष के दौरान इतिहासकारों के ३१ व्यावसायिक संगठनों को अनुदान दिया गया ताकि वे सेमिनार, कार्यशालायें, सम्मेलन इत्यादि आयोजित कर सकें, जिनके ब्यौरे परिशिष्ट VI में दिये गये हैं ।

३.०५ १२ अध्येताओं को विदेश यात्रा अनुदान मंजूर किया गया, देखें परिशिष्ट VII

IV

स्रोतों का संकलन

४.०१ परिषद ने यह विशाल कार्यक्रम इस इरादे से तैयार किया है कि भारतीय इतिहास के विभिन्न पहलुओं और कालों से संबंधित मुख्य स्रोतों के यथासंभव खंड देश के कालेजों और विश्वविद्यालयों को उपलब्ध हो सकें जिससे कि स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर इतिहास के शिक्षण के एक दृढ स्रोत की स्थापना हो सके । स्रोत खंडों का संकलन, ३ विशेषज्ञ समितियों के पर्यवेक्षण में भारतीय इतिहास के प्राचीन, मध्य और आधुनिक काल के लिए एक-एक किया जा रहा है ।

४.०२ भारतीय इतिहास के प्राचीन काल से संबंधित स्रोत खंडों में विभिन्न अभिलेखों के पाठों का संकलन और सूची शामिल है । आलोच्य वर्ष के दौरान, परिषद में अब तक प्राप्त अभिलेखों के सभी १४ खंडों की जांच कर ली गयी है और उन्हें प्रेस को भेज दिया गया है । इन खण्डों के ब्यौरे पिछले वर्षों की रिपोर्ट

में दिये गये हैं। वर्ष के अन्त में शेष खण्डों में, से कुछ के संबंध में रिपोर्ट मिली है कि काम पूरा होने वाला है।

४.०३ मध्यकालीन भारतीय इतिहास से संबंधित स्रोत के कार्यक्रम में, पाठों तथा अन्य समकालीन कृतियों का भाष्य, अनुवाद और प्रकाशन तथा ऐतिहासिक मूल्य के दस्तावेज का पत्र और कलेण्डर तैयार करना शामिल है।

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत आलोच्य वर्ष के दौरान परिषद में निम्नलिखित खण्ड पूरे होकर प्राप्त हुए।

१. ए० के० शास्त्री, "श्रृंगेरीमठों के कादिताओं से चुने हुए १८८० पूर्व अभिलेख (सामाजार्थिक स्थितियों से संबंन्धित)"।

२. (श्रीमती) मंसुरा हैदर, "ईशा-ए-अबुल फज़ल" का कलेण्डर (दफ्तात)।"

३. काजी सज्जाद हुसैन, "जमा-उल-उलुम"।

४. के० एन० धर, "श्रीवरा के जैन राजा तरंगिनी (काश्मीर सुल्तानों की कड़ी)"।

५. एस० एच० देसाई, "तारीख-ए-सोरठ"।

उपरोक्त खण्डों की प्रकाशनार्थ जांच की जा रही है।

४.०४ आधुनिक भारतीय इतिहास के संबंध में स्रोत खण्ड तैयार करने की योजना के अन्तर्गत, निम्नलिखित खण्ड परिषद में प्राप्त हुए और उन्हें प्रेस में भेजने के लिए संक्षिप्त किया गया।

१. ए० सी० बोस, "विदेश में भारतीय क्रांतिकारी, १९०५-१९१७ : चुनिन्दा स्रोत, खण्ड।"

V

अन्य कार्यक्रम तथा कार्यकलाप

५.०१ भारतीय पुरातत्व का एक शब्दकोष

स्वर्गीय डा० ए० घोष द्वारा तैयार किया गया तथा परिषद को प्रस्तुत भारतीय पुरातत्व शब्दकोष की वर्ष के दौरान जांच-पड़ताल की गई और उसे छपने के लिए भेजा गया।

५.०२ सर्वेक्षण कार्यक्रम

आलोच्य वर्ष के दौरान चालू सर्वेक्षण रिपोर्ट को तैयार करने का काम तेज करने के लिए कदम उठाए गए ।

५.०३ प्रजामंडल आन्दोलन संबंधी परियोजना

प्रजामंडल आन्दोलन के सबंध में पुस्तक लिखने के लिए, इस प्रयोजन के लिए संग्रहित सामग्री का उपयोग करते हुए, वर्ष के दौरान, एक लेखक नियुक्त किया गया ।

५.०४ "स्वतंत्रता की दिशा में" संबंधी परियोजना

"स्वतन्त्रता की दिशा में" परियोजना के खण्ड १ के लिए संग्रहित सामग्री की महत्वपूर्ण कमियों को, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल, सुभाष चन्द्र बोस, मौलाना आजाद, सी० राजगोपालाचारी, राजेन्द्र प्रसाद, के० एम० मुंशी, एम० ए० जिन्नाह, पंडित पंत, सत्यमूर्ति, पी० डी० टन्डन, टी० बी० सप्रू, जयकर, बी० आर० अम्बेडकर तथा अन्य राष्ट्रीय नेताओं के दस्तावेजों से प्रासंगिक उद्धरण प्राप्त करके पूरा करने के लिए कदम उठाये गये । इंडिया आफिस लायब्रेरी, लन्दन से, तत्कालीन विभिन्न प्रांतों के गवर्नरों के निजी कागजातों और राज्यसचिवों तथा राज्य सचिवों के निजी सचिवों के अभिलेखों से भी सामग्री एकत्र की गयी । अखिल भारतीय सम्मेलन समिति, अखिल भारतीय मुस्लिम लीग, सामंत उलेमा-ए-हिन्दी, दि हिन्दू महाराष्ट्र, अखिल भारतीय कांग्रेस समाजवादी पार्टी, अखिल भारतीय किसान सभा आदि के संगठनात्मक दस्तावेजों की कमियों को पूरा करने के लिए अवलोकन किया । पाकिस्तान में हमारे राजदूतावास की मदद से पाकिस्तान से भी कुछ महत्वपूर्ण स्रोत सामग्री प्राप्त की गई, जिसमें जिन्नाह का पत्राचार और लेख, इकबाल द्वारा जिन्नाह को लिखे गए पत्र, पाकिस्तान में मुस्लिम स्वतंत्रता आन्दोलन के ऐतिहासिक दस्तावेज आदि शामिल हैं । गुजरात, महाराष्ट्र और तामिलनाडु जैसे कुछ राज्यों में, जिन्हें पहले शामिल नहीं किया गया था, क्षेत्रीय भाषाओं की सामग्री प्राप्त करने के लिए भी व्यवस्था की गई ।

केन्द्रीय विधान सभा तथा विभिन्न राज्य विधान सभाओं, जैसे कि सिंध, मध्य प्रांत, पंजाब और उत्तर पश्चिमी सीमा प्रांत की कार्यवाहियां भी देखी गई और संगत उद्धरणों की फोटो प्रतियां कराई गई । भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार

के माध्यम से महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात आदि जैसे राज्य अभिलेखागारों से शीघ्र सामग्री एकत्र करने के लिए प्रयास किये गए ।

आसूचना ब्यूरो की फाइलें देखने के वास्ते अनुमति प्रदान करने हेतु गृह मंत्रालय से अनुरोध किया गया है । इसी बीच सामग्री तैयार की जा रही है और संभावना है कि प्रथम खण्ड शीघ्र ही तैयार हो जाएगा ।

VI

सेमिनार

६.०१ वर्ष के दौरान परिषद ने जोधपुर, भुवनेश्वर और बंगलौर में तीन क्षेत्रीय सेमिनार प्रायोजित किए ।

पहला सेमिनार १५-१६ दिसम्बर, १९८२ को जोधपुर विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग में आयोजित किया गया। सेमिनार का विषय था : राजस्थान के लोगों का सामाजार्थिक जीवन, जैसा कि पुरालेखों और साहित्य में परिलक्षित है" । सेमिनार का उद्घाटन जोधपुर विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति डा० आर० एन० मेहरोत्रा ने किया था ।

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता, लघु उद्योगों के लिए संयुक्त राष्ट्र परामर्शदाता प्रोफेसर ए० डी० बोहरा ने की थी । सेमिनार के समन्वयकर्त्ता डा० आर०पी० व्यास ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया और सेमिनार के विषय की प्रासंगिकता पर व्याख्यान दिया ।

सेमिनार में बड़ी संख्या में विख्यात विद्वानों ने भाग लिया । कुल मिलाकर पांच शैक्षिक सत्र आयोजित किए गए जिनमें ३० शोध निबंध प्रस्तुत किये गये और उन पर चर्चा की गई । पदमश्री कोमल कोठारी ने समापन भाषण दिया ।

६.०२ दूसरा सेमिनार १४ से १६ फरवरी, १९८३ तक उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर के इतिहास वभाग में आयोजित किया गया । सेमिनार का विषय था : "आधुनिक भारतीय इतिहास के संबन्ध में अनुसन्धान-रीतिविज्ञान संबन्धी नए आयाम" ।

सेमिनार का उद्घाटन डा० एस० एन० बोस ने किया। श्री एस० एच० पटनायक ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया। उत्कल विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के प्रोफेसर तथा विभागाध्यक्ष, डा० एम० एन० दास ने रीतिविज्ञान

में नए आयामों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने, भा० इ० अ० प० के अध्यक्ष, डा० लोकेशचन्द्र का एक संदेश भी पढ़ा जिसमें कहा गया था : "समय को पार करने के मनुष्य के प्रगतिशील प्रयासों और इतिहास में छिपे रहस्यों का पता लगाने के बेहतरतम तरीकों का पता लगाने के लिए आपके प्रयासों हेतु बधाई"।

विख्यात विद्वानों द्वारा प्रमुख अभिभाषण दिए गए। अनेक शोध निबंध प्रस्तुत किये गए जिन पर विस्तारपूर्वक बहस हुई।

६.० तीसरा सेमिनार, बंगलौर विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग में २४ से २६ फरवरी, १९८३ तक आयोजित किया गया। इस सेमिनार का विषय था : "बारहवीं शताब्दी से बीसवीं शताब्दी तक दक्षिण भारत का सामाजिक-सांस्कृतिक इतिहास"। सेमिनार का उद्घाटन श्री एस० एम० ए० हमीद ने किया था।

बंगलौर विश्वविद्यालय के इतिहास विभागाध्यक्ष प्रोफेसर के० वीरथाप्पा ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया। अपने उद्घाटन भाषण में श्री हमीद ने दक्षिण भारत के सामाजिक-सांस्कृतिक इतिहास के लेखन के महत्व पर व्याख्यान दिया।

सेमिनार में कुल २० शोध निबंध प्रस्तुत किये गए जिन पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई।

अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग : भारतीय और विदेशी इतिहासकारों के बीच सम्पर्कों को प्रोत्साहन

७.०१ वर्ष के दौरान अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग के क्षेत्र में एक प्रमुख कार्यकलाप, जिसमें भा०इ०अ०प० ने भाग लिया, वह था: भारत बल्गारिया सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के अन्तर्गत ११ जून से १४ जून, १९८२ तक नई दिल्ली में जिओर्गी दि मितरोव : स्वतंत्रता, प्रजातंत्र तथा सामाजिक प्रगति के लिए संघर्ष में योगदान" विषय पर संगोष्ठी का आयोजन।

भा०इ०अ०प० के अध्यक्ष, डा० लोकेश चन्द्र, संसद सदस्य ने विख्यात अतिथियों और विद्वानों का स्वागत किया। अपने स्वागत भाषण में भारत और बल्गारिया की सांस्कृतिक सम्पदा तथा दोनों देशों की संस्कृतियों में पाई जाने वाली समानताओं

की तुलना करते हुए उन्होंने कहा जिओर्गी दिमितरोव बल्गारिया के राष्ट्रीय नायक थे। आधुनिक बल्गारिया के निर्माण में उनका योगदान विश्व के इतिहास में अतुलनीय है।

संगोष्ठी का उद्घाटन, शिक्षा, संस्कृति तथा समाज कल्याण मंत्री, भारत सरकार, श्रीमती शीला कौल ने किया था। अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने भारत तथा बल्गारिया की सांस्कृतिक परम्परा, उनके शान्तिपूर्ण सह-अस्तित्व तथा भाईचारे व सहयोग पर प्रकाश डाला। बढ़ती हुई भारत-बल्गारिया मित्रता से, विशेषकर २१ फरवरी, १९६३ को भारत-बल्गारिया सांस्कृतिक करार पर हस्ताक्षर होने से, दोनों देशों के संबंध सुदृढ़ हुए हैं। उन्होंने कहा कि जिओर्गी दिमितरोव ने अपना जीवन बल्गारिया के लोगों की समृद्धि और आजादी के विचारों के लिए न्यौछावर कर दिया। मंत्री जी ने कहा कि वह आधुनिक बल्गारिया में समाजवाद और लोक गणराज्य के वास्तविक जनक हैं।

भारत में बल्गारिया लोक गणराज्य के राजदूत महामहिम श्री तोचो-तोचेव ने भी बढ़ती हुई भारत-बल्गारियाई मित्रता का उल्लेख किया और जिओर्गी दिमितरोव के संबंध में गोष्ठी आयोजित करने के लिए भा०इ०अ०प० तथा शिक्षा और संस्कृति मंत्री श्रीमती शीला कौल और भारत सरकार के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने परिषद के शैक्षिक निष्पादन, विशेष रूप से जिओर्गी दिमितरोव के संबंध में संगोष्ठी आयोजित करने की भी सराहना की।

अपने धन्यवाद भाषण में भा०इ०अ०प० के निदेशक, प्रोफेसर बी. आर. ग्रोवर ने मानव जीवन पर, राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक, क्षेत्रीय, भौगोलिक तथ्यों के अध्ययन के प्रभाव और इतिहास के क्षेत्राधिकार और महत्व का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि भा० इ० अ० प० लोगों के इतिहास और संस्कृति के अध्ययन कार्य में लगी है जिसके फलस्वरूप विचारों के परस्पर आदान-प्रदान, अनुसंधान के बेहतर स्तर और एक दूसरे के विचारों को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिली है। उन्होंने कहा कि यह जानकर बहुत खुशी होती है कि यद्यपि जिओर्गी दिमितरोव एक महान समाजवादी और राजनीतिक नेता थे तथापि अपनी स्वः शिक्षा से उन्होंने बाल्कन समस्या का विश्लेषण करते समय पश्चिमी लोगों द्वारा जातीय श्रेष्ठता के विरुद्ध विद्रोह किया। अपने कार्य कलापों के अन्य क्षेत्रों में भी जिओर्गी दिमितरोव का नाम, प्रतिक्रियावादी व सर्वसत्तावादी शासनों के विरुद्ध शान्ति, प्रजातंत्र और सामाजिक प्रगति के प्रतीक के रूप में अमर है।

सेमिनार के समापन सत्र की अध्यक्षता उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद की प्रोफेसर सरोजिनी रेगानी ने की ।

बल्गारिया के महामहिम राजदूत श्री तोचो तोचेव ने संगोष्ठी के लिए किए गए प्रबन्धों और विचार विमर्श के दौरान उच्च शैक्षिक स्तरों की बहुत सराहना की । उन्होंने भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, इसके अध्यक्ष, निदेशक तथा अनुसंधान स्टाफ के प्रति, शैक्षिक तथा सांस्कृतिक पहलुओं की दृष्टि से प्रथम भारत बल्गारिया सेमिनार को सफल बनाने के लिए अपना आभार व्यक्त किया ।

डा० प्रेम कृपाल ने संगोष्ठी के लिए उपयोगी सुझाव दिए । उन्होंने न केवल सेमिनार के आयोजन के विचार और इसके विचार विमर्श की प्रशंसा की बल्कि भारत-बल्गारिया सांस्कृतिक सम्पर्कों के नए क्षेत्रों के बारे में भी विस्तारपूर्वक चर्चा की ।

इसके बाद विदेशी अतिथियों, प्रोफेसर (डा०) दोन्चा दास्कालोव और डा० (श्रीमती) योनका दिमोवा ने संक्षिप्त भाषण दिए । उन्होंने सेमिनार की सफलता और अपने वर्तमान दौरे की उपयोगिता के बारे में अत्यन्त प्रसन्नता व्यक्त की । उन्होंने कहा कि भविष्य में भी भारत और बल्गारिया में इसी प्रकार के सम्मेलनों और संगोष्ठियों का आयोजन जारी रहना चाहिए । भारतीय पक्ष की ओर से डा० देवेन्द्र कौशिक, डा० हेमलता स्वरूप और प्रोफेसर सुरिन्दर सूरी ने सम्मेलन के विचार और विषयों की संक्षिप्त चर्चा की ।

अन्त में भा०इ०अ०प० के निदेशक प्रोफेसर बी०आर० ग्रोवर ने भी शिक्षा, संस्कृति तथा समाजकल्याण मंत्री, श्रीमती शीला कौल, भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष डा० लोकेश चन्द्र, भारत में बल्गारिया के राजदूत महामहिम श्री तोचो तोचेव, *भारत में बल्गारिया लोक गणराज्य के सांस्कृतिक तथा सूचना केन्द्र* की सांस्कृतिक काउन्सलर तथा निदेशक श्रीमती ई० कामोवा और भा०इ०अ०प० के अधिकारियों, बल्गारियाई तथा भारतीय प्रतिनिधियों/भाग लेने वालों को धन्यवाद दिया, उन्होंने संगोष्ठी की महान सफलता में अपना महत्वपूर्ण योग दिया था ।

भारत के विभिन्न भागों के २० विद्वानों और बल्गारिया के दो विद्वानों ने संगोष्ठी के विचार-विमर्श में भाग लिया और अपने लेख प्रस्तुत किए और संगोष्ठी

में भाग लिया। दो अन्य बल्गारियाई विद्वानों के भी निबंध पढ़े गए और उन पर चर्चा की गई । संगोष्ठी के शैक्षिक-विचार विमर्श में लगभग ६० विद्वानों ने भाग लिया।

७.०२ परिषद अन्तर्राष्ट्रीय इतिहास विज्ञान कांग्रेस की एक संस्थागत सदस्य है। वर्ष के दौरान उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर के इतिहास विभागाध्यक्ष प्रोफेसर एम० एन० दास ने भा०इ०अ०प० के प्रतिनिधि के रूप में, सितम्बर, १९८२ में पेरिस में आयोजित उपरोक्त कांग्रेस की महासभा में भाग लिया।

व्याख्यान कार्यक्रम

७.०३ वर्ष के दौरान परिषद ने अपने अपने विशेषज्ञता क्षेत्र में व्याख्यान देने के लिए दो विख्यात विद्वानों को आमंत्रित किया। हंगरी के डा० अंगिअस बालोध ने भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन तथा पूर्वी यूरोपियनों के संबंध में एक वार्ता की। म्युनिख विश्वविद्यालय (प.) जर्मनी के प्रोफेसर थामस निप्पार्डो ने "मार्क्स वेबर की कृतियों में भारत" विषय पर व्याख्यान दिया।

VIII

प्रकाशन

८.०१ आलोच्य वर्ष के दौरान परिषद द्वारा निम्नलिखित पुस्तकें, पत्रिकाएं एवं कार्यवाहियां प्रकाशित की गई :

१. "दि इंडियन हिस्टोरिकल रीव्यू" खण्ड छः अंक १-२, जुलाई, १९७९ से जनवरी, १९८० ।

२. भा०इ०अ०प० न्यूजलेटर, खण्ड सात, अंक ४ और खण्ड आठ, अंक १-३, अक्तूबर १९७९ से सितम्बर, १९८० ।

८.०२ परिषद के सहायक अनुदान कार्यक्रम के अन्तर्गत निम्नलिखित पुस्तकें एवं पत्रिकाएं प्रकाशित की गई :

१. आई० सी० त्यागी, "प्राचीन भारत में शैववाद"

२. डा० बी० शेषागिरि राव, "गुन्टूर जिले में स्वतंत्रता आन्दोलन का इतिहास, १९२१-१९४७" ।

३. एम० एम० जुनेजा, "हरियाणा के विख्यात स्वतंत्रता सेनानी" ।

४. राम मोहन दास, "प्राचीन भारत में अपराध तथा दण्ड" (मनुस्मृति के विशेष संन्दर्भ में)

५. जी० पी० यादव, "धमपाला और उनका काल: उनकी कृतियों पर आधारित एक सामाजिक सांस्कृतिक अध्ययन" ।

६. एम० एल० अहलूवालिया, "ब्रिटिश दूत चार्ल्स थिओथिलस मेटकाफ के साथ महाराजा रणजीत सिंह की बातचीत १८०८-१८०९ तथा सिंध, अफगानिस्तान और फारस में ब्रिटिश शासन से संबंधित चुनिन्दा दस्तावेज" ।

७. आर० के० सक्सेना, "तारीख-ए-कला रणथम्भौर"

८. एम० एल० भार्गव, "दक्षिण पूर्व एशिया में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस तथा भारत का स्वतंत्रता संग्राम, १९४३-४५" ।

९. सुषमिता पाण्डे, "भारतीय धर्म और कला में भक्ति की उत्पति" ।

१०. ए० सी० मित्तल, "कलिंगराजा खरावेला" (हिन्दी) ।

११. सविता हांडे, "अग्निपुराण का दार्शनिक एवं आयुर्वेदिक सामग्री का अध्ययन (हिन्दी) ।

१२. पारस नाथ सिंह, "पृथ्वीराज चौहान और उनका काल" (हिन्दी)।

१३. मोहम्मद नसीम, "उत्तर पश्चिम भारत-पाकिस्तान उप-महाद्वीप की नव-पाषाण संस्कृति" ।

१४. ऊषा रानी बंसल, "१९४७ से १९५७ तक भारत सरकार के समाज कल्याण कार्यकलाप" ।

१५. ए० सी० अरोड़ा, "पंजाब राज्य के प्रति ब्रिटिश नीति, १८५८-१९०५"।

१६. ए० एम० शास्त्री, "स्मारक श्रृंखला सं० ८ (भारतीय स्वदेशी सिक्कों में विदेशी तत्व)" ।

१७. बंगाल विगत और वर्तमान" (पत्रिका) खण्ड १ भाग ११, अंक १८९" (जुलाई-दिसम्बर, १९८०) ।

१८. प्राच्य कला की भारतीय सोसायटी की पत्रिका" (नई श्रृंखला) खण्ड११।

१९. "मानव और पर्यावरण (पत्रिका) खण्ड आठ (१९२९) ।

२०. देवाहुती (सं.) "ऐतिहासिक तथा राजनीतिक संदेशों के संबध में सेमिनार की कार्यवाहियाँ" ।

२१. "पंजाब इतिहास सम्मेलन के चौदहवें अधिवेशन" की कार्यवाही ।

२२. "भारतीय इतिकास कांग्रेस के ४०वें, ४१वें और ४२वें अधिवेशनों" की कार्यवाही, तीन खण्ड

८.०३ निम्नलिखित पुस्तकें मुद्रणाधीन थी :

१. गौतम चट्टोपाध्याय, "बंगाल निर्वाचन राजनीति तथा स्वतंत्रता संग्राम, १८६२-१९४७"

२. सत्य, एम० रे, "पंजाब में विधायी राजनीति तथा स्वतंत्रता संग्राम का अध्ययन, १८९८-१९४७" ।

३. निहार रंजन रे: "भारतीय सभ्यता की एक स्रोत पुस्तक" ।

४. यू० एन० घोषाल, "भारतीय राजनीतिक विचारधारा का इतिहास" (बंगला अनुवाद)

५. "श्रेष्य युग : भारतीय लोगों का इतिहास और संस्कृति" (भारतीय विद्या भवन श्रृंखला) (हिन्दी अनुवाद) ।

६. ओम प्रकाश, "भारत में डच काव्य का इतिहास" ।

८.०४ निम्नलिखित पाण्डुलिपियों की जांच की गई और उन्हें प्रेस भेजने के लिए तैयार किया गया :

१. सहाब सरमदी, "लहजत-ए-सिकन्दर शाही" ।

२. काजी सज्जाद हुसैन, "सिराज-अल-हिदाया" ।

३. सहाब सरमदी, "राग दर्पण, मंकत-उल-हल" ।

४. सहाब सरमदी, "धुनियात-उल-मुनिया" ।

५. काजी सज्जाद हुसैन, "जामा-उल-उलुम" ।

६. वी०एन० दत्ता, "राष्ट्रीय आन्दोलन के सम्बन्ध में श्रोत खंण्ड", १९१९-२० ।

७. बी० एल० ग्रोवर, "राष्ट्रीय आन्दोलन के सम्बन्ध में श्रोत खंण्ड," १८९९-१९०२ ।

८. श्री कुमार नायर, "राष्ट्रीय आन्दोलन के संवध में स्रोत खण्ड" १९२२-२४ ।

९. ए० सी० शर्मा, "चकसारत का तारीख शउर" ।

१०. सरला खोसला, "अश्व घोष का ऐतिहासिक योगदान" ।

११. एम० एस० नयीना, "निजामुल मुल्क आसफजाह के अधीन मुगल प्रशासन का इतिहास ।"

"दि इण्डिया हिस्टोरिकल रिव्यू" के खण्ड आठ, अंक १-२ के लिए सामग्री का सम्पादन कार्य पूरा किया गया और पांडुलिपि प्रेस के लिए तैयार की गई ।

IX

प्रलेखन एवं पुस्तकालय

९.०१ वर्ष के दौरान पुस्तकालय ने ७९० नई पुस्तकें प्राप्त की जिन्हें मिलाकर पुस्तकों की कुल संख्या १३,२८८ हो गई। इसके अतिरिक्त पुस्तकालय द्वारा मंगायी गई और प्रकाशित पत्रिकाओं के सभी अंक प्राप्त हो गए । इस अवधि के दौरान प्रलेखन केन्द्र ने, दिसम्बर, १९८२ तक की अवधि से संबंधित सी० ए० आई०/एच० आई० एस० टी० इण्डिया का खण्ड भी प्रकाशित किया ।

X

प्रशासन

१०.०१ आलोच्य वर्ष के दौरान परिषद और इसकी महत्वपूर्ण समीतियों की हुई बैठकों की संख्या निम्नलिखित तालिका में दर्शायी गई है ।

परिषद/समिति	बैठकों की संख्या
परिषद	१
प्रशासनिक समिति	२
अनुसंधान परियोजना समिति	२
अध्ययन अनुदान समिति	२

परिषद के स्टाफ की स्वीकृत संख्या, ३१.३.१९८३ की स्थिति के अनुसार परिशिष्ट VIII में दिखाई गई है ।

परिशिष्ट I

भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद् का गठन

३१-३-१९८३ की स्थिति

१. डा० लोकेश चन्द्र,
अध्यक्ष, भा०इ०अ०प०
जे-२२, हौज खास एनक्लेव,
नई दिल्ली-११००१६

२. डा० रघुबीर सिंह,
रघुबीर निवास, सितामऊ,
मालवा-४५८९९० (म० प्र०)

३. प्रोफेसर एस० एस० बल,
प्रोफेसर तथा विभागाध्यक्ष,
इतिहास विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय
पटियाला-१४७००२

४. प्रोफेसर बी० एन० दत्ता,
प्रोफेसर, आधुनिक इतिहास,
कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय,
कुरुक्षेत्र-१३२११९ (हरियाणा)

५. डा० पी० एन० चौपड़ा,
सी-११/४२, बापा नगर,
नई दिल्ली ।

६. प्रोफेसर पी० एस० गुप्त,
प्रोफेसर, इतिहास
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-११०००७

७. प्रोफेसर बी० एस० माथुर,
प्रोफेसर, इतिहास.
उदयपुर विश्वविद्यालय,
उदयपुर (राजस्थान)

८. प्रोफेसर के० ए० निजामी,
निजामी विला,
सर सैयद मार्ग,
अलीगढ़ (उ० प्र०)

९. प्रोफेसर लल्लनजी गोपाल,
ए० आई० एच० सी० तथा पुरातत्व विभाग,
बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय,
वाराणसी-२२१००५

१०. प्रोफेसर के० डी० वाजपेयी,
एच १५, पदमाकर नगर,
सागर-४७०००४ (म० प्र०)

११. प्रोफेसर योगेन्द्र मिश्रा,
वैशाली भवन,
टिकिया टोली, पटना-८००००६

१२. डा० सिसिर कुमार मिश्रा,
१/१–ए, विलियम्स लेन, कलकत्ता–७००००९

१३. प्रोफेसर एम० एन० दास,
प्रोफेसर, इतिहास
उत्कल विश्वविद्यालय,
वाणी विहार,
भुवनेश्वर–७५१००४ (उड़ीसा)

१४. प्रोफेसर एच० के० बरपुजारी,
प्रोफेसर, इतिहास (सेवानिवृत),
एच० सी० रोड, गोहाटी–७८१००१ (असम)

१५. प्रोफेसर द्विजेन्द्र त्रिपाठी,
प्रोफेसर, आर्थिक इतिहास,
भारतीय प्रबन्ध संस्थान,
अहमदाबाद–३८००१५ (गुजरात)

१६. प्रोफेसर सरोजिनी रेगानी,
६–१-२७५/२, पद्माराव नगर,
सिकन्दराबाद–५०००२५ (आ० प्र०)

१७. प्रोफेसर एस० एच० रित्ती,
प्रोफेसर तथा विभागाध्यक्ष,
प्राचीन भारतीय इतिहास तथा पुरातत्व विभाग,
कर्नाटक विश्वविद्यालय,
धारवाड़–५८०००३ (कर्नाटक)

१८. प्रोफेसर एन० सुब्रमण्यम,
९६, एन० जी० ओ० कालोनी,
नागमलई, पुडुकीट्टई,
मदुरै–६२५०१९ (तमिलनाडु)

१९. प्रोफेसर टी० के० रविन्द्रन,
प्रोफेसर, इतिहास,
केरल विश्वविद्यालय,
करइवट्टम, त्रिवेन्द्रम–६९५५८१

२०. प्रोफेसर सतीश चन्द्र,
१६५, उत्तराखण्ड, न्यू कैम्पस,
जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय,
नई दिल्ली–११००५७

२१. डा० (श्रीमती) देवला मिश्रा,
महानिदेशक,
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण,
नई दिल्ली–११०००१

२२. डा० आर० के० परती,
निदेशक,
भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार,
जनपथ, नई दिल्ली–११०००१

२३. श्रीमती सरला ग्रेवाल,
सचिव (शिक्षा)
शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय,
शास्त्री भवन, नई दिल्ली–११०००१

२४. डा० (श्रीमती) कपिला वात्सायायन,
अपर सचिव,
शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय, संस्कृति विभाग
शास्त्री भवन, नई दिल्ली–११०००१

२५. श्री मन मोहन सिंह,
वित्तीय सलाहकार,
शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय,
शास्त्री भवन, नई दिल्ली–११०००१

२६. श्री ए० के० डांडा,
निदेशक,
भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण,
२७, जवाहर लाल नेहरू मार्ग,
कलकत्ता – ७०००१६

परिशिष्ट II

आलोच्य वर्ष के दौरान स्वीकृत अनुसंधान परियोजनाओं की सूची स्वीकृत राशि प्रत्येक परियोजना के सामने दिखाई गई है।

१. श्री आर० तिरुमलई, सदस्य, आर्थिक प्रशासन सुधार आयोग, ए० बी० ८३, शाहजहां रोड़, नई दिल्ली ११, 'दक्षिण भारतीय नगरी का एक अध्ययन' (एक वर्ष की अवधि के लिए ४३,००० रु०)।

२. श्री के०पी०एस० मेनन, सायी, कोडुनगालुर, जि० त्रिचूर, केरल 'कुटियाट्टम, केरल का पारम्परिक थिएटर' (८,००० रु०)।

३. डा० डी०वी० प्रकाश, दक्कन कालेज पूना, 'भारत में मध्यकालीन किलेबन्दी कुक किला' के विशेष संदर्भ में सामाजार्थिक अध्ययन' (५,००० रु०)।

४. श्री आर० पी० हिंगोरानी, डी–४२, साउथ एक्सटैन्सन, भाग-१, नई दिल्ली, "तुलसीदास की सम्पूर्ण कृतियों के संदर्भ काण्ड का संकलन' (एक वर्ष की अवधि के लिए ५,००० रु०)।

५. डा० के० एन० पण्डिता, मध्य एशियायी अध्ययन केन्द्र, काश्मीर विश्व-विद्यालय, श्रीनगर, "फारसी पाण्डुलिपि बाहरीस्तम्भ-ए-शाही का अंग्रेजी में अनुवाद' (एक वर्ष के लिए १०,६०० रु०)।

६. डा० एम० जे० मेहता, इतिहास विभाग, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात, "अहमदाबाद के खतयपरा : क्षेत्रीय स्रोत सामग्री का एक समालोचनात्मक अध्ययन" (१०,००० रु०)।

७. श्री ओ० पी० भारद्वाज, भा० प्र० सं०, ११०-२४ ए चण्डीगढ़," प्राचीन काल से कुषाणों के आगमन तक प्राचीन कुरुक्षेत्र" (४,००० रु०)।

८. श्री एस० हरमोहिन्दर सिंह, प्राध्यापक, इतिहास, एस०जी०टी०बी० खालसा कालेज (सायं), देवनगर, नई दिल्ली–५, 'पंजाब में सरकार तथा राजनीति १६३७–४७', (६,००० रु०)।

९. डा० महमदा नसीम, ए० आई० एच० सी० तथा पुरातत्व विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी–५, 'काश्मीर घाटी का पाषाण युग और मध्य एशियाई संस्कृतियों के साथ सांस्कृतिक परस्पर-क्रिया' (४,००० रु०) ।

१०. डा० एच० एस० शुक्ला, रीडर, सामान्य शल्य चिकित्सा, औषध विज्ञान संस्थान, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, 'प्राचीन भारतीय साहित्य तथा महाभारत में घाव और उनका उपचार,' (२,००० रु०) प्रति वर्ष के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु०) प्रति मास की दर से एक अनु० सहायक) ।

११. डा० दर्धाबवन मिश्रा, स्नातकोत्तर इतिहास विभाग, जी० एम० कालेज, सम्बलपुर, उड़ीसा, 'छठी शताब्दी ए० डी० उड़ीसा इतिहास तथा संस्कृति में एक संक्रमण प्रकरण' (दो वर्ष के लिए ५,००० रु०) ।

१२. डा० एस० आर० नेमा, अध्यक्ष, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग, इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ (म० प्र०), 'छत्तीसगढ के सांस्कृतिक इतिहास के लिए श्रोत सामग्री-पूर्व ऐतिहासिक काल से सर्का १८०० ए० डी० तक) (प्रति वर्ष २००० रु०) फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास की दर से एक अनु० सहायक) ।

१३. डा० एस० गोस्वामी, इतिहास विभाग, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, डिब्रूगढ़ (असम), '१९वीं शताब्दी में असम कृषि सोसायटी में तनाव' (८,००० रु०) ।

१४. डा० सुरेश चन्द्र भट्टाचार्य, रीडर, प्राचीन भारतीय इतिहास तथा संस्कृति उच्च अध्ययन केन्द्र, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कलकत्ता, 'प्राचीन बंगाल के इतिहास को प्रभावित करने वाली प्रतिलेखन सामग्री का संग्रह (सी० ३०० बी० सी० से १३०० ए० डी० तक (१५,००० रु०) ।

१५. डा० कैलाश चन्द्र जैन, प्रोफेसर, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्व अध्ययन विश्वविद्यालय स्कूल, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन, "कालीदास और उनका युग", (६,००० रु०) ।

उन अनुसंधान परियोजनाओं की सूची जिनके लिए अतिरिक्त अनुदान वृद्धि स्वीकार की गई ।

१. प्रोफेसर रोमिला थापर, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली "गंगा-यमुना दोआब की ऐतहासिक एटलस,' (५,००० रु०) का अतिरिक्त अनुदान ।

२. डा० उमा पाण्डे, संस्कृत प्राध्यापक, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू, 'काश्मीर शैववाद" (अतिरिक्त अनुदान के रूप में ३६०० रु०) ।

३. डा० एम० एस० अहलुवालिया, इतिहास विभाग, हि० प्र० विश्वविद्यालय, शिमला, 'राजस्थान के भारत–फारसी प्रतिलेखन (१२०६–१५२६)' (दूसरे वर्ष के लिए १२,५०० रु०) ।

४. श्री ए० एच० निजामी, सेवानिवृत प्रिंसीपल, रीवा, सीतामऊ, 'श्री रघुबीर पुस्तकालय, सीतामऊ में फारसी पाण्डुलिपियों, और अभिलेखों का सूची पत्र' (एक वर्ष) ।

५. डा० शाहबुद्दीन इराकी, प्राध्यापक, इतिहास विभाग, अलीगढ़, मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, 'कबीर और कबीर पंथ' (अतिरिक्त अनुदान के रूप में २००० रु०) ।

परिशिष्ट III

आलोच्य वर्ष के दौरान स्वीकृत अधिछात्रवृत्तियों की सूची-स्वीकृत राशि प्रत्येक के सामने दर्शायी गई है।

१ डा० आर० एम० सिन्हा, सेवानिवृत प्रोफेसर, इतिहास विभाग, जबलपुर विश्वविद्यालय, जबलपुर, म० प्र०, 'म० प्र० में जन आन्दोलन के संबन्ध में स्रोत सामग्री का संग्रह; (३०००—रु० के फुटकर अनुदान के साथ एक वर्ष के लिए १५०० रु० प्रतिमास)।

२. कुमारी तूलिका बनर्जी, अनु० अध्येता, प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति और पुरातत्व विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय इलाहाबाद, 'अपर पुरा-प्रस्तर युग से मध्य प्रस्तर युग तक दक्षिण उत्तर प्रदेश के प्रस्तर उद्योगों का अध्ययन' (प्रतिवर्ष २,००० रु० फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

३. डा० (कुमारी) ऊषा अग्रवाल, अनु० अध्येता, वृन्दावन अनुसंधान संस्थान, वृन्दावन, 'जन शिलालेखों पर आधारित जन समाज का धार्मिक अध्ययन (प्रतिवर्ष २००० रु० फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ८००रु० प्रति मास)।

४. डा० एस० श्रीनिवासन, नं० २, सेकण्ड मैन रोड, राजा अन्नमलईपुरम, मद्रास-२८, 'दक्षिण पेन्नार मैदान : एक सामाजार्थिक अध्ययन : ८००-१६०० ए० डी०, (प्रतिवर्ष २००० रु० फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ८०० रु० प्रतिमास)।

५. कुमारी नीलम श्रीवास्तव अनु० अध्येता, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, "प्राचीन भारतीय धार्मिक आन्दोलन में स्त्रियों की भूमिका' (प्रतिवर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

६. श्री एच० एस० बिरादार, अनु० अध्येता, इतिहास तथा पुरातत्व विभाग, कर्नाटक विश्वविद्यालय धारवाड़, 'विजयनगर का सांगमा वंश : एक सांस्कृतिक अध्ययन' (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

७ श्री वी० मुरलीधर रेड्डी, अनु० अध्येता, प्राचीन इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग, विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन, 'मालवा में आन्ध्र सतवाहन का एक समालोचनात्मक अध्ययन' (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

८ श्री संतोष सरन, अनु० अध्येता, भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, 'गुप्त काल के दौरान विज्ञान तथा प्राध्योगिकी, (प्रतिवर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

९. डा० वी० एस० मूर्ति, अनु० अध्येता, भारतीय भाषा विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, 'तेलगू में ऐतिहासिक उपन्यास' (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ८०० रु० प्रति मास)।

१०. कुमारी सरोज रानी, अनु० अध्येता, प्राचीन इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग, गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर, 'क्षत्रियों की उत्पत्ति एवं विकास' (प्रति वर्ष २०००रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ५०० रु० प्रति मास)।

११. डा० एन० आर० बनर्जी, नेहरू फैलो, डी–११/२२३, प० किदवई नगर, नई दिल्ली, 'भारत में लौह इस्पात धातुविज्ञान और प्रोद्योगिकियों का अध्ययन' (प्रति वर्ष ५००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए २००० रु० प्रति मास)।

१२. कुमारी मोहिनी श्रीवास्तव, अनु० अध्येता, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, 'मौर्य और सुंगा कालों में पोशाक तथा जेवर', (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए, ६०० रु० प्रति मास)।

१३. लक्ष्मी नारायण उपाध्याय, अनु० अध्येता, राजनीतिक विज्ञान तथा सार्वजनिक प्रशासन विभाग, सागर विश्वविद्यालय सागर, 'बाल्मीकि रामायण में वर्णित राज्य व्यवस्था : एक अध्ययन' (प्रति वर्ष २०००रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

१४. श्रीमती ऊषा शर्मा, अनु० अध्येता, भारत विद्या तथा संग्रहालय विज्ञान में उच्च अध्ययन केन्द्र, प्राच्य निकेतन, भोपाल, '६०० बी०सी० से १२०६ ए०डी० तक शिवपुरी जिले के पुरातत्व का एक आलोचनात्मक अध्ययन) (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रत मास)।

१५. श्री कृष्ण कुमार सिंह, अनु० अध्येता, प्राचीन इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग, गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर' 'प्राचीन भारत में मनके और मनके बनाना', (प्रतिवर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

१६. डा० बी० एस० एल० हनुमंत राव, सेवा निवृत, अध्यक्ष, इतिहास विभाग, हिन्दू कालेज, गुन्टूर, ३/१७, ब्रोडिमेट, गुन्टूर (आ० प्र०) 'मध्यकालीन आन्ध्र प्रदेश में सामाजिक गतिशीलता, (ए० डी० ६००–१३२५)' (प्रतिवर्ष ३००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए १५०० रु० प्रति मास)।

१७ श्री सतीश चन्द्र सिंह, अनु० अध्येता, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, 'बस्ती के विशेष संदर्भ में उत्तर-पूर्वी उत्तर प्रदेश का पुरातत्व।' (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

१८. श्री के० राघवाचारी, ब्लाक नं. ३६, एफ-२, विजयनगर कालोनी, हैदराबाद–५७ 'सतवाहन काल के दौरान तेलंगाना क्षेत्र की भौतिक संस्कृति, (प्रति वर्ष ४००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए १५०० रु० प्रति मास)।

१९. श्री राकेश कुमार, अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, 'प्राचीन भारत में आवास' (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

२०. कुमारी कला उपाध्याय, बनारस हिन्दू विश्वविध्यालय, वाराणसी, 'प्राचीन भारत में दाह संस्कार', (प्रतिवर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रू० प्रति मास)।

२१. श्रीमती प्रभाती मुखर्जी, १७/५, मूर एवन्यू कलकत्ता, 'गैर-ब्राह्मण और गैर-भारतीय ग्रन्थ सूचीय श्रोतों से अस्पृश्यता के निर्धारक', (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए १५०० रु० प्रति मास)।

२२. श्री के० सत्यनारायण, मानव शास्त्र विभाग, आन्ध्र विश्वविद्यालय, वाल्टेयर, 'प्रारम्भिक खेती : निचली गोदावरी घाटी में एक वंशानुगत पुरातत्वीय अध्ययन,' (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

२३. श्री रमेश चन्द्र खन्डूरी, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग, विरसा संघटक, कालेज, श्रीनगर (गढ़वाल), 'उत्तराखण्ड की निचली पहाड़ियों में ऐतिहासिक तथा सांस्कृतिक विकास,' (प्रतिवर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

२४. श्रीमती शीला सिंह, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, 'दक्षिण पूर्व एशियाई संस्कृति में बोधी बृक्ष का योगदान' (प्रतिवर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

२५. श्री शिव दत्त, जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 'परवर्ती वैदिक पाठों में सामाजिक पद्धति (१००० से ५०० बी० सी०)' (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

२६. डा० अवधेश नारायण सिंह, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, 'भारत में १८वीं० शताब्दी ए० डी० तक रंग तथा रंग के पौधे,' (प्रति-वर्ष ३००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ८०० रु० प्रति मास)।

२७. श्रीमती निरुपमा सिंह, पटना विश्वविद्यालय, पटना, 'जाटक में शहरी जीवन', (प्रतिवर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ ६०० रु० प्रति मास)।

२८. श्री केशव सिंह, अनु० अध्येता, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, 'ऋगवेद आरणयका का एक तुलनात्मक अध्ययन', (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० प्रति मास)।

२९. डा० सूरजभान, ए० आई० एच० सी० तथा पुरातत्व विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र, 'भारत में कांस्ययुग–सांस्कृतिक पद्धतियों का अध्ययन,' (प्रति वर्ष ३००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए वेतन संरक्षण)।

३०. श्री राजेन्द्र प्रसाद सिंह, कला तथा वास्तुकला विभाग, कला संकाय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी–५, 'चौंनसाथा योगिनी मन्दिर,' (प्रतिवर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

३१. कुमारी अत्रे सुभानगया मुकुन्द, ४२५/७२, जानकी टी०एम० बी० कालौनी, गुलटैकडिंटी, पुणे–४११०३७, 'हड़प्पा धर्म,' (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

३२. डा० (श्रीमती) कल्पना एम० परान्जपे, सौनक सोसायटी, १५ वीं लैन प्रभात रोड़, पुणे–४११००४, 'वैदिक काल से भारत में प्रजातंत्र की संकल्पना (प्रतिवर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

३३. श्री रत्नेश कुमार वर्मा, कला इतिहास, विभाग, बनारस हिन्दू विश्व विद्यालय, वाराणसी, 'मध्य प्रदेश में जैन सनसनदेवताओं का प्रतिमा विज्ञान; (प्रतिवर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

३४. श्री जे० सी० नागपाल, सेवानिवृत मुख्य पुरातत्व रसायंत्र, भारतीय पुरातत्वीय सर्वेक्षण, नई दिल्ली, 'भारतीय गैर फैरस धातु कला : हड़प्पाकाल से मुसलमानों के आगमन तक ऐतिहासिक तथा तकनीकी विकास. (प्रतिवर्ष ३००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए १५०० रु० प्रति मास)।

३५. फुन्स्टाक त्सैटिंथ, ८२, जुवली हाल, माल रोड़, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली 'ए०डी० ८ वीं से १६ वीं शताब्दी ए०डी० तक तिब्बत में बौद्ध धर्म के स्कूलों में वृद्धि : तिब्बती श्रोतों पर आधारित' (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास) ।

३६. डा० डी० सी० घोष, ४ नार्थ रिवोरिया अपार्टमेंट, ४५, दि माल रोड़, दिल्ली–७, 'भारत में भित्ति चित्र', (प्रति वर्ष ३००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए १५०० रु० प्रति मास) ।

३७. प्रोफेसर सत्यनारायण राजगुरु, क्वार्टर नं. ४. आर–१०, कृषि कालौनी यूनिट आठ, भुवनेश्वर–७५१००३, 'पाण्डुलिपियां तैयार करना और उनका सम्पादन जगन्नाथ-स्थला वृतान्तम और जगन्नाथ कैपटियाट,' (प्रति वर्ष ३००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ तीन वर्ष के लिए १८०० रु० प्रति मास) ।

३८. डा० एस० सी० काला, ६३-ई०, स्तानले रोड़, इलाहाबाद, 'पूर्व तथा हड़प्पा से भारतीय टैराकोटा कला में पशु और पक्षियों की किस्म', (प्रति वर्ष ३००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए १५०० रु० प्रति मास) ।

३९. कुमारी नीना भल्ला, अनु० अध्येता, इतिहास विभाग, जामिया मीलिया, इस्लामिया, जामिया नगर, नई दिल्ली, 'अहमद के सुबाह में मुगल प्रशासन,' (प्रतिवर्ष २००० रू० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास) ।

४०. श्री ए० वी० राजेशिर्के, इतिहास विभाग, एम० एस० विश्वविद्यालय, गुजरात, 'सत्रहवीं और अठावहवीं शताब्दियों में मराठा-पुर्तगाल संबंध (१६००–१७३९)–राज व्यवस्था तथा अर्थ व्यवस्था का अध्ययन,' (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास) ।

४१. डा० (श्रीमती) सुसमिता पांण्डे, द्वारा प्रोफेसर जी० सी०पाण्डे, अध्यक्ष, प्राचीन भारतीय इतिहास तथा पुरातत्व विभाग, इलाहाबाद, विश्व-विद्यालय, इलाहाबाद, उ० प्र०, 'ए० डी० १२०० ए० डी० १६०० तक भक्ति की विचारधारा का विकास', (प्रति वर्ष ३००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ८०० रु० प्रति मास) ।

४२. श्रीमती शान्ता हरिहरन, ऐतिहासिक अध्यन केन्द्र, जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 'सत्रहवीं और अठारहवीं शताब्दियों के दौरान बड़ौला क्षेत्रों की अर्थ-व्यवस्था के पहलू', '(प्रति वर्ष ३००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

४३. श्रीमती शान्ति श्री बनर्जी, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली–७, 'ए. डी. १००० से १३५० तक तटवर्ती आन्ध्र में व्यापार तथा वाणिज्यिक संगठन, (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

४४. श्री जमाल अब्दुल वाजिद, इकबाल पुस्तकालय, काश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, "१९वीं शताब्दी भारत के अध्ययन के लिए उर्दू स्रोत", (प्रति वर्ष ३००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए वेतन संरक्षण)।

४५. मेस० रश्मि अग्रवाल, इतिहास विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उ० प्र० "सुल्तान युग के दौरान उत्तराधिकार का प्रश्न," (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

४६. श्रीमती पी० गिरिजा, इतिहास तथा संस्कृति विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, "१८वीं शताब्दी के द्वितीय अर्ध में पूर्व गोदावरी जिले के विशेष संदर्भ में तटवर्ती आन्ध्र में ग्रामीण जीवन", (प्रति वर्ष ३००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास।

४७. श्री हसन महमूद, प्राध्यापक, इतिहास, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, "बंगाल तथा बिहार में कृषि संबंधः सी १७६५-१७९३", (पहले वर्ष ४००० रु० के और दूसरे वर्ष ३००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए वेतन संरक्षण)।

४८. कुमारी रेहाना बेगम, द्वारा एस० एम० अमीरुद्दीन, दीवान दया राम, रित्ती चौक, गोरखपुर (उ० प्र०), "नवाब, वजीरों के अधीन अवध के विशेष जीवन के कुछ पहलू, जैसा कि समकालीन उर्दू साहित्य में परिलक्षित है (१७२०–१८१९ ए०डी०," (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रतिमास)।

४९. डा० बी० टन्डन, ३१५, गांधीनगर, गाजियाबाद (उ० प्र०) "१८५६ से १९३५ के बीच अवध की वास्तुकला और नगर" (प्रतिवर्ष ४००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए वेतन संरक्षण)।

५०. श्री डी० के० चौधरी, आर-१३, अध्यापक फ्लैट्स, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, "पंजाब के वाणिज्यिक वर्गों की कार्यात्मक पद्धति, १८८१-१९१२", (प्रतिवर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

५१. श्री मातादीन गुप्ता, २६२, पेरियार होस्टल, न्यू कैम्पस, ज०ने०वि० नई दिल्ली, "सी०पी०एस०यू० और सोवियतों के सोवियत रूस के अध्ययन में राजनीतिक सहभागिता', (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

५२. श्रीमती जी० मीरा राव, २६, सेवंथ क्रास रोड़, एन० आर० कालोनी, बंगलौर, "शाही मैसूर में ब्रिटिश उपनिवेशीय नीतियां और आर्थिक अध्ययन, १७९९-१८८१" (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ एक वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

५३. मेस० संध्या मिश्रा, रामनिकेतन, डी ६१/२६ बी-१, सिंधगिरि बाग, वाराणसी, "भारतीय राजनीति में मोतीलाल नेहरु का योगदान, (प्रतिवर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

५४. श्री एस० रामचन्द्रन नायर, सुप्रिय नेट्टयम, कचानी, त्रिवेन्द्रम (केरल), "त्रावणकोर में आर्थिक परिवर्तन के सामाजिक परिणाम, १९०८–१९३२', (२००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ एक वर्ष के लिए वेतन संरक्षण)

५५. श्री द्वारका नाथ, जी-३२, तारा एपार्टमेंट, कालकाजी, नई दिल्ली, '१९वीं-२०वीं शताब्दी के दौरान भारत में व्यापार मेलों का विकास और व्यापार तथा वाणिज्य के प्रोत्साहन में उनकी भूमिका' (प्रतिवर्ष ४००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए वेतन-संरक्षण छात्रवृत्ति।

५६. श्री अबु युसुफ़ शमसुल आलम, ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र, जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, "मुसल मान

और बंगाल राजनीति, १९१२–१९२४" (१२००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ आठ महीने के लिए वेतन संरक्षण)।

५७. श्री के० पाणिक्कर, प्राध्यापक, इतिहास, के० जे० सोमैया कला तथा वाणिज्य कालेज, विद्यानगर, विद्याविहार, बम्बई, "बम्बई का इतिहास, १९०६-१९१९,' (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए वेतन संरक्षण अधिछात्रवृत्ति अनुमोदित की गई) ।

५८. श्रीमती पद्मिनी राजप्पा, द्वारा डा० एस० राजप्पा, "सीबा सेसी" अनुसंधान केन्द्र, गोरेगांव, बम्बई-६३, "बम्बई में राजनीति तथा सामाजिक संघर्ष' (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास) ।

५९. मेस० नीरू झिगन ११६., मालवीय नगर, भोपाल "भोपाल, एजेन्सी के अन्तर्गत भारतीय राज्यों के साथ ब्रिटिश संबंध, १९१९-१९४७,' (प्रति वर्ष २००० रु० प्रति मास) ।

६०. श्रीमती जानेट मारी, रिजवी, एल बी एस राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी, "बीसवीं शताब्दी के प्रथम अर्ध में, लद्दाख में जीवन और समाज", (प्रति वर्ष २५०० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ८००रु० प्रति मास) ।

६१. श्री प्रभात मुखर्जी (सेवा निवृत्त रीडर, इतिहास, उत्कल विश्वविद्यालय), "उड़ीसा में ब्रिटिश शासन के दौरान जगन्नाथ मंदिर से संबंधित सभी महत्वपूर्ण पत्रों को समालोचनात्मक टिप्पणियों के साथ प्रकाशित करना,' (प्रति वर्ष ३००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए १५००० रु० प्रति मास) ।

६२ श्री आर० रामाकृष्णन, ३३१, १० ए, मेन रोड़, थर्ड ब्लाक, जयनगर, बंगलौर–५६००११, "मैसूर में प्रैस (१८८१–१९४७)', प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ १८ महीने के लिए ६०० रु० प्रति मास) ।

६३. श्रीमती यू० आर० गुप्ता, द्वारा श्री भगवान प्रकाश, सी–६/८, बसंत विहार, नई दिल्ली –५७, 'दिल्ली में असहयोग आन्दोलन,' (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास) ।

६४. श्री एम० एल० अहलुवालिया, बी–२०, नई दिल्ली साउथ एक्सटैन्सन, भाग १, नई दिल्ली–४९, 'महाराजा रणजीत सिंह की विदेश नीति से संबंधित दस्तावेजों को एकत्र, सम्बद्ध, सम्पादित और प्रकाशित करना, १७९६–१८३९, (प्रति वर्ष ४००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए १५०० रु० प्रति मास) ।

६५ डा० (श्रीमती) एस० सुन्दराजन, प्रिंसीपल, अवायर राजकीय महिला कालेज, कराईकल, पांडिचेरी–६०९६०२, 'दक्षिण भारत में राष्ट्रवादी आन्दोलन,' (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए वेतन संरक्षण अधिछात्रवृति अनुमोदित की गई) ।

६६. मेस० एम० जी० इन्दिरा देवी, अनु० अध्येता, विश्वविद्यालय, महिला होस्टल, करयावट्टम, त्रिवेन्द्रम, केरल, 'केरल तथा 'भारत छोड़ो आन्दोलन,' (२००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ छः महीने के लिए ६०० रु० प्रति मास) ।

६७. श्री सुलखान सिंह, अनु० फैलो, इतिहास विभाग, जी० एन० डी० विश्वविद्यालय अमृतसर, 'सिंह शासन के आधीन उदासी, १७५०-१८५०,' (२००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ एक वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास) ।

६८. श्री डी०के० कबाडवाल, अनु० अध्येता, इतिहास विभाग, डी० एल०बी० संघटक कालेज, नैनीताल "१८५७ से कुमांऊं में सशस्त्र सेनाओं में भर्ती : एक ऐतिहासिक विश्लेषण," (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास) ।

६९. कुमारी कंचन ज्योति, प्राध्यापक, इतिहास, गुरु नानक महिला कालेज, बांगा पंजाब, 'जालन्धर नगर, १८४६–१९४७ शहरी इतिहास का एक अध्ययन,' (२००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ एक वर्ष के लिए वेतन संरक्षण) ।

७०. श्री ब्रजेश वर्मा, कोइला घाट रोड़, आदमपुर, भागलपुर, (बिहार), "स्वतंत्रता संग्राम में बिहार के दीप नारायण सिंह की भूमिका," (प्रति वर्ष २००० रु के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास) ।

७१. श्रीमती आशा शर्मा, (११ कोवी, पार्क, अम्बाला छावनी), पत्रकारिता और जनसंचार कला विभाग, ब्लाक र०न० ४, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, 'भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन में सत्यानन्द स्टोकों का योगदान और शिमला पर्वतों का सामाजार्थिक विकास,' (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए वेतन संरक्षण अधिछात्रवृत्ति)

७२. श्री बी० ए० शर्मा, १२६, गांधी नगर, मेरठ–२, 'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अन्दर विभिन्न वैचारिक वर्ग, १६०५–१६२६' (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

७३. श्री एन० के० त्यागी, डी० एस० पी० हाउस, १ बी, राजेन्द्र नगर, मेरठ, –२, "१६२६ से १६३४ तक उ० प्र० सरकार के प्रशासन के कुछ पहलू," (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

७४. श्री के० जयरमन, अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन स्कूल, जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, "समुद्र कन्वेंशनों द्वारा सामान के यातायात के अन्तर्गत देयताओं की समस्याएं और समुद्री व्यापार का इतिहास," (२००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ छः महीने के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

७५. श्री गुरुचरण सिंह, द्वारा प्रोफेसर जी० एस० तालिब, ८० बी० माडल टाउन, पटियाला, 'पटियाला नगर के सामाजिक-सांस्कृतिक विकास का अध्ययन, १८५७–१६५६,' (प्रति वर्ष ३५०० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए १८०० रु० प्रति मास)।

७६. मेस० कमलेश माथुर, द्वारा श्री एल० एन० माथुर, ३३, गणगोर घाट उदयपुर, '१८१८ से १६४६ तक मेवाड़ में शैक्षिक विकास', (२००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ एक वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

७७. श्रीमती पी० बासुमती देवी, क्वार्टर नं. सी–२२, केरल विश्वविद्यालय कैम्पस, करयावट्टम, त्रिवेन्द्रम, केरल, "आधुनिक काल के विशेष संदर्भ में केरल में दासता की प्रथा-एक सामाजार्थिक और ऐतिहासिक विश्लेषण," (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए वेतन संरक्षण)।

७८. डा० मन्जुल शुक्ला, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, 'प्राचीन भारतीय साकृट ग्रन्थ कला अभिप्रायों के अध्ययन,' (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ८०० रु० प्रति मास)।

७९. श्री नारायणा तिवारी, अनु० अध्येता, संस्कृत तथा पाली विभाग, ब०हि०वि०, वाराणसी, "ऋगवेद संहिता, में फूल-पत्ती तथा अन्य वनस्पतियों का एक समालोचनात्मक अध्ययन, (प्रति वर्ष २०० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

८०. डा० (श्रीमती) माधुरी मिश्रा, द्वारा श्री एल०एन० मिश्रा, सेक्टर तीन, १०७ (१११), बी एच इ एल, हरिद्वार, उ०प्र०, 'जयशंकर प्रसाद की कृतियों का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक अध्ययन, (प्रति वर्ष) २०० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ८०० रु०।

८१. श्री भोजराज, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, "प्राचीन भारत में सामाजिक गतिशीलता," (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रतिमास)।

८२. श्रीमती आशा विष्णु, १६४, रघुबीरपुरी, अलीगढ़ (उ०प्र०), "एक पुरातत्वीय अध्ययन पर आधारित उत्तरी भारत का भौतिक जीवन (३२वीं शताब्दी बी०सी० से पहली शताब्दी बी०सी० तक)," (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)

८३. श्री चन्द्र देव सिंह, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग, ब०हि०वि०, वाराणसी, "प्राचीन भारत में सामाजिक विचार (प्रथम शताब्दी ए०डी० के शुरूआत तक)", (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

८४. कुमारी निहारिका, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व वि०, ब०हि०वि०, वाराणसी, "प्राचीन भारत में शिलामनको का एकअध्ययन," (प्रति वर्ष २००० रु० के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

८५. कु० मंजू चतुर्वेदी, प्राचीन इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, "उत्तरी भारत में मेजिका धारा," प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास।

८६. श्री आशुतोष दधीच, "भारतीय इतिहास और संस्कृति विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, "धुनधर के भि ती चित्रों का इतिहास," (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

८७. डा० (श्रीमती) कंचन सिन्हा, प्राचीन भारतीय इतिहास तथा संस्कृति विभाग, पटना विश्वविद्यालय, पटना, "उत्तर भारतीय मुद्राओं का प्रतिभाविज्ञान संबंधी अध्ययन (हड़प्पा काल से १२०६ ए०डी० तक)," (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ८०० रु० प्रति मास)।

८८. डा० जी० एन० दास, उड़िया विभागाध्यक्ष, बरहामपुर विश्वविद्यालय, बरहामपुर, "मडाला पांडी के "दसाखंजा" खण्ड का एक समालोचनात्मक संस्करण तैयार करना : उड़ीसा अध्ययनों का स्रोत," (प्रति वर्ष ५००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए वेतन संरक्षण अधिछात्रवृत्ति)।

८९. डा० आर० एल० हंगलू, ३१५, सतलुज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, "मिर्जा-सैफ-उद-दीन का अखबारात," (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ८०० रु० प्रति मास)।

९०. श्रामती ज्योत्सना राय चौधरी, सहायक अध्यापक, प्राचीन भारतीय इतिहास तथा संस्कृति विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, "पूर्वी भारत में धार्मिक संहतिवाद १६००-१३०० ए० डी०", (प्रति वर्ष ३००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए वेतन संरक्षण)।

९१. श्री खेमानन्द चन्दौला, पी० ओ० पीपली पानी, जि० पौरी गढ़वाल (उ० प्र०) 'गढ़वाल-तिब्बत सामाजाथिक संबंध,' 'प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

९२. श्री लाजपत जग्गा, इतिहास विभाग, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक 'हरियाणा, 'भारत में औद्योगिक कार्य शक्ति का उदय और श्रमिक विरोध के स्वरूप: रेलों का एक अध्ययन, १८५३-१९४९,' (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए वेतन संरक्षण) ।

९३. श्री जी० पी० शर्मा, इतिहास और संस्कृति विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, 'बिहार में कृषि प्रणाली और कृषक विरोधी, १८६०–१९४०,' (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए वेतन संरक्षण) ।

९४. श्री सुमंगल प्रकाश, इतिहास विभाग, मेरठ कालेज, मेरठ (उ० प्र०) 'भारत-अमरीका संबंध १९४७–१९६४,' (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए वेतन संरक्षण अधिछात्रवृति अनुमोदित की गई ।

९५. श्री एम० एल० कचरू ४ जी. जवाहर नगर, दिल्ली–७, 'घरान्डसा सम्प्रदाय के दस्तावेजों को सूचीबद्ध करना," (प्रति वर्ष ३००० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए १५०० रु० प्रति मास) ।

९६. श्री तपस कुमार मोहन्ती, इतिहास विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, उड़ीसा, 'दक्षिण पूर्व एशिया में भारतीय उत्प्रवास, (मलेशिया तथा सिंगापुर का एक मामला अध्ययन),' (प्रति वर्ष २००० रु०के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए वेतन संरक्षण) ।

९७. श्री शक्ति प्रताप सिंह, इतिहास विभाग, ब. हि. वि. वाराणसी, उ० प्र० 'मनसारण सिंह से लेकर राज्य के भारतीय संघ में विलय होने तक बनारस राज्य का इतिहास,' (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास) ।

९८. श्रीमती शशि जोशी, इतिहास विभाग, मिरांडा हाउस, दिल्ली–७ 'भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन आशंका १९२०–३५,' (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ तीन महीने और ग्यारह दिन के लिए वेतन संरक्षण) ।

९९. प्रोफेसर डी० पी० नायर (सेवा निवृत वरिष्ठ फैलो, मा. सा. वि.अ व. 'भारत में शैक्षिक विकास, १९३७–५१,') (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए १५०० प्रति मास) ।

१००. श्री फरामहा सी० वासानापिनौत, डी०सी० ६७ ए, ग्वेयर हाल, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली, 'जिनाकलामली का एक समालोचनात्मक अध्ययन,' (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

१०१. कुमारी नीला राव, अनु० अध्येता, इतिहास तथा संस्कृति विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, '१५वीं शताब्दी से १९वीं शताब्दी तक कुचीपुड़ी नृत्य के विकास पर सामाजिक राजनीतिक प्रभाव,' (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

१०२. डा० (श्रीमती) कमला रतनम ईशान एफ १–७, हाज खास, नई दिल्ली–१६, 'कालीदास' एक ऐतिहासिक तथा सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए १८०० रु० प्रतिमास)

१०३. श्रीमती नवामलिका दास गुप्ता, बी–१२–११२ ई० गौरीगंज, भेलपुरा, वाराणसी–१, '१५ वीं शताब्दी के प्रारम्भ से २०वीं शताब्दी तक बंगाल के वस्त्र और वेश-भूषा, (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

१०४. प्रोफेसर के० क्यू० फारुकी, उर्दू विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली–७, 'ऐतिहासिक महत्व के उर्दू पाठ' (प्रति वर्ष ५००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए २००० रु० प्रति मास)।

१०५. श्रीमती हरिप्रिया रंगाराजन, सेठ भोला भाई जयसिंह भाई अध्ययन तथा अनुसंधान संस्थान अहमदाबाद, गुजरात, '१६ वीं शताब्दी तक गुजरात में वैष्णववाद के प्रसार का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक अध्ययन,' (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए वेतन संरक्षण)।

१०६. श्री मोहन सिंह राठौर, अनु० अध्येता, इतिहास विभाग, हि० प्र० विश्वविद्यालय शिमला–५, '१९ वीं शताब्दी के दौरान अपर शिमला राज्यों की सामाजार्थिक परिस्थितियां,' (प्रतिवर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

१०७. श्री बेलुरू मधुसूदन, अनु० अध्येता, प्राचीन भारतीय इतिहास अध्ययन स्कूल, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन, 'प्राचीन काल से १२०० ए०डी० तक आन्ध्र प्रदेश में बौद्ध धर्म, (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास) ।

१०८. कुमारी रेखा श्रीवास्तव, अनु० अध्येता, इतिहास विभाग, ब. हि. वि., वाराणसी, '६०० बी० सी० से ६०० ए० डी० तक गाजीपुर जिले का इतिहास और पुरातत्व', (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास) ।

१०९. कुमारी मेरी रूबी एन्टनी, एम० जी० कन्वेंट स्कूल, शाजापुर, म० प्र०, "प्राचीन काल से १३१६ ए०डी० तक राजस्थान में शैववाद, (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास) ।

११०. डा० बी० एन० मिश्रा, सेवानिवृत उप अधीक्षक. पुरातत्वविद, २१, हर्षवर्धन नगर, भोपाल, 'नालन्दा में कला, प्रतिभ विज्ञान और वास्तुकला, (प्रतिवर्ष ३००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए १२०० रु० प्रति मास) ।

१११. श्री के० वी० सौन्दरराजन, अपर महानिदेशक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, जनपथ, नई दिल्ली, 'भारत में पाषाणिक संस्कृति की जड़ें, ' (प्रति वर्ष ३००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए १६०० रु० प्रति मास) ।

११२. श्रीमती वर्षा पांडा, इतिहास विभाग, पुरातत्व तथा संस्कृति, सागर विश्वविद्यालय सागर (म. प्र), 'पंजाबी और हरियाणा में प्राचीन सिक्के मुद्रायें और मुद्राविज्ञान का अध्ययन', (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ८०० रु० प्रति मास) ।

११३. श्रीमती स्नेहलता, दिल्ली विश्वविद्यालय, गुजरात और राजस्थान में ब्राह्मण बस्तियां, ए० डी० ६००–१०००,' (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास) ।

११४. कुमारी जोहरा खातून, अनु० अध्येता, इतिहास विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय जम्मू, 'जम्मू क्षेत्र के इतिहासकार तथा इतिहास लेखक

चुनी गई कृतियों का अध्ययन,' (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास) ।

११५. श्री आर० सी० पिल्लै, राजनीति विज्ञान विभाग, मोतीलाल नेहरू कालेज, मोती बाग, नई दिल्ली, 'नेहरू और उनके आलोचक, १९२३–१९४७ : जवाहरलाल नेहरू तथा अन्य भारतीय नेताओं के बीच विचारों की भिन्नता का अध्ययन,' (केवल छः महीने का वेतन संरक्षण) ।

११६. श्री जे० पी० शर्मा, पुस्तकालय एवं प्रलेखन केन्द्र, भा.इ.अ.प., नई दिल्ली ग्वालियर राज्य के सौ वर्ष : विशेषतया राजनीति चेतना के संदर्भ में (१८५७–१९४७,' (तीन मास के लिए वेतन संरक्षण) ।

११७. डा० के० एम० एल० सक्सेना ६३८, लक्ष्मीबाई नगर, नई दिल्ली–२३, १९०० से १९३९ तक भारत में सैनिक पद्धति,' (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए वेतन संरक्षण) ।

११८. डा० श्रीरामचन्द्र मूर्ति, नागार्जुन नगर, आ० प्र०, 'आन्ध्र प्रदेश में नरसिम्हा विचारधारा,' (प्रति वर्ष ३०००– रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के १००० रु० प्रति मास) ।

११९. कुमारी ज्योति सराफ, ए० आई० एम० संस्कृति और पुरातत्व विभाग, सागर विश्वविद्यालय सागर, 'गुप्त काल के दौरान स्त्रियों की स्थिति,' (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास) ।

१२०. डा० (कुमारी) सरला खोसला, उपनिदेशक (सेवा निवृत) पुस्तकालय तथा संग्रहालय, जम्मू, 'दूसरी शताब्दी ए०डी० तक बौद्ध परम्परा का ऐतिहासिक विकास,' (प्रति वर्ष ३००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए १२०० रु० प्रति मास) ।

१२१. श्रीमती निर्मल पाण्डे, सी-२/३१, तिलक मार्ग, नई दिल्ली, "हिन्दुस्तानी पारसी थिएटर में संगीत", (प्रति वर्ष ३००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए १२०० रु० प्रति मास) ।

१२२. श्री रत्नाकर पाण्डे, अनु० अध्येता, प्राचीन भारतीय इतिहास तथा पुरातत्व विभाग, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, "विदिशा का

विशेष रूप से एक कल केन्द्र के रूप में, इतिहास," (प्रतिवर्ष २०००रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६००रु० प्रति मास)।

१२३. श्री आर० पी० राणा, प्राध्यापक, इतिहास विभाग, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक हरियाणा, "भरतपुर राज्य की स्थापना की सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि," (१००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ छः महीने के लिए वेतन संरक्षण)।

१२४. श्री आर० बनर्जी, नए संजय सहकारी सोसाइटी, वीर सावरकर मार्ग, बम्बई-४०००२५, "१७८५ से १७९९ के बीच पश्चिम तट पर फ्रांस-मैसूर व्यापार संबंध : माहे तथा मंगलौर के विशेष संदर्भ में," (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

१२५. कु० क्षमा मिश्रा, १२८/७२३, के ब्लाक, किदवई नगर, कानपुर-१, "उत्तर प्रदेश में स्त्री शिक्षा, कर विकास एवं राजकीय नीति," (१९००-१९६६), (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

१२६. श्री टी० जेकब, डी-११-१९३, काका नगर, नई दिल्ली-३, "भारत में छावनियां : १८००–१९४७," (प्रति वर्ष ३००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए १४०० रु० प्रति मास)।

१२७. डा० इमदाद हुसैन, इतिहास विभाग, उत्तर-पूर्वी पर्वतीय विश्वविद्यालय, लोवर लकायूमीर, शिलांग (मेघालय), "बर्मा की सीमा के संबंध में ब्रिटिश सैनिक नीति," (२००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ एक वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

१२८. श्री प्रशान्त मिश्रा, मध्यकालीन तथा आधुनिक इतिहास विभाग, लखनऊ, विश्वविद्यालय, लखनऊ, "उत्तर प्रदेश की कृषि प्रणाली में परिवर्तन : संक्रमण काल, १९१९-१९५२," (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

१२९. श्री जेड० ए० देसाई, "इतिहास के एक स्रोत के रूप में उर्दू अभिलेख और अरबी, फारसी की भू-आकृतिक सूची," (प्रति वर्ष ३००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६००रु० प्रति मास)।

१३०. कुमारी शामा कपूर, अनु० अध्येता, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्व-विद्यालय, दिल्ली, "मध्यकालीन भारतीय वास्तुकला—१५वीं और १६वीं शताब्दी के कम विख्यात स्मारक" (प्रति वर्ष २०० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

१३१. श्री बलराज वर्मा, सम्पादक, तनाजुर, ए-२२५, मद्रास रोड, नई दिल्ली-३, "उर्दू का समालोचनात्मक मूल्यांकन और इतिहास, आजादी के बाद साहित्य (१९४७-१९८०)," (प्रति वर्ष ३००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए १००० रु० प्रति मास)।

१३२. डा० के० वी० थामस, ३-१५ डी, विद्यानगर कालोनी, रामघाट रोड, अलीगढ़-२०२००१, "आजादी के लिए भारत के संघर्ष में ईसाइयों की भूमिका," (प्रति वर्ष, ३,००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए १२०० रु० प्रति मास)।

१३३. कुमारी राधिका सिंह, अनु० अध्येता, ब० हि० वि०, वाराणसी-५, कमन्दका नितिसरा में राजतन्त्र," (प्रति वर्ष २००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास)।

१३४. श्री अब्दुल मतिन, एच-१५, ग्वेयर हाल, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-७, "बिहार में कृषि प्रणाली" (२००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ एक वर्ष के लिए ६००० रु० प्रति मास)।

१३५. श्री एस० सी० पाराशर, ह्ए ३०३, यमुना अपार्टमेन्ट्स, अलकनन्दा, नई दिल्ली-१९, "१९२७ से १९७७ तक भारत में प्रसारण का विकास", (प्रतिवर्ष ३००० रु० फुटकर अनुदान के साथ दो वर्ष के लिए १२०० रु० प्रति मास)।

उन अधिछात्रवृत्तियों की सूची जिनके संबंध में वर्ष के दौरान समयावधि में वृद्धि मंजूर की गई।

१. डा० जी० एस० घई, सेवानिवृत्त, मुख्य प्रतिलेखनविद्, भारत सरकार, ६६, गोकुलम रोड, जयलक्ष्मीपुरम् मैसूर-१२, "प्राचीन काल से ए०डी० १००० तक कर्नाटक के अभिलेखों का एक सांस्कृतिक अध्ययन, (१-१०-८१ से ३०-९-८२ तक एक वर्ष के लिए)।

२. श्री ओ० पी० केजरीवाल, उप-मुख्य सूचना अधिकारी, प्रस सूचना ब्यूरो, भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली, "बंगाल की एशियाटिक सोसायटी और भारतीय विगत की खोज" (१७८४-१८८३); (१०-१-८२ से ९-७-८२ तक छः महीने)।

३. श्री मोहम्मद अफजल खान, अनु० अध्येता, उच्च अध्ययन केन्द्र, इतिहास विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, "शाहजहां और औरंगजेब के आधीन ईरानी कुलीनता" (एक वर्ष)।

४. श्री आर० एस० त्रिपाठी, इतिहास विभाग, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, "उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा का विकास (१९०४-४७), (एक वर्ष)।

५. श्री दीपक कुमार, इतिहास विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र (हरियाणा), "राज की विज्ञान नीति" (१८५७-१९०५) (छः मास)।

६. डा० (श्रीमती) शशि बैराथी, एफ–१४४, गौतम मार्ग, सी योजना, जयपुर, "उपनिवेशी तथा सामती वातावरण में सामाजिक सुधार : एतिहासिक परिप्रेक्ष्य में राजस्थान की सहकारिता सुवनजाति का एक मामला अध्ययन; (एक वर्ष)।

७. श्री देवेन्द्र सिह, इतिहास विभाग, मेरठ विश्वविद्यालय, मेरठ, "मेरठ षडयंत्र काण्ड और भारत में साम्यवादी आन्दोलन (६ मास)।

८. श्री बरकत अहमद, २९७, साकेत, इन्दौर, "खिलाफत से विभाजन तक भारत में मुस्लिम राजनीति," (एक वर्ष)।

९. कुमारी सुलेखा दास, इतिहास विभाग, एस० एम० कालेज, भागलपुर (बिहार) "बिहार में प्रथम कांग्रेसी मंत्रालय, १९३७-३९; (तीन महीने)।

१० श्री टी० के० जी० नायर, अनु० अध्येता, इतिहास, बम्बई विश्वविद्यालय, बम्बई, "हैदराबाद में ब्रिटिश नीति १८१८–१८५३," (६ महीने)।

११. श्रीमती रशीदा खातून, अनु० अध्येता, उर्दू विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली-२५, "खिलाफत अन्दोलन और उर्दू साहित्य" (एक वर्ष)।

१२. श्री अरुण शाह, १४ अध्यापक होस्टल, विश्वविद्यालय कैम्पस, जयपुर "आर० जी० कोलिंगवुड का दर्शन ; (एक वर्ष) ।

१३. प्रोफेसर एस० राय, ५२, मर्फा मेन रोड, कलकत्ता-७५, "क्रांतिकारी आतंकवाद अंतिम चरण (१९१७-३५) ; बंगाल के विशेष संदर्भ में", (एक वर्ष) ।

१४. डा० एस० सी० बाजपेई, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, से सम्बद्ध, नई दिल्ली, "लाहुल स्पिति" (छः महीने) ।

१५. श्री अखण्ड प्रताप सिंह, भुवनेश्वर नगर कालोनी, आडली बाजार, वाराणसी-२ "संहतिवादी प्रतिकृति और उनकी सामाजिक धार्मिक संगतता," (१,५०० रु० के फुटकर अनुदान के साथ एक वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति मास मंजूर किए गए) ।

१६. श्री अशोक कुमार श्रीवास्तव, सी २२/२९, कबीर चौरा, वाराणसी, "प्राचीन उत्तर भारत में नगरीय आर्थिक जीवन ए० डी० ७०० से १२०० ए० डी०," (२,५०० रु० के फुटकर अनुदान के साथ एक वर्ष के लिए ६०० रु० प्रति माह) ।

१७. प्रोफेसर एस० एस० अलिगे, ४२ यशोधन, सी०सी०आई० के सामने, डी डब्ल्यू रोड, बम्बई, "इतिहास को दर्शाने के संबंध में कुछ संदर्श," (एक वर्ष)।

१८. प्रियातोष बनर्जी, जी–२१०, नानकपुरा, नई दिल्ली-२१, "भारत और मध्य एशिया", (एक वर्ष)।

१९. श्री वाई० कृष्णा, डी-१२, आनन्द निकेतन, नई दिल्ली, "कर्म का भारतीय सिद्धांत", (एक वर्ष)।

२०. काजी सज्जाद हुसैन, अहाता काले साहब, कासिम जान गली, बल्ली-मारान, दिल्ली, "जामी-उल-उलुम", (एक वर्ष की वृद्धि। अनु० सहायक का वेतन ५०० रु० प्रति मास से बढा कर ६०० रु० प्रति मास कर दिया गया है)।

२१. ए० के० शर्मा, अनु० अध्येता, पश्चिमी इतिहास विभाग, लखनऊ, विश्वविद्यालय, लखनऊ, "१९२७ से १९३९ तक भारत में समाजवादी आन्दोलन का इतिहास", (छः महीने)।

२२. श्रीमती सुधा त्यागी, इतिहास विभाग, मैत्रेयी कालेज, नई दिल्ली, "उत्तर प्रदेश में नागरिक असहयोग आन्दोलन, १९२९–४४", (छः महीने)।

२३. डा० के० एन० धर, मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र, काश्मीर विश्व-विद्यालय, श्रीनगर "श्रीवरा के जैन राजतरंगिनी का अनुवाद", (एक वर्ष)।

२४. प्रोफेसर के० डी० बाजपेयी, एम-१, पद्माकर नगर, सागर, मध्य प्रदेश, क्षेत्र में प्राचीन भारतीय इतिहास के लिए मुद्राशास्त्रीय स्रोत, (एक वर्ष)।

२५. श्री एस० सी० ठाकुर, राजकीय कालेज, रामपुर बुसहर, जि० शिमला (हि० प्र०) "कांगड़ा का इतिहास : १७५०–१८५०", (एक वर्ष)।

२६. डा० (श्रीमती) जानकी सिन्हा, अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन स्कूल, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय से सम्बद्ध, "भारतीय राजनीति पर द्वितीय विश्वयुद्ध का प्रभाव, १९३९–४५, (छः महीने)।

२७. श्रीमती लता सिन्हा, राजनीति विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद 'भारत में उच्च सिविल सेवा कर्मचारियों की शिक्षा तथा प्रशिक्षण (छः महीने)।

२८. डा० रामगोपाल. शान्ति सदन, मोती नगर, लखनऊ, "स्वतन्त्रता के बाद भारतीय धर्म निरपेक्षता", (५००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ १६०० रु० प्रति मास की बढ़ी हुई दर से एक वर्ष)।

२९ श्री पंकज कुमार सिंह, इतिहास विभाग, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, उ० प्र०, "१९०१ से १९२२ तक उत्तर प्रदेश में औद्योगिक विकास का इतिहास; " (छः महीने)।

३०. श्री शेख मोहिउद्दीन, इतिहास विभाग, व्यासनगर कालेज, जयपुर मार्ग, जि० कटक, उड़ीसा, 'टी०ई० रावेनशा के आधीन उड़िसा", (छः महीने)।

३१. प्रोफेसर बी० एन० पुरी, बी-५८, सेक्टर ए, महानगर, लखनऊ-६, "मध्य एशिया में बौद्ध धर्म : इसके साहित्य और स्मारकों का एक तुलनात्मक अध्ययन", (एक वर्ष)।

३२. श्री वी० कृष्णामूर्ति, अनु० अध्येता, इतिहास विभाग, एम० एस० विश्वविद्यालय, बड़ौदा, (गुजरात), "पश्चिमी तट के विशेष संदर्भ में भारत के साथ फ्रांस का व्यापार (१६६०-१७५०)," (एक वर्ष)।

३३. प्रोफेसर गुरचरण सिंह, "पटियाला टाउन के सामाजिक सांस्कृतिक विकास का एक अध्ययन, १८५७-१९५६," (६०० रु० प्रतिमास की दर से एक अनुसंधान सहायक की नियुक्ति। फुटकर अनुदान की राशि में भी ३५०० रु० प्रति वर्ष से बढ़ाकर ५५०० रु०) प्रति वर्ष कर दी गई है।

परिशिष्ट IV

उन अध्येताओं की सूची जिन्हें आलोच्य वर्ष के दौरान अध्ययन/यात्रा/फुटकर अनुदान स्वीकृत किया गया। अनुसंधान का विषय तथा स्वीकृत राशि प्रत्येक के सम्मुख दी गई है।

१. डा० आर० नागस्वामी, अध्यक्ष, स० यू० वी० स्वामीनाथ आयर पुस्तकालय, तिरुवानमियुर, मद्रास, "तमिल कौनिकल मनीमेखलाई का अनुवाद और सम्पादन करने के लिए, (४०० रु०)।

२. श्री कृष्ण रंजन तिवारी, अनु० अध्येता, प्राच्य अध्ययन तथा धर्मशास्त्र संकाय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, "आर्यभट ब्रह्मगुप्त सिद्धान्तया समीक्षणम ", (३००० रु०)।

३. श्री बाला जी गनीरकर, अनु० अध्येता, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, "सांची शिल्प में अंकित जीवन", (२,५०० रु०)।

४. श्री सिमाद्रि बिहारी ओटा, अनु० अध्येता, पुरातत्व विभाग, दक्कन कालेज, स्नातकोत्तर तथा अनुसंधान संस्थान, पुणे-६, "उत्तरी बोध, खोंडमल, जि० उड़ीसा की पूर्व-ऐतिहासिक (पाषाण युग) हन्टर-गथेरर संस्कृतियां : बस्ती तथा आजीविका पद्धतियां, (३,००० रु०)।

५. श्री हेमन्त कुमार पारिजा, अनु० अध्येता, इतिहास विभाग, सम्बलपुर विश्वविद्यालय, सम्भलपुर, "सर्का ३५० ए०डी० से १४३५ ए०डी० तक उड़ीसा में वैष्णववाद का इतिहास," (२५०० रु०)।

६. श्री वामन चरण प्रधान, प्राध्यापक, इतिहास, जी० एम० कालेज, सम्बलपुर, "उड़ीसा में शक्ति पूजा"', (२,००० रु०)।

७. श्री श्याम सुन्दर सक्सेना अनु० अध्येता, भारत विद्या तथा संग्रहालय विज्ञान में उच्च अध्ययन केन्द्र प्राच्य निकेतन "युगों के दौरान भोपाल क्षेत्र; (२५००- रु०) ।

८. कुमारी अल्का सक्सेना, अनु० अध्येता, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग, बनारस हिन्दूविश्वविद्यालय, वाराणसी 'कर्मपुराण का एक सांस्कृतिक अध्ययन,' (२,०००- रु०) ।

९. *(श्रीमती) हिमांशु पी० रे०, अनु० अध्येता, ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र,* जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, सतवाहन काल के दौरान पश्चिमी दक्कन पर व्यापार का प्रभाव (सी० १०० से ए. डी. ३००), (१०५०- रु०) ।

१०. कुमारी कल्पना श्रीवास्तव, अनु० अध्येता, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद,' प्राचीन भारत में स्त्री दासता,' (३०००- रु०) ।

११. श्री कुलीप कुमार भान, अनु० अध्येता, पुरातत्व विभाग, कला संकाय, एम० एस० विश्वविद्यालय बड़ौदा,' १३०० ए. डी. तक जामनगर जिले का पुरातत्व: (३,००० रु०) ।

१२. श्री निर्मल कुमार जोशी, अनु० अध्येता, इतिहास विभाग, कुमाऊं विश्व-विद्यालय, संघटक कालेज अल्मोड़ा–२६३६०१,' पूर्व ऐतिहासिक काल से दसवीं शताब्दी ए. डी. तक उत्तराखण्ड का सामाजार्थिक इतिहास,' (२५००- रु०) ।

१३. श्री आर० जयारामन, अनु० अध्येता, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्व-विद्यालय दिल्ली,' संगम युग में तामिलनाडु में कृषि,' (२,५००- रु०)।

१४. श्री धीरेन्द्र कुमार सिंह, अनु० अध्येता, इतिहास विभाग, काशी विद्यापीठ, वाराणसी,' सतपथ ब्राह्मण का एक सांस्कृतिक अध्ययन,' (२,५०० रु०)

१५. श्री राजेन्द्र कुमार यादव, अनु० अध्येता, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर,

'प्रारम्भिक धार्मिक समुदायिक जीवन संन्दर्भ में बौद्ध मठ प्रणाली का इतिहास,' (२,५००- रु०) ।

१६. श्री मोहन राम, सहायक प्रोफेसर, इतिहास, राजकीय कला कालेज, धर्मपुरी, तमिलनाडु,' साम्राज्यवादी चीलाओं के आधीन कृषि तथा भू-काश्तकारी, (२,५००- रु०) ।

१७. श्री के० सुरेन्द्रन, अनु० अध्येता, तेलगू विभाग, नागार्जुन विश्वविद्यालय, नागार्जुन नगर, आन्ध्र प्रदेश, 'कवि राजू की कृत्तियाँ तथा उनके क्रांति-कारी विचार,' (२,२०० रु०) ।

१८. श्री ए० राजेन्द्रन, सहायक प्रोफेसर, इतिहास, श्री एस० आर० नायडू मेमोरियल कालेज, सन्तूर, (तामिलनाडु) 'संगम युग के चीलाओं तक तमिलनाडु में शैव मत' (२,५०० रु०) ।

१९. कुमारी रश्मि अग्रवाल, इतिहास विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, 'दिल्ली सुलतानी में उत्तराधिकार की समस्या,' (२,००० रु०)

२०. श्री रवि शंकर सिंह, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, 'पंचतंत्र में लोक जीवन,' (१,८०० रु०) ।

२१. श्री अशोक कुमार सिंह, अनु०, अध्येता, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, 'उत्तर प्रदेश में प्राचीनतम नगर का उद्भव' (२,००० रु०) ।

२२. ललिता प्रसाद मिश्रा, अनु० अध्येता, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, 'वैदिक साहित्य में मानसिक बीमारियों की संकल्पना', (२,००० रु०) ।

२३. श्री उदय चन्द्र तुली, प्राध्यापक, इतिहास, गुरुपुरा कालेज, गुरुपुरा, कौरापुट, उड़ीसा,' कौरापुट के पुरावशेष, (२,५०० रु०) ।

२४. अशोक कुमार त्रिवेदी, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन, 'प्राचीन अनूप जनपदों का राजनीतिक और सांस्कृतिक इतिहास,' (३,००० रु०) ।

२५. डा० कमल गिरि, प्राध्यापक, इतिहास विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी, मूर्तिकला में रामकथा; (२,००० रु०)।

२६. डा० एम० एस० कृष्णामूर्ति, प्राध्यापक, प्राचीन इतिहास और पुरातत्व में स्नातकोत्तर अध्ययन तथा अनुसंधान विभाग, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर, "नौलम्बा कला,' (३,००० रु०)।

२७. कुमारी जैड० एम० कूपर, पुरातत्व विभाग, दक्कन कालेज पूना, 'बस्तर जिले (म० प्र०) में पुरातत्वीय तथा आनुवांशिक जांच (३,००० रु०)।

२८. श्री विजेन्द्र कुमार, अनु० अध्येता के० वी० डिग्री कालेज, माछरा, मेरठ विश्वविद्यालय, मेरठ, 'सी–६०० बी. सी. से २०० ए० डी० तक पण्यों के विशेष संदर्भ में प्राचीन भारत में व्यापार,' (२,००० रु०)।

२९. श्रीमती रीता प्रताप, अनु० अध्येता ड्राइंग तथा चित्रकारी विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, 'जयपुर चित्रकारी स्कूल में लघुचित्र १८वीं से १९वीं शताब्दी, (३,००० रु०)।

३०. रामस्वरूप, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय चण्डीगढ, 'हिमाचल प्रदेश राज्य संग्रहालय, शिमला में मूर्तिकला का सांस्कृतिक और कलात्मक अध्ययन, (१४०० रु०)।

३१. श्री राजेन्द्र प्रसाद व्यास, सुपुत्र श्री पी० एन० व्यास, नाथूसर गेट के बाहर, बीकानेर (राजस्थान), 'पुहनोट नैनसी–एक ऐतिहासिक के रूप में' (२,००० रु०)।

३२. श्रीमती ललित चन्दोला वैष्णव, प्रिंसीपल, राजकीय स्नातक कालेज, सैक्टर १६-ए, फरीदाबाद (हरियाणा) 'बद्रीनाथ मन्दिर का इतिहास और गढ़वाल की सामाजार्थिक स्थिति पर इसका प्रभाव, (१५००–१९२०), (३,५०० रु०)।

३३. श्री बलबीर सिंह मलिक, मकान नं० डी–११, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, 'हरियाणा में कृषि परिस्थितियां (१८०३-१८५८)' (२,००० रु०)।

३४. मोहम्मद हामिद, द्वारा डा० जमीरुद्दीन सिद्दीकी, ५, शिबली रोड़, अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ (उ० प्र०), 'मुगलों के आधीन लक्सी विभाग (अकबर से औरंगजेब) का गठन,' (३,००० रु०) ।

३५. श्री राम प्रताप साही, कमरा नं० २१३, एन. बी. १११ होस्टल, गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर,' १५५६–१७०७ तक मुगलों के आधीन वकीलों और दीवानों की भूमिका,' (२,२०० रु०) ।

३६. श्री नवीन शर्मा, अनु० अध्येता, इतिहास विभाग, हिमाचल प्रदेश, विश्वविद्यालय, शिमला–५,' मध्यकालीन कांगड़ा: १२००–१८०९ (२,५०० रु०) ।

३७. श्री विजय कुमार, झिंगता निवास, कैलस्टन एस्टेट, प्लाट नं० १, भारती के निकट, शिमला,' १८ वीं और १९वीं शताब्दियों के दौरान चम्बा के इतिहास से संबंधित स्रोत सामग्री का सर्वेक्षण,' (३,००० रु०) ।

३८. कुमारी एस०कपूर, अनु० अध्येता. इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 'मध्यकालीन भारतीय वास्तुकला–१५वीं और १६ वीं शताब्दियों के कम विख्यात स्मारक', (३,००० रु०) ।

३९. श्री अहमद रजा खान, इतिहास विभाग, अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ, (उ० प्र०), 'बिहार का सूबा, १५८२ से १७०७,' (१,५०० रु०) ।

४०. डा० (श्रीमती) एस० एल० बरुआ, इतिहास विभागा डिब्रूगढ़ विश्व-विद्यालय, डिब्रूगढ़ असम 'मध्यकालीन असम में राज्य और धर्म,' (३,००० रु०) ।

४१. श्री नन्दादुलाल बनर्जी, दिगम्बर बिस्वार रोड़, धर्मपुर, पो० चिनसुरा–१, हुगली, पं० बंगाल,' ५ वीं से १२वीं शताब्दी ए. डी. दक्षिण कौसल : मध्यकालीन शक्तियों तथा एक क्षेत्रीय राज्य के इतिहास को प्रभावित करने वाले तथ्यों का अध्ययन,' (२,०००रु०) ।

४२. डा० एस० ए० एच० हक्की, प्रोफेसर, राजनीतिक विज्ञान, अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ (उ० प्र०), 'चन्गेज खान', (३५,०० रु०) ।

४३. सैयद अंखलाक हुसैन, दहलवी अल्लाना, लाल महल, बस्ती हजरत निजामुद्दीन, नई दिल्ली–१३, 'हजरत बाबा रफीद-हयातुर तालीमात,' (३,०००) – रु० ।

४४. श्री एच० एन० सिंह, प्राध्यापक इतिहास, ए० एस० कालेज, विक्रम गंज, रोहताश, बिहार,' पुराने पटना, गया और शाहाबाद जिलों के संदर्भ में बिहार में भारत छोड़ो आन्दोलन,' (२०,००), – रु० ।

४५. श्री बिष्णु सहाय, इतिहास विभाग, नैनीताल 'ब्रिटिश शासन–१८१५-१९४७- के दौरान कुमाऊ प्रभाग में वन प्रबंध का इतिहास,' (२,५००)– रु० ।

४६. श्री संगकीना, आइजवाल कालेज, मिजोरम, 'मिजो की सोसायटी और सामाजिक परिवर्तन, १८९०–१९४७, (४,०००)—रु० ।

४७. श्री राम कृष्ण चटर्जी, २३८, मानिकटोला मेन रोड़, फ्लेट नं० १४, कलकत्ता (पं० बंगाल), 'असम के चाय बगान श्रमिकों से सम्बद्ध विभिन्न अधिनियमों का संकलनः १८५९-१९४७, (४,०००) –रु० ।

४८. श्री संगकीमा, आइजवाल कालेज, मिजोरम, मिर्जा की सोसायटी और सामाजिक परिवर्तन, १८९०–१९४७' (४,०००)–रु० ।

४८. श्री प्रवीण सभरवाल, ई–२७२, नारायणा विहार, नई दिल्ली–२८, 'रफी अहमद किदवई; एक राजनीतिक जीवनी,' (२,०००)–रु० ।

४९. श्री एम० एस० राणा, उप पुस्तकाध्यक्ष, मेरठ विश्वविद्यालय, मेरठ-५, 'भारतीय कृषक : एक वितरणात्मक ग्रंथ सूचीः (२,०००)–रु० ।

५०. डा० पी० एन० झा, इतिहास विभाग, आर० के० कालेज, मधुबनी, दरभंगा (बिहार), 'बिहार के विद्रोही, १७५७–१८५९,' (२,०००) रु० ।

५१. श्री डी० एल० चौधरी, इतिहास विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू, 'पंजाब के स्वतंत्रता संग्राम में हिंसा, १९०७–१९४२, (२,०००)–रु० ।

५२. श्री बी० सुब्रमण्यम, पो० नाथीभोर, ता० पौलर, तमिलनाडु, 'तमिलनाडु की राजनीति में आद्रितनार की भूमिका; (७००) – रु० ।

५३. श्री एस० के० झा, के–४३, श्री निवासपुरी, नई दिल्ली-६५, 'कार्यरत सोवियत रूस सुप्रीम सावियत, प्रेसीडियन का अध्ययन, स्थायी आयोग और तदर्थ समितियां, १९५८ से १९७६; (२,५००) –रु० ।

५४. मेस. वन्दिता वर्मा, मध्यकालीन तथा आधुनिक इतिहास विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, 'कांग्रेस समाजवादी पार्टी का इतिहास, १९३३ से १९४२', (२,०००) – रु० ।

५५. मेस० करुणा निधि पांण्डेय, इतिहास विभाग, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर 'भारतीय स्वतंत्रता पृथकतावादी आन्दोलन और राष्ट्रीय संघर्ष, १९४०–१९४७ (२,०००) – रु० ।

५६. श्री नन्दा दास गुप्ता, इतिहास विभाग, रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय, कलकत्ता, पं० बंगाल, 'बंगाल में सर हफ हल्ली डे का प्रशासन, १८५४-१८५९; (२,५००)–रु० ।

५७. श्रीमती रमन्ना मृदुला, इतिहास विभाग, बम्बई विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र, 'बम्बई नगर में अंग्रेजी शिक्षा तथा सामाजिक परिवर्तन, १८१८ से १८५८, (२,०००)–रु० ।

५८. श्री डी० डी० झाला, राजनीतिक विज्ञान, सरदार पटेल विश्वविद्यालय, वल्लभ विद्यानगर, गुजरात, 'बलवंत राय मेहता-एक राजनीतिक अध्ययन', (२,५००)–रु० ।

५९. श्रीमती आशा मेहरा, पश्चिमी इतिहास विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ (उ० प्र०), 'भारत और दक्षिण यमन : १९०८–१९४८,' (२,०००)–रु० ।

६०. श्री अनिल कुमार, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली–७, 'भारत में चिकित्सा विज्ञान का विकास (१८३५ से १९११)', (२,५००) रु० ।

६१. श्री वी० एन० भार्गव, अध्यक्ष, इतिहास विभाग, राजकीय कालेज, किशनगढ़, अजमेर, राजस्थान, 'राज्य सचिव के भारत के गवर्नर जनरल के साथ संबंध (१८६९–१९०५); (२,०००)–रु० ।

६२. श्री एस० के द्विवेदी, द्वारा डा० एस० के श्रीवास्तव, ११५ पटेल नगर, गोंडा (उ० प्र०), 'उत्तर प्रदेश, विशेषतया अवध की भूमिका, १९०७-१९४७', (२,५०० रु०) ।

६३. श्रीमती उर्मिला शर्मा, १६९, मुरारी लाल बिल्डिंग, रामनगर, मेरठ-२, 'भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में बुलन्दशहर जनपद का योगदान; (२,००० रु०) ।

६४. कुमारी एन० महेश्वरी, द्वारा श्री डी० पी० गुप्ता, विशेष न्यायिक न्यायाधीश, ५६, रैस्ट कैम्प, देहरादून (उ० प्र०) 'पंजाब और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में आर्य समाज का राष्ट्रीय आन्दोलन में योगदान, १८५७-१९२६,' (२,००० रु०) ।

६५. श्रीमती कंचन माला ठाकुर, इतिहास विभाग, पटना विश्वविद्यालय, पटना, '१७ वीं शताब्दी में भारत-फारस व्यापार; (२,००० रु०) ।

६६. डा० रणजीत वासु, एम–७, रैन्टल हाउसिंग एस्टेट, शाहपुर, कलकत्ता, 'पं० बंगाल में स्पीकर तथा उसका राजनीतिक दल–एक ऐतिहासिक विश्लेषण;' (२,००० रु०) ।

६७. श्री एस० पी० पनथन, ६५, काशी विद्यापीठ, वाराणसी, उ० प्र०, 'भारतीय राष्ट्रीय सांमाजिक सम्मेलन और एम० जी० राना डे (२,०००) –रु० ।

६८. मेस० सरला अवस्थी, कृष्णा देवी गर्ल्स म्यूनिसिपल इंटरकालेज, बिसवान, सीतापुर (उ० प्र०); 'राष्ट्रीय आन्दोलन में सीतापुर का योगदान, १८५७–१९४७; (१,५०० रु०) ।

६९. कुमारी कमलेश माथुर, इतिहास विभाग, उदयपुर विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान, 'मेवाड़ में शैक्षिक विकास, १८१८ से १९४९; (२ ००० रु०) ।

७०. श्री पुनीत कुमार झा, मोहल्ला शांतिपुरी, स्टेशन रोड़, मोतीहारी, पूर्व चम्पारण, बिहार, 'डा० श्री कृष्ण सिन्हा, 'बिहार का एक पारिश्रमिक अनुभवी स्वतंत्रता सैनानी; (१,२०० रु०) ।

७१. श्री जी० ऐल० पुरी, ३६००) रु० से अधिक राशि खर्च की, 'अफगानिस्तान की बौद्ध सम्पदा,' (३७२.७५ रु०) ।

७२. कुमारी रागिनी बिहारी, राजभवन, राजकीय भवन, लखनऊ–२२७३२, "श्रीमती एनी बीसेंट: भारत के सामाजिक और राजनीतिक जीवन में उनके योगदान का मूल्यांकन; (२,५०० रु०) ।

७३. श्री चन्द्र देव पाण्डेय, २३'४७/६० ए, किदवई नगर, अल्लाहपुर, इलाहाबाद, 'साम्बा पुराण का सांस्कृतिक अध्ययन,' (२,००० रु०) ।

७४. श्री दीपांकर भट्टाचार्य, ४६ डा० साधन भट्टाचार्य रोड़, सुभाषनगर, कलकत्ता–७०००६५,' बंगाल और बिहार में कृषक आन्दोलन १६३६–४७,' (२,००० रु०) ।

७५. श्रीमती मनिलोचना वत्स, एच–३७०, विकासपुरी, नई दिल्ली ६८, 'दिल्ली में राजनीति तथा सोसायटी,' १६२०–३४, (३,५०० रु०) ।

७६. मेस. अंजू माथुर, ४०, साकेत मेरठ, मेरठ जिले में १६१८ से १६४७ तक ग्रामीण क्षेत्रों की सामाजार्थिक परिस्थितियां,' (२,००० रु०) ।

७७. डा० आर० पी० सिंह, स्वामी श्रद्धानन्द कालेज, अलीपुर, दिल्ली–३६, '१६२० के दशक में भारत-ब्रिटिश संबंध,' (३,००० रु०) ।

७८. श्री जोगिन्दरकुमार, १०३३, कूचा नटवान, चांदनी चौक, दिल्ली-६, '१६५२ से भारत में चुनाव सुधार;' (२,५०० रु०) ।

७६. श्री वाई० मोहिन्द्रा सिंह, इतिहास विभाग, थाउबल कालेज, थाउबल, मणिपुर से १८ वीं और १६ वीं शताब्दियों के दौरान बर्मा और मणिपुर के राजनीतिक संबंध, (३,००० रु०) ।

८०. श्री राजेन्द्र ब्रह्मभातू, इतिहास विभाग, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात), 'ठाकरे साहब सर लखाजीराय और उनके समय के दौरान राजकोट राज्य का विकास, १८८५ से १६३०, (३,००० रु०) ।

८१. डा० वी० लक्ष्मण रेड्डी, विभागाध्यक्ष, तेलगू, वी०के०आर० कालेज, बौद्ध बिहारन, जिला कृष्णा, आ० प्र०, 'तेलगू पत्रकारिता और भाषा का विकास, (३,००० रु०) ।

८२. डा० बी० एन० सिंह, प्राध्यापक, के० एम० कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली–११०००७, भिक्तान्त हिन्दी–हिन्दी पांण्डुलिपि का निर्माण, (२,५००)–रु० ।

८३. श्री आर० कोचु कृष्णन इतिहास विभाग केरल विश्वविद्यालय, त्रिवेन्द्रम, केरल 'सहोदरन अय्यप्पन और केरल में सामाजिक-राजनैतिक गतिविधियां' (२५००)–रु० ।

८४. मेस. लीला वी, फ्लैट–४६, श्यामला भाटुंगा, बम्बई–१९, 'मैसूर राज्य के सामाजिक-सांस्कृतिक पहलू, १८८१-१९२०,' (३,०००) रु० ।

८५. कुमारी रीना वेंकटरमण, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-७, 'भारतीय ईसाइयों की सामाजिक पृष्ठ भूमि और राजनीतिक आचरण: पंजाब का एक मामला अध्ययन, १८८५–१९४७,' (२,५००)–रु० ।

८६. श्री एस० पी० ज्ञानी, प्राध्यापक, स्नाकोत्तर, इतिहास विभाग, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, 'आरजी हकूमत का इतिहास (जूनागढ़ की प्रान्तीय सरकार)' (२६७.१७) –रु०

८७. श्री के० सदाशिवन, प्राध्यापक, इतिहास, विश्वविद्यालय सायंकालीन कालेज, त्रिवेन्द्रम, केरल, 'संयुक्त आयुक्तों के अधीन मालाबार,' (३,०००) रु० ।

८८. मेस.एस०, थिलाकम प्रोफेसर, इतिहास, श्री परस.कथिल महिला कालेज, गोटावलम मदुरै विश्वविद्यालय, तमिलनाडु, 'मैसूर और मद्रास, प्रैसीडेंसी के बीच संबंध, १७९९–१८५७;' (३,०००)– रु० ।

८९. कुमारी यु० चरण, इतिहास विभाग, जी० एल० कलेज, डाल्टनगंज बिहार 'बिहार में उत्तरदायी सरकार का कार्यक्रम, १९१९–४७, (२५००)– रु० ।

९०. श्री नरेश यादव, इतिहास विभाग, वि० वि० वाराणसी, 'आजमगढ़ में राजस्व पद्धति, १८०३–१९०६,' (२,०००)– रु० ।

९१. श्री मैबम कब्रौबा सिंह, इतिहास विभाग, मणिपुर विश्वविद्यालय, इम्फाल, मणिपुर, 'मणिपुर का इतिहास, १९०७–१९२६' (२७१६)-रु.।

९२. श्री प्रकाश सी० पान्डा, प्राध्यापक, इतिहास काशी विद्यापीठ, वाराणसी, 'आजमगढ में राजस्व पद्धति, १८०३–१९०६,' (२०००)–रु० ।

९३. श्री पी० के० मिश्रा, इतिहास विभाग, एन० सी० कालेज, पो० जयपुर, जि० कटक, उड़ीसा, उड़ीसा में भारत छोड़ो आन्दोलन,' (२,५००)–रु० ।

९४. ले. क० जी० शर्मा, ३२६५, रणजीत नगर, नई दिल्ली-८, 'सैनिक अधिकारियों का भारतीयकरण,' (४०००)–रु० ।

९५. मिस० शीला रानी, ए २३/१७५, लोदी कालोनी, नई दिल्ली-३, भारतीय लोक मत और विदेश नीति : साम्राज्यवाद और राष्ट्रीयता के तीन संकटों का मामला अध्ययन, १८९९–१९१३', (बौयर युद्ध, रुसी–जापान युद्ध और बालकन युद्ध),' (२,५००)–रु० ।

९६. श्री ललता प्रसाद, द्वारा प्रोफेसर एस० एन० कानूनगो, बी० ७२४, सेक्टर सी, महानगर, लखनऊ–६, 'भारत में लोकमत का विकास, जैसा कि समकालीन अंग्रेजी समाचार-पत्रों में परिलक्षित है, १८५१-१८८४; (३,०००)रु० ।

९७. श्री एन० के० मंगलोनुगगीन, अनुसन्धान अध्येता, इतिहास विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय मद्रास–६००००५, 'अतिरिक्त के अवार्ड के संबंध में,' (४५३–६०) रु० ।

९८. श्री के० एस० तिवारी, इतिहास विभाग, शासकीय नर्मदा महाविद्यालय, होशंगाबाद (म० प्र०), 'छिन्दवाड़ा जिले में स्वतंत्रता संग्राम (१८५७-१९४७) (हिन्दी में) (२,०००)–रु० ।

९९. श्री इबोलन सिंह, द्वारा एल० चन्द्रशेखर सिंह, वांगखेई कोनसम लैकई, पो० इम्फाल, मणिपुर–७९५००१, 'मणिपुर में ब्रिटिश शासन, १८९१-१९४७),' (२,५००) – रु० ।

१००. श्री एम० राजारत्नम, सहायक प्रोफेसर, इतिहास, चेटियार राजकीय कला कालेज, कुड्डालोर, एन. टी. एस. ए. जिला, '१९०९ से १९४७ तक मद्रास विधान सभा का इतिहास, (२,०००)–रु० ।

१०१. श्री ए० के० गंजू, २०, रंगातेनगी अली कादल, श्रीनगर–२, 'सोवियत–अफगान संबंध, १९३०–४५, ' (३,०००)–रु० ।

१०२. श्री डी० आर० समलह, इतिहास विभाग, उत्तर पूर्वी पर्वतीय विश्वविद्यालय नोथतिमई, शिलांग–१४, 'मेघालय में ब्रिटिश शासन : नीति और पद्धति; (३,५००) रु० ।

१०३. कुमारी नीलम गुप्ता, द्वारा वाई० पी० गुप्ता, ६६६, निगार सिनेमा, के पीछे, प्रहलाद वाटिका, बुढाना गेट, मेरठ, 'आधुनिक राग साहित्य का ऐतिहासिक सांस्कृतिक और साहित्य शास्त्रीय अध्ययन; (२,०००)–रु०।

१०४. श्रीमती जयश्री जोशी, जोशी प्रिंटिंग प्रैस, दि माल, शिमला, '१९वीं शताब्दी के दौरान जुओबल का एक ऐतिहासिक अध्ययन:; (३,५००)–रु० ।

१०५. डा० गंगा प्रसाद रीडर, अध्यक्ष इतिहास विभाग, डी० जे० (पी० जी०) कालेज, बड़ौत, उ० प्र०, 'जन साहित्य के परिप्रेक्ष्य में उत्तर भारत के सामाजिक– सांस्कृतिक इतिहास का अध्ययन,' (२,५००)– रु० ।

१०६. श्री एस० पी० सिंह, धार्मिक अध्ययन केन्द्र, स्नाकोत्तर राजनीति विभाग, भागलपुर विश्वविद्यालय भागलपुर ८१२००७ 'सर, समश दत्त सिंह, एक विख्यात आधुनिकतावादी का राजनीतिक चित्रण, (२,०००) रु०

१०७. श्री पंकज कुमार, द्वारा श्री पी० के० मजूमदार, बी–३, मूर्ति नगर, लखनऊ–२२६००१, 'राष्ट्रीय आजादी आन्दोलन में भारत की साम्यवादी पार्टी की भूमिका, १९२९–४१, (३०००) –रु० ।

१०८. श्री रत्न कुमार शर्मा, एस० आर० के० पी० जी० कालेज, फिरोजाबाद, आगरा, 'मणिपुर जिले का राजस्व इतिहास (१८०४–१९३०), (२,०००)–रु० ।

१०९. कु० सोनिया अग्रवाल, १०८ १९, सिविल लाइन, बरेली-१, 'युद्धोत्तर दशाब्दियों में गुट निरपेक्षता–१९४५–६२,' (२,०००)–रु० ।

११०. मोहम्मद मुजमअली, १२४ क्वीन न्यू कैम्पस, जवाहरलाल नेहरु विश्व-विद्यालय, नई दिल्ली-६७, 'सोवियत संघ में संवैधानिक विकास, १९३६-७७ : एक सामाजिक–राजनीतिक अध्ययन (२,५००)–रु० ।

१११. श्री शिव पूजन पाण्डेय, मध्यकालीन तथा आधुनिक इतिहास विभाग, लखनऊ, 'उ० प्र०, उ० प्र० में आर्य समाज आन्दोलन का उद्भव और विकास: एक ऐतिहासिक अध्ययन,' (२५०० रु०) ।

११२. श्री ए० पी० श्रीवास्तव द्वारा श्री एस० वी० श्रीवास्तव, सहायक पोस्ट-मास्टर जनरल, उ० प्र० सर्किल, लखनऊ, 'लखनऊ जिले की कृषि प्रणाली, १८५८-१९५०,' (२,२०० रु०) ।

११३. कुमारी आर० आर० चन्देल, 'राष्ट्रवादी आन्दोलन में श्री चक्रवर्ती राज गोपालाचारी की भूमिका, १९२१–४७, (२,००० रु०) ।

११४. डा० टी० आर० सरीन, सहायक निदेशक, पुरातत्व भा. रा.अ. नई दिल्ली. 'जापान तथा विदेश में १०३० से ४७ तक भारत की आजादी की लड़ाई के लिए, पुस्तक के लिए सामग्री का संग्रह (३,५०० रु०) ।

११५. श्री पी० सदाशिवन, सहायक प्रोफेसर, इतिहास, एम० एस० एस० वी० एन० कालेज, नागमनाई, मदुरै-१९, 'तमिलनाडु में बुनकर समुदाय का इतिहास,' (३,००० रु०) ।

११६. डा० एस० पी० शर्मा, ११३०९५-ए, रामनगर एक्सटेंशन, लोनी रोड़, शाहदरा दिल्ली-३२, 'उत्तर प्रदेश की पत्रकारिता का अध्ययन', (३,०००) रु० ।

११७. श्री एस० के० बाजपेयी, मध्यकालीन तथा आधुनिक इतिहास विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ उ० प्र०, '१८२८ से १८३५ के दौरान ब्रिटिश भारत में आर्थिक समस्याओं और राजनीतिज्ञों की एक ऐतिहासिक समीक्षा' (२२०० रु०) ।

११८. श्रीमती सरोज त्यागी, प्राध्यापक, देव समाज शिक्षा कालेज, फिरोजपुर सिटी, पंजाब, 'भारतीय चित्रकला में कवि वर्मा का योगदान, १८४८–१९०६;' (३,००० रु०) ।

११९. श्री रामस्वरूप शर्मा, इतिहास विभाग, रविशंकर विश्वविद्यालय, रायपुर (म० प्र०), 'छत्तीसगढ़ के स्वतंत्रता सेनानी पं० सुन्दरलाल शर्मा का राजनीतिक सामाजिक और सांस्कृतिक योगदान, (२,२०० रु०) ।

१२०. कुमारी प्रीति माथुर, द्वारा श्री डी० पी० माथुर, राजकीय सचिवालय, राजभवन उ० प्र० लखनऊ, कुषाणकाल की माथुरा कला में ब्राह्मण प्रतिमाएं–एक प्रतिमा विज्ञान संबंधी अध्ययन,' (२,५००)–रु० ।

१२१. श्री ए० हरिनारायण, अनु० अध्येता, स्नाकोत्तर, इतिहास विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय जम्मू-१,' मद्रास प्रेसीडेंसी में स्वतंत्रता संग्राम में समाचार पत्रों की भूमिका: १९२०–१९४२; (३१०००)–रु० ।

१२२. *श्रीमती सत्यभामा, पति द्वारा श्री पी० के० मिश्रा,* इतिहास विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, वाणी विहार, भुवनेश्वर-४, 'उड़ीसा के सान्तशाही राज्यों में प्रजातांत्रिक आन्दोलन, १९०५–१९४७ (१,५००)– रु० ।

१२३. श्री भगवान दास श्रीवास्तव, एम–२५, भागेटा अपार्टमेंट, ई-५, अरेरा कालोनी, भोपाल–४६२०१६ (म० प्र०), '१८५७ से ५९ के दौरान बुन्देलखण्ड में स्वतंत्रता संग्राम (धसन-टोन्स घाटी), (२०००)–रु० ।

१२४. श्री परवेज हसन, इतिहास विभाग, अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ, उ० प्र० '१७ वीं शताब्दी के दौरान उत्तर भारत में मुस्लिम समाज, (३,०००)–रु० ।

१२५. डा० डी० दास, प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान, आर० सी० एम० विज्ञान कालेज, खल्ती कोटे, उड़ीसा–७६१०३०, 'स्वामी दयानन्द और भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन,' (३,०००)–रु० ।

१२६. श्री विजय कुमार, इतिहास विभाग, राजकीय कालेज, सिरोही, राजस्थान, '१८२३–१९०५ ए०डी० के दौरान सिरोही राज से ब्रिटिश संबंध (७,०००)–रु० ।

१२७. प्रोफेसर ए० सी० बोस, इतिहास विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू, 'भारतीय क्रांतिकारी (*खण्ड–१*),' (१५००)–रु० ।

१२८. श्री हरिचरण सिंह अरोड़ा, इतिहास विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, पटियाला,' सतलज राज्यों के प्रति ब्रिटिश नीति, १९०५–१९४७, (३,५००)–रु० ।

१२९. डा० (कुमारी) आर० पाण्डे, रीडर इतिहास, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ (उ० प्र०),' 'वायसराय लार्ड एलगिन द्वितीय के आधीन कुछ पहलू (१८९४–१८९९);' (३,०००)–रु० ।

१३०. श्री वनीग्रन एस० सपलिगा, इतिहास विभाग, विलसन कालेज, बम्बई, महाराष्ट्र, १६६८ से १८३० तक नौ वहन का विकास; (२,५००)–रु०।

१३१. डा० एस० के० अग्रवाल, इतिहास विभाग डी०ए० वी०पी० जी० कालेज, देहरादून, उ० प्र०, 'भारतीय समस्याओं के प्रति हेले का रुख, १९१२–३४;' (२२००)–रु० ।

१३२. कु० पुष्पलता खत्री, इतिहास विभाग, राजकीय डूंगर कालेज, बीकानेर, राजस्थान, 'बीकानेर राज्य के राजस्थानी ऐतिहासिक साहित्य का अध्ययन, १७५०–१८९०', (२,५००)– रु० ।

१३३. श्री एस० डी० गजरानी, म० न० ३०६, शेरे पंजाब बाजार के पास, पटियाला, 'पंजाब में स्वतंत्रता संग्राम में कृषकों की भूमिका और कृषि संबंधी समस्याओं के कुछ पहलू, (१९२०–४५), (३,५००)–रु० ।

१३४. महेन्द्र प्रताप सिंह, ५१–बी–पाकेट–१११, डी० डी० ए० फ्लैट्स, मयूर विहार, दिल्ली-९१, 'सेना की वार का एक समालोचनात्मक मूल्यांकन,' (४,०००)–रु० ।

१३५. श्रीमती इनु कोण्डा, लक्ष्मी, नई दिल्ली–६७, 'ग्यारवीं से चौदहवीं शताब्दी तक तेलंगाना में आर्थिक सोसायटी और राजतंत्र, (२,२००)–रु० ।

१३६. श्री प्रमोद सगर, '३०९३-२८ डी०, चण्डीगढ, 'महान मुगलों के आधीन ब्रिटिश व्यापार का विकास, १५५६-१७०७;' (२,५००)–रु० ।

१३७. श्री हितेन्द्र प्रताप सिंह, द्वारा श्री अर्जुन सिंह, ग्राम वल्लीपुर, पो०, उदयपुर, जि० फैजाबाद, 'सुल्तान युग के दौरान अन्तर राज्य संबंध,' (२२००)–रु० ।

१३८. कुमारी नहीर सिद्दीकी, ००२, झेलम होस्टल, जवाहरलाल नेहरु विश्व-विद्यालय, नई दिल्ली–६७, 'दिल्ली की मुगल वास्तुकला,' (३,०००)–रु० ।

१३९. श्री विनय कांत मिश्रा, ११६, कावेरी होस्टल, जवाहर लाल नेहू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली १७वीं शताब्दी के दौरान पटना का आर्थिक और सामाजिक जीवन,' (२,५०० रु०)।

१४०. डा० एस० एन० राय, रीडर, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, 'कुषाण ब्राह्मी खुदाई का एक समालोचनात्मक और व्यापक आधार, (४,००० रु०)।

१४१. श्रीमती पुष्पा गुप्ता 'राजस्थानी लोक चित्रकला का भारतीय आधुनिक चित्रकला पर प्रभाव,' (२,५०० रु०)।

१४२. श्री संतोष कुमार मिश्रा, एम० एम० एच० कालेज, गाजियाबाद, उ० प्र० 'प्राचीन भारतीय शैल चित्रों का कलात्मक एवं सांस्कृतिक अध्ययन: (३,००० रु०)।

१४३. श्री नवल कृष्ण, कला इतिहास, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, 'बीकानेरी चित्रकारी स्कूल,'(२,५०० रु०)।

१४४. श्रीमती भारती कुमारी, द्वारा प्रोफेसर यू० एन० राय, २९–३१, लाजपत राय रोड़, इलाहाबाद-२ (उ० प्र०), प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद (उ० प्र०), 'उत्तर भारत के ब्राह्मण पन्थेन (पंचदेव) की संहतिवादी प्रतिमाओं का अध्ययन (सी ६०० ए० डी० से १२०० ए. डी.);' (३००० रु०)।

१४५. शोभा कुमारी, प्राध्यापक, इतिहास, आर० के० इंटर कालेज, मोरसन्द जि० सीतामढी (बिहार), 'मौर्य काल में महिलाओं की अवस्था, सी ३२१ वी० सी० से १८५ वी० सी); (२,००० रु०)।

१४६. श्री एस० के० प्राढी, प्राध्यापक, इतिहास विभाग, सोनपुर कालेज, पो० सोनपुर, जि० बालंगीर (उड़ीसा), 'गुप्त काल के दौरान उड़ीसा,' (२,००० रु०)।

१४७. श्री मोहम्मद आरिफ, अनु० अध्येता, इतिहास विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी, 'तुगलक कालीन आर्थिक जीवन,' (२,००० रु०)।

१४८. श्री सी० डी० गोल्हर, अनु० अध्येता, इतिहास विभाग, नागपुर विश्वविद्यालय नागपुर, 'बालाजी विश्वनाथ–एक समालोचनात्मक अध्ययन,' (३,००० रु०) ।

१४९. श्री आर० एम० तिवारी, द्वारा डा० ए० के० श्रीवास्तव, अध्यक्ष, इतिहास विभाग, श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कालेज गोंडा, (उ० प्र०), 'गोंडा जनपद के कृषकों में सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन,' (३,०००) रु० ।

१५०. प्रोफेसर सरोज कुमारी, द्वारा डा० आर०के० शर्मा, मोहन नगर, छपरा, (बिहार), 'बिहार के स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं की भूमिका, १९१२–४७,' (३,००० रु०) ।

१५१. डा० एस० के० मंगलानी, प्राध्यापक, इतिहास विभाग, राजकीय पी० जी० कालेज, श्री गंगा नगर, राजस्थान, '१९वीं० शताब्दी में हरोती क्षेत्र का सामाजिक और आर्थिक इतिहास,' (२,५०० रु०) ।

१५२. श्रीमती एम० तैनमेज्ही, ५, गोबिन्द मुदाली स्ट्रीट, कटपड़ी जि० एन० ए० 'वर्गीज कालेज, वेल्लौर का इतिहास,'? (१,००० रु०) ।

१५३. श्री जी० एस० शर्मा, ४/७६, बालूगंज आगरा–१, 'विनायक दामोदर सावरकर का स्वतंत्रता संग्राम में योगदान,' (३,००० रु०) ।

१५४. डा० ए०के० बारपुजारी, एम० सी० रोड़, गोहाटी–१, 'उत्तर पूर्व भारत के लोगों का इतिहास, अमरीकी मिशनरियों के कथनानुसार : एक दस्तावेजी अध्ययन; (४,००० रु०) ।

१५५. श्री एच० पी० भारद्वाज, २८५-एल, माडल टाउन, सोनीपत (हरियाणा), 'चक्रवर्ती राजगोपालाचारी और भारतीय राजनीति; (३,००० रु०) ।

१५६. श्री आर० एन० रावत, अध्यक्ष, इतिहास विभाग, रामजयपाल कालेज, छपरा (बिहार), 'बिहार में आतंकवादी आन्दोलन, १९०८–३७ (३००० रु०) ।

१५७. श्री एस० एम० त्रिपाठी, राम मोहन राय होस्टल, कमरा नं० १३६, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, 'वाराणसी, 'मध्य प्रदेश में स्वतंत्रता संघर्ष, १९१९–१९३३,' (३,५०० रु०) ।

१५८. श्री रामेश्वर प्रकाश, इतिहास विभाग, वी० एन० एस० डी० कालेज, कानपुर, (उ० प्र०) 'उ०प्र० में चिकित्सा और स्वास्थ्य प्रशासन का विकास (१९१९–१९७३),' (२,५००)–रु० ।

१५९. मेस. मोहिनी, भाटिया, द्वारा डा० के० दत्त, ६८८, प्रहलाद वाटिका, मेरठ, (उ० प्र०), 'भारतीय राजनीति, १९४५–४७; (२,०००)–रु ० ।

१६०. श्रीमती शारदा पाण्डेय, द्वारा डा० एस० एन० पाण्डेय, एसोसिएट प्रोफेसर, इतिहास विभाग, मणिपुर विश्वविद्यालय, इम्फाल, '१९वीं शताब्दी के दूसरे अर्ध के दौरान बिहार में सामाजिक आन्दोलन, (४,०००) रु० ।

१६१. श्री एस० एम० पटेल, १, सरदार पटेल होस्टल, मिठाक्खली, ६, वैज, एलिशब्रिडगु, अहमदाबाद–९, 'गुजरात में नागरिक असहयोग आन्दोलन, १९३०–३२, (३,०००)–रु० ।

१६२. श्री रतनमाल सिंह, अनुसधांन अध्येता, इतिहास विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चन्डीगढ, जार्ज थामस : उ०प्र० भारत में घटनाओं की सामाजिथिक और राजनैतिक पृष्ठभूमि में उनका जीवन और काल (२,५००)–रु० ।

१६३. श्री लालटिमाविआ, पछुंगा विश्वविद्यालय, कालेज, आइजवल–७९६००१ (मिजोरम) '१८९० से १९४७ तक लुशाई पहाड़ियों में प्रशासनिक घटनाएं, (३,५००)–रु० ।

१६४. श्री संजय एस० गहलौत, द्वारा श्री अनिल सेठी, बी–१४ १८३३, लोदी कालोनी, दिल्ली, 'झबुआ के भीलों की सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन की बदलती हुई पद्धतियां, १९३०–५२, (३,०००)–रु० ।

१६५. कुमारी संघमित्रा, वरिष्ठ अनुसंधान सहायक, भा० इ०अ०प०, ३५ फीरोजशाह रोड़, नई दिल्ली, 'उ० भारत में (प्रारम्भ से १२ वीं शताब्दी तक) छोटे-छोटे हिन्दू देवताओं की प्रतिमाएं, (३,०००)–रु० ।

१६६. कु० जयन्ती, इतिहास विभाग, अन्नमलई विश्वविद्यालय, अन्नमलई नगर, चिदाम्बरम, 'दि कोंगु पांड्रियाज, (३,०००)–रु० ।

१६७. श्री ओ० डी० हांडा, वाली कोटेज, सनजाली, शिमला, 'पश्चिमी हिमालयों के बौद्ध मठ में, (३,०००)–रु० ।

१६८. श्री संतोष कुमार पाढी, प्राध्यापक, इतिहास सौनपुर कालेज, सौनपुर राज उड़ीसा–७६७०१७, 'गुप्त काल के दौरान उड़ीसा,' (२,०००) –रु० ।

१६९. मेजर जी० एस० अहलूवालिया, सी–५१७, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली, '१८५८ से १९५६ तक भारतीय सेना की वर्दियों का एक ऐतिहासिक और समालोचनात्मक अध्ययन,' (४,०००)–रु० ।

१७०. श्री अली अथर, अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग, अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ–२०२००१, '१३ वीं और १४ वीं शताब्दी के दौरान दिल्ली के सुलतानों के आधीन सैनिक संगठन,' (२,५००)–रु०।

१७१. श्री एस० जफर अहमद, अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ (उ० प्र०), 'असद खान का जीवन और आजीविका,' (१,५००)–रु० ।

१७२. डा० इक्तिदार आलम खान, रीडर इतिहास विभाग, अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ, 'गनपाउडर का आगमन और भारतीय राजतंत्र की प्रतिक्रिया;' (२,२७५)–रु० ।

१७३. कुमारी रेणु कुमारी खरे, अनु० अध्येता, इतिहास विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, 'सुलतान काल के दौरान महिलाओं की स्थिति (उत्तर भारतीय महिलाएं);' (२,५००)–रु० ।

१७४. श्री इफ्तिखार अहमद खान, 'अनु० अध्येता, पश्चिमी एशियाई अध्ययन केन्द्र, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ (उ० प्र०), (भारत और अरब जगत के बीच व्यापार संबंध : १२वीं से १८ वीं शताब्दी, (३,०००)–रु० ।

१७५. श्री बाल कृष्ण दग्रोस, अनु० अध्येता, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्व-विद्यालय, दिल्ली, '१७ वीं और १८ वीं शताब्दी के दौरान उत्तरी भारत में जाटों का राजनैतिक और सामाजिक जीवन; (३,०००)–रु० ।

१७६. श्रीमती नलिनी सिंह शर्मा, द्वारा प्रोफेसर जे० पी० शर्मा, कैलास धाम लेन, एस० के० तरफदार रोड़, आदमपुर, भागलपुर–८१२००१, 'बिहार में क्रांतिकारी आन्दोलन का इतिहास, १९०५–१९४२, (३,०००)–रु० ।

१७७. श्रीमती पुथुल घोष, द्वारा हावड़ा आटो स्टोर्स, ३, मंगू लेन, कलकत्ता–७००००१, 'दोलतराव शिंदे और उत्तर भारतीय मामले, (३,५००)–रु० ।

१७८. श्री पी० एन० सहाय, अनु० अध्येता, इतिहास विभाग, पटना विश्वविद्यालय, पुस्तकाध्यक्ष, भा०इ०अ०प०, १९ वीं शताब्दी के दूसरे अर्ध से बिहार में पुस्तकालयों का इतिहास; (३,०००)–रु० ।

१७९. श्री जी० वी० पंत, अनु० अध्येता, इतिहास विभाग, डा० एस० संघटनक कालेज, नैनीताल–२६३००१, 'ब्रिटिश कुमाऊँ में सामाजिक गतिविधियां, १८१५–१९४७,; (२,५००)–रु० ।

१८०. श्री ए० हरिन्द्रायानन, इतिहास विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू, 'मद्रास प्रेसीडेंसी में स्वतंत्रता संग्राम में प्रेस की भूमिका,१९२०-१९४२,' (३,५००)–रु० ।

उन अध्येताओं की सूची जिन्हें अतिरिक्त फुटकर अनुदान दिया गया ताकि वे अपना अनुसंधान कार्य पूरा कर सकें ।

१. श्री दिवाकर तिवारी, अनु० अध्येता, राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली 'महाभारत में राज्य की संकल्पना, (२,०००)–रु० ।

२. अध्यक्ष, कलादी संग्रहालय और ऐतिहासिक अनुसंधान ब्यूरो, कलादी जि० शिमांगा, कर्नाटक, कलादी नरुपा विजयम का अनुवाद, (१,०००)– रु० ।

३. श्रीमती एम० एस० चूड़ामणि, अनु० अध्येता, प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरातत्व विभाग, मैसूर विश्वविद्यालय,' कर्नाटक मूर्तिकला और चित्रकारी में नृत्य व अन्य ललित कलाएं, (१५००)– रु० ।

४. डा० मारुति नन्दन प्रसाद तिवारी बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, 'भारतीय मूर्तिकला में महाभारत प्रतिभाएं,' (१८००)–रु० ।

५. मेस. पद्मलता शर्मा, जी० पी० एस० होस्टल, पटना–८००००५, 'प्रतिक्रियावाद और साम्राज्यवाद के प्रति भारतीय प्रतिक्रिया; (२,०००)– रु० ।

६. १८ वीं शताब्दी के दौरान राजस्थान में व्यापार का संगठन, (१०००)–रु० ।

७. श्री जी० एल० पुरी, 'अफगानिस्तान की बौद्ध सम्पदा, (१४००)–रू० ।

८. (श्रीमती) हिमांशु पी० रे०, अनु० अध्येता, 'ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र, जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 'सतवाहन युग के दौरान पश्चिमी दक्कन पर व्यापार का प्रभाव (सी १०० से ए०डी० ३००), (८७५)–रु० ।

९. कु० ऊषा वोरकर, प्राध्यापक, इतिहास, नागपुर महाविद्यालय, नागपुर, १७२० से १८०३ तक पेशवा-भोंसले– संबंध, (२,०००)–रु० ।

१०. श्री तसनीम अहमद, भा० इ० अ० प०, नई दिल्ली, 'ईश्वर दास नागर की फुतवात-ए-आलमगीरी; (३,०००)–रु० ।

उन अध्येताओं, संस्थाओं की सूची जिन्हें शोधनिबंधों पत्रिकाओं आदि के प्रकाशन के लिए आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई।

१. डा० मालप्पा अमरावती, रीडर, राजनीतिक विज्ञान, कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़, ५८०००३, ?के शांति समझौते के विशेष संदर्भ में जापान पर अमरीकी कब्जा ।

२. डा० अशोक कुमार श्रीवास्तव, इतिहास विभाग, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर (उ० प्र०), 'उत्तर भारतीय हिन्दू राज्यों का विघटन, ११७५–१३२० खण्ड एक और दो' ।

३. डा० (श्रीमती) एस० ए० घुगारे, वी–१२० १३४३७, पंत नगर, घाटकोपर, बम्बई–४०००७७, 'पश्चिमी भारत में पुर्नजागरण : कर्मवीर वी० आर० शिन्दे, १८७३–१९४४,'

४. डा० कमलेश मोहन, प्राध्यापक, इतिहास, राजकीय महिला कालेज, चन्डीगढ, 'पंजाब में सशक्त राष्ट्रीयता, १९१९–१९३५',

५. डा० ए० सी० मित्तल, १२ संत नगर, सावेर रोड़, उज्जैन (म० प्र०), 'परामारा कालीन सभ्यता एवं संस्कृति (हिन्दी में),

६. डा० ओंकार नाथ त्रिपाठी, ए–३, निराला नगर, (प्रथम तल), लखनऊ 'प्राचीन भारत में कराधान और वित्तीय प्रशासन का विकास (वैदिक काल से मौर्य युग के अन्त तक) ।

७. डा० शरद पगारे, सुमन कुज, ११०, स्नेह नगर, नवलखा, इन्दौर–४५२००१, 'पूर्व मध्य युगीन धार्मिक आस्थाएं : एक सर्वेक्षण (६५०–११५०) ।

८. डा० (श्रीमती) स्वाति सेन गुप्ता, द्वारा डा० एस० वी० गुप्ता, रोड नं. ६, राजेन्द्र नगर, पटना–१६, 'उत्तर भारत में उत्प्रवासी ब्राह्मण' ।

९. डा० कृष्ण कान्त त्रिवेदी, प्राध्यापक, मिथिला स्नाकोत्तर अध्ययन एवं शोध संस्थान, महेशनगर, कबाडाघाट, दरभंगा (बिहार), 'प्राचीन पाली साहित्य में भारतीय समाज' (हिन्दी में) ।

१०. डा० पी० एन० डूबू, ६, खजांची हाउस, मदन-यार, ११ ब्रिज, (चन्ना भवन के सामने), श्रीनगर (कश्मीर),' काश्मीर राजतंत्र के कुछ पहलू (सी ए० डी० ६००–१२००) ।

११. डा० (श्रीमती) निर्मला गुप्ता, १०१, वसुन्धरा कालोनी, टोंक रोड़, जयपुर,' राजस्थान (१७९०–१८६२) : अव्यवस्था से व्यवस्था तक अनुवाद ।'

१२. डा० बसंत कुमार मिश्रा, स्नाकोत्तर इतिहास विभाग, जी० एम० कालेज, सम्बलपुर–७६०००४, क्रिप्स मिशन : एक मूल्यांकन' ।

१३. डा० सुभा शर्मा, फ्लैट नं० ७, लेडी श्री राम महिला कालेज, लाजपत नगर, नई दिल्ली–११००२४, 'उपनिषदों में जीवन' ।

१४. डा० ए० एन० सिंह, ए .आई. एम. सी. तथा पुरातत्व विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी, 'कौटिल्य अर्थशास्त्र के पेड़–पौधों का एक समालोचनात्मक अध्ययन' (हिन्दी में) ।

१५. डा० (श्रीमती) तारा मंगल, प्राध्यापक, इतिहास, जोधपुर विश्वविद्यालय, जोधपुर (राजस्थान) 'महाराणा कुम्भा और उनका काल' (हिन्दी में) ।

१६. डा० शैलेन्द्र प्रताप सिंह, आर–१५४, नया राजनगर, गाजियाबाद (उ० प्र०) 'लिछावियों का उत्थान एवं पतन' (हिन्दी में) ।

१७. डा० बीरेन्द्र प्रताप सिंह, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग, कला संकाय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, 'प्राचीन वाराणसी में जीवन के कुछ पहलू जैसा कि पुरातत्वीय श्रोतों से पता चलता है'।

१८. डा० एस० आर० पटेल, प्रोफेसर तथा अध्यक्ष, इतिहास विभाग, एन० ए तथा टी० बी० पटेल कला कालेज, वल्लभ विद्यानगर–३८८१२० 'महाभारत के विशेष संदर्भ में प्राचीन संस्कृत साहित्य महिलाएं–एक अध्ययन' ।

१९. डा० डी० डेनियल, प्राध्यापक, आधुनिक इतिहास, ऐतिहासिक अध्ययन स्कूल मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, मदुरै–६२५०२१', 'त्रावणकोर में एक उत्तरदायी सरकार के लिए संघर्ष' ।

२०. डा० कमल गिरि, प्राध्यापक, इतिहास कला विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी–२२१००५, 'प्राचीन भारत में वैयक्तिक शृंगार का एक अध्ययन' (हिन्दी में) ।

२१. डा० (श्रीमती) स्नेह महाजन साम्राज्यवादीनीति और उदार राजनीतिक कृतियों में भारतीय साहित्य, १९०९–१९२०, ।

२२. डा० अजय सिंह रावत, बड़ा बाजार नैनीताल (उ० प्र०) 'गढ़वाल का राजनैतिक और प्रशासनिक इतिहास, १८१५–१९४७' ।

२३. डा० ए० डी० साहू, अध्यक्ष, स्नाकोत्तर इतिहास विभाग, रावेनशा कालेज, कटक–७५३००३, भारत में ब्रिटिश व्यापार नीति के कुछ पहलू, १८५८–१९०५' ।

२४. डा० आराधना परमार, ए–५२, कमला नगर, दिल्ली–११०००७, 'राज्यशिल्प की तकनीक – कौटिल्य के अर्थशास्त्र का एक अध्ययन' ।

२५. डा० ज्योति मित्रा आचार्य, बी–१३/२६६, केदार घाट, वाराणसी–१, 'बौद्ध साहित्य में आयुर्वेदिक सामग्री का एक समालोचनात्मक मूल्यांकन' ।

२६. डा० (श्रीमती) के० गौरी, प्रोफेसर, इतिहास, ए० पी० ए० महिला कालेज, पलनी–६२४६०२, 'ईस्ट इंडिया कम्पनी के आधीन मदुरै का इतिहास, १८०१–१८५७' ।

२७. डा० (श्रीमती) पी० प्रकाश, ओल्ड जी १८, जोधपुर कालोनी, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी–५, '६०० वी० सी० से ६०० ए. डी. तक टेराकोटा पशु आकृतियों का एक अध्ययन ।'

२८. डा० एस० आर० वर्मा, सहायक प्रोफेसर, इतिहास , राजकीय वी० एस० कालेज, ग्वालियर (म० प्र०), 'कारेरा के मुगलकालीन फौजदार (१६३६–१७५०)' ।

२९. डा० एन० पी० उन्नी, प्रोफेसर तथा विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, केरल विश्वविद्यालय, कैरिआवट्टम, पो० त्रिवेन्द्रम, 'मुशीकवामसा का एक इतिहास।

३०. भारतीय ऐतिहासिक अध्ययन संस्थान, ३५ थिएटर रोड़, कलकत्ता–१७, 'भारत में लोक एसोसिएसन'।

३१. डा० पी० थनकाप्पन नायर, ८२ सी, कनसानिपारा रोड़, कलकत्ता–७०००२५, 'भारतीय इतिहास संस्कृति में आम'।

३२. डा० अर्पणा बासु, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 'भारतीय शिक्षा के इतिहास में निबंध ।

३३. डा० द्विजेन्द्र त्रिपाठी, भारतीय प्रबंध संस्थान, वस्त्रपुर, अहमदाबाद–३८०००१५, 'भारत में व्यापार समुदाय : एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य' ।

३४. डा० के० सी० यादव, इतिहास विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, 'हरियाणा का इतिहास और संस्कृति : एक वर्गीकृत और सटिप्पणी ग्रन्थसूची।'

३५. महासचिव, उत्तर-पूर्व भारत ऐसोशिएसन, इतिहास विभाग, उत्तर-पूर्वी पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग–७९३०१४, 'उत्तर पूर्व भारतीय इतिहास एसोसिएशन का प्रथम सत्र' ।

३६. डा० एस० एस० जानकी, सचिव, कुप्पुस्वामी शास्त्री अनुसंधान सस्थान नं० ८४, रोयापेट्टम, हाई रोड़, माइलापौर, मद्रास ६००००४, 'प्राच्य अनुसंधान की पत्रिका' ।

३७. निदेशक, ऐतिहासिक अध्ययन संस्थान, ३५ थिएटर रोड़, 'ऐतिहासिक अध्ययनों की त्रैमासिक समीक्षा, खण्ड बाईस, भाग एक से भाग चार' ।

३८. महासचिव, भारतीय पूर्व-ऐतिहासिक तथा चर्तुशताब्दी अध्ययन सोसायटी, द्वारा पुरातत्व विभाग, दक्कन कालेज, पुणे–४११००६,' मानव और पर्यावरण, खण्ड दो' ।

३९. महासचिव, दक्षिण भारतीय इतिहास कांग्रेस, ऐतिहासिक अध्ययन स्कूल, मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, मदुरै–२१, 'दक्षिण भारतीय इतिहास कांग्रेस का द्वितीय सत्र' ।

४०. सचिव, भारतीय इतिहास कांग्रेस, आई. आई. पी. ए. भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली, '४२वां खण्ड (बोध गया)' ।

४१. डा० एमेन्द्रनाथ बोस, निदेशक टैगोर अनुसंधान संस्थान, ९७, श्यामाप्रसाद मुखर्जी मार्ग कलकत्ता–२६, डब्ल्यू० डब्ल्यू पीयर्सन की ग्रंन्थ सूची '।

४२. डा० एस० पी० गुप्ता, सम्पादक भारतीय पुरातत्वीय सोसायटी द्वारा राष्ट्रीय संग्रहालय, जनपथ, नई दिल्ली–११०००१, 'इन्दस सभ्यता की सीमाएं (हड़प्पा अध्ययन के पचास वर्ष)–एक सर मर्टीमर शीलरखण्ड' ।

४३. डा० कृष्ण चन्द्र मिश्रा, विभागाध्यक्ष, इतिहास, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, कीर्तिपुर, काठमांडू नेपाल, 'महाभारत में जनजातियां – एक सामाजिक सांस्कृतिक अध्ययन' ।

४४. डा० अशोक कुमार श्रीवास्तव, इतिहास विभाग, पी. डी. एफ., बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी–२२१००५, 'प्राचीन भारत में शहरी आर्थिक जीवन : ए०डी० ७००–१२०० ए०डी० (हिन्दी में) ।

४५. डा० (श्रीमती) साधना शुक्ला, २१, लक्ष्मण बाग, कालोनी, नवाब गंज, कानपुर (उ०प्र०), 'प्राचीन भारत में अपराध और दंण्ड (हिन्दी में) ।

४६. डा० चन्द्र लेखा द्विवेदी, सी–१,२२०, जनकपुरी, नई दिल्लीं ५८, 'तमास्मा काल से गुप्त काल तक ईरान का राजनीतिक और सांस्कृतिक अध्ययन ।'

४७. डा० एस० पी० गुप्ता, भारतीय इतिहास और संस्कृति सोसायटी, वी–७५, पन्डारा रोड़, नई दिल्ली–३, 'भारतीय इतिहास और सांस्कृतिक सोसायटी का पांचवां वार्षिक सम्मेलन' ।

४८. प्रोफेसर कृपाल सिह, अध्यक्ष, पंजाब ऐतिहासिक अध्ययन विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला, पंजाब इतिहास सम्मेलन का १६ वां अधिवेशन' ।

४९. डा० एस० एम० रित्ती, सचिव खजान्ची, भारतीय प्रतिसंखन सोसायटी, द्वारा प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरालेख विभाग, कर्नाटक विश्व-विद्यालय, धारवाड़–३, 'भारतीय पुरालेख सोसायटी का खण्ड नौ' ।

५०. प्रोफेसर (कुमारी) सरोजिनी रैगानी, अध्यक्ष, इतिहास विभाग, उस्मानियां विश्वविद्यालय, हैदराबाद, 'निजाम–ब्रिटिश संबंध (१७२४–१८५७)' ।

५१. डा० आर० पी० सिह, प्राध्यापक, इतिहास, स्वामी श्रृद्धानन्द कालेज, अलीपुर, दिल्ली–३६, 'भारत में कन्ट्रोल विधायक का विकास (१९०९–१९३५)' ।

५२. डा० देवेन्द्र कौशिक, अध्यक्ष, सोवियत अध्ययन, जवाहर लाल नेहरु विश्व-विद्यालय, नई दिल्ली, आधुनिक काल में भारत और मध्य एशिया (प्रारंभिक १९ वीं शताब्दी से, ऐतिहासिक सांस्कृतिक सम्पर्कों का अध्ययन)' ।

५३. इन्द्रजीत शर्मा, राजकीय कालेज, जींद–१२५१०२, '१८४९ से १९०१ के बीच पंजाब में 'भू राजस्व प्रशासन' ।

५४. डा० जय प्रकाश प्रेमदेव, राजनीतिक विज्ञान विभाग जे० यू० (पी०) कालेज, बड़ौत (मेरठ), 'भारत-सोवियत संबंध, १९६५-१९७३' ।

५५. प्रोफेसर जी० सी० पांण्डेय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, 'प्राचीन भारतीय सामाजिक इतिहास का आधाम ।'

५६. डा० एम० के० शरण, अध्यक्ष, प्राचीन भारतीय और एशियाई अध्ययन विभाग, गया कालेज, गया (बिहार)' प्रथम शताब्दी ए०डी०से १५ वीं शताब्दी ए०डी० तक प्राचीन कम्बोडिया का राजनीतिक इतिहास' ।

५७. डा० वी० आर० मणि, प्राध्यापक, केन्द्रीय उच्च तिब्बती अध्ययन, संस्थान वाराणसी,' कुषाण युग में जीवन' ।

परिशिष्ट VI

इतिहासकारों के उन व्यावसायिक संगठनों की सूची जिन्हें सेमिनार संगोष्ठियां आदि आयोजित करने के लिए वित्तीय सहायता स्वीकृत की गई/दी गई सहायता की राशि प्रत्येक के सम्मुख दर्शाई गई है।

१. भारतीय अनुसंधान सोसायटी, अवध १२२२, दिल्ली दरवाजा, फैजाबाद–२२४००१, अयोध्या की सांस्कृतिक परम्परा २५ से २७ अप्रैल, १९८३ तक (३०००) रु० ।

२. सचिव, दक्षिण भारतीय इतिहास सोसायटी, ३/८२, नल्लीअमपालयम, बाई पास रोड़, वेल्लूर (सलेम) ६३०१८२, तमिलनाडू, 'दक्षिण भारत के पोलिगटों, पट्टागटों, जागीरदारों, भूतपूर्व सामंतवादी प्राचीन राजा और प्रमुखों का इतिहास,' ९ और १० जनवरी, १९८२ (४,४१०.५०) रु० ।

३. कुप्पुस्वामी शास्त्री अनुसंधान संस्थान, र० न० ८४, रोया पीठ हाई रोड़, माइलापोर, मद्रास–६००००४, प्रोफेसर कुप्पुस्वामी शास्त्री की जन्म शताब्दी समारोह,' १०,००० रु० ।

४. डा० राम पाण्डे, सम्पादक, शोधक, ३/१०, गांधी नगर, जयपुर, 'राजस्थान के सांस्कृतिक इतिहास के श्रोत,' ३० और ३१ जनवरी, १९८२ (३९५६.५० रु० ।

५. भारतीय मुद्राशास्त्रीय सोसायटी, प्राचीन भारतीय इतिहास और संस्कृति विभाग विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म० प्र०) 'भारतीय मुद्राशास्त्रीय सोसायटी का ७० वां वार्षिक सम्मेलन,' ७ से ९ नवम्बर, १९८२ तक ।

६. प्रोफेसर कृपाल सिंह, प्रोफेसर तथा अध्यक्ष, पंजाब ऐतिहासिक अध्ययन विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, 'पंजाब इतिहास कांग्रेस का १६वां अधिवेशन, १२ से १४ मार्च १९८२ तक । पंजाब इतिहास का १७ वां अधिवेशन, "८–१० अक्तूबर, १९८२ (१०,०००)–रु० ।

७. डा० पी० के० मिश्रा, सचिव, उड़ीसा इतिहास कांग्रेस, स्नातकोत्तर इतिहास विभाग सम्भलपुर विश्वविद्यालय, ज्योति विहास (उड़ीसा) 'उड़ीसा इतिहास कांग्रेस का दसवां वार्षिक अधिवेशन, १४–१५ मार्च, १९८२ (३,०००)–रु० ।

८. डा० डी० चुटिया, सचिव, कामरूप अनुसंधान समिति (असम) अनुसंधान सोसायटी, गोहाटी, उत्तर पूर्वी भारत के इतिहास और संस्कृति के संबंध में मूल श्रोत सामग्री में अध्ययन," २४–२५ अप्रैल १९८२ (७०००)–रु० ।

९. डा० के० राजाच्यन, महामंत्री, दक्षिण भारतीय इतिहास कांग्रेस, श्री वसावी कालेज, ई रोड, 'दक्षिण भारतीय इतिहास कांग्रेस का तीसरा वार्षिक सम्मेलन," ७–९ मई १९८२ (५,०००)–रु० ।

१०. प्रोफेसर बी० एन० दत्ता, प्रोफेसर तथा अध्यक्ष, इतिहास विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र–१३२११९, 'भारतीय इतिहास कांग्रेस का ४३ वां अधिवेशन," २८–३० दिसम्बर, १९८२ (५,०००)–रु० ।

११. प्रोफेसर तथा अध्यक्ष इतिहास विभाग, स्थानीय सचिव, भारतीय अमरीकी अध्ययन एसोसिएशन, सामाजिक विज्ञान सकाल, ब.हि.वि., २२१००५, अमरीकी अध्ययनों के लिए भारतीय एशोसिएशन का १६ वां वार्षिक सम्मेलन, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी' २,५०० रु० ।

१२. श्री ओ० पी० टन्डन, विशेष कार्याधिकारी, भारत का बिल्डिंग, ब.हि.वि., वाराणसी, 'शिल्पाकार्य नन्दलाल बोस के विशेष संदर्भ में १८ वीं से २० वीं शताब्दी में भारतीय कला, २४–२६ दिसम्बर, १९८२ (५०००)–रु० ।

१३. डा० टी० आर० डी० शूजा एस. जे. निदेशक, जेवियर ऐतिहासिक अनुसंधान केन्द्र, निराकार पंजिम, गोआ–४००३००१, 'गोआ में भारत पुर्तगाल इतिहास के संबंध में तीसरा अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार," २८–३१ जनवरी, १९८३ (१०,०००)–रु० ।

१४. डा० एन० आर० रे०, निदेशक, ऐतिहासिक अध्ययन संस्थान, २५ थिएटर रोड़. कलकत्ता-१७, 'ऐतिहासिक अध्ययन संस्थान का २१ वां वार्षिक सम्मेलन, '७ से १० जनवरी, १९८३ तक (५,०००)–रु० ।

१५. प्रोफेसर बी० एन० श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष, लखनऊ विश्वविद्यालय; प्राचीन भारतीय इतिहास तथा पुरातत्व विभाग, लखनऊ, प्राचीन भारतीय कला में प्रभाव तथा अन्तर-क्रियाएँ," २१ दिसम्बर, १९८२ से २ जनवरी, १९८३ (१०,०००)–रु० ।

१६. डा० जान कोटिआ अफोन्सी, एस. जे., निदेशक, हेरस भारतीय इतिहास तथा संस्कृति संस्थान, सेंट जेवियर्स कालेज, महापालिका मार्ग, बम्बई–४०००० १, "इतिहासकारों की कार्यशाला (१९८३)," (५,०००)–रु० ।

१७. डा० ए० पी० गुप्ता, भारतीय इतिहास और संस्कृति सोसायटी, बी–७५, पंडारा रोड़, नई दिल्ली–३, 'भारतीय इतिहास और सांस्कृतिक सोसायटी का छठा वार्षिक सम्मेलन, 'जनवरी, १९८२–जनवरी, १९८३ (५,०००)रु०।

१८. अध्यक्ष, पुरातत्व विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कलकत्ता, 'पूर्वी भारत में शहरीकरण,' १४–१६ जनवरी, १९८३, (३,०००)–रु० ।

१९. श्री एम० एल० मूर्ति, सहायक सचिव, भारतीय अध्ययन, द्वारा पुरातत्व विभाग, दक्कन कालेज पुणे, ४११००६, 'भारतीय पूर्व ऐतिहासिक तथा चतुर्थताब्दी अध्ययन सोसायटी का नवां वार्षिक सम्मेलन, २५–२७ अक्तूबर, १९८२ (५,०००)–रु० ।

२०. प्रोफेसर बी० शेख अली, कुलपति, मंगलौर विश्वविद्यालय, लाइट हाउस हिल, मंगलौर–५७५००३, कर्नाटक इतिहास कांग्रेस का तीसरा वार्षिक अधिवेशन (१९८३), दिसम्बर, १९८२ (५,०००)–रु० ।

२१. डा० के० एन० दीक्षित. महामंत्री, भारतीय पुरातत्वीय सोसायटी, द्वारा भारतीय पुरातत्वीय सर्वेक्षण, पुराना किला, नई दिल्ली–१, सोसायटी के १४ वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान आजादी के बाद से भारत के पुरातत्वीय परिप्रेक्ष्य, '२५ से २७ अक्तूबर, १९८२ (५,०००)–रु० ।

२२. सौरन बाग, अवैतनिक महामंत्री, रायल भारतीय जनसेवा, उत्थान स्मारक समिति, ४७/१ ए० पालम एवेन्यू, कलकत्ता–१९,' रिन उत्थान के संबंध में राष्ट्रीय सेमिनार, १९ और २० फरवरी, १९८३, (५०००)–रु० ।

२३. डा० एम० एस० माटे, सचिव, भारत इतिहास संशोधक मंडल, पुणे–३०, 'महाराष्ट्र इतिहास परिषद मई–जून, १९८३ के दौरान (५,०००)–रु० ।

२४. डा० करुणेश शुक्ला, महामंत्री, नागार्जुन बौद्ध प्रतिष्ठान, १८, अधियारी बाग, गोरखपुर, २७३००१, 'बधंना की प्रकृति और स्वतंत्र बौद्ध प्रणाली, '२० से २३ मार्च १९८३ (७,०००)–रु० ।

२५. श्री एस० एस० इनामदार, प्रिंसीपल, अंजुमन कला, विज्ञान तथा वाणिज्य कालेज, बीजापुर, 'मध्य काल के दौरान बीजापुर के विशेष संदर्भ में दक्कन का सामाजिक-सांस्कृतिक इतिहास, (५,०००)–रु० ।

२६. श्री आर० पार्थास भा० प्र० से० आयुक्त, आंन्ध्र प्रदेश सरकार, आंन्ध्र प्रदेश राज्य अभिलेखागार, तरनाका हैदराबाद–५०००७, आ०प्र० के इतिहास और सांस्कृतिक इतिहास से पाठ, 'अप्रेल व जून १९८३ के दौरान (५,०००)–रु०

२७. महामंत्री, उत्तर–पूर्व भारत इतिहास ऐसोसिएशन, इतिहास विभाग, उत्तर-पूर्वी पर्वतीय विश्व विद्यालय, शिलांग–७९३०१४, 'उत्तर पूर्व भारत इतिहास एशोसिएशन का तीसरा वार्षिक अधिवेशन, ' ६ से ८ दिसम्बर, १९८२, (१०,०००)–रु० ।

२८. अध्यक्ष, इतिहास और भारतीय संस्कृति विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर, 'पश्चिमी भारत में जनांकिकी गतिशीलता और सामाजिक समानता (प्राचीनकाल से वर्तमान काल तक पश्चिमी भारत का सामाजिक इतिहास), ३–५ मार्च १९८३ (८,०००)–रु० ।

२९. जी०टी० सोमानी स्मारक स्कूल भवन, कुफ परेड, बंबई–५, 'भारत में प्रोद्योगिकी के संबंध में अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार (प्राचीन और मध्यकाल), (१०,०००)–रु० ।

३०. प्रोफेसर वी० वेकटाचलम, प्रोफेसर तथा अध्यक्ष, संस्कृत अध्ययन स्कूल, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन–४५६०१०, 'कालीदास की समाधान रहित समस्याएं, ३ से ८ फरवरी १९८३ तक अध्ययन, (५,०००)–रु० ।

३१. डा० एस० के० भट्ट, 'भारतीय मुद्राशास्त्रीय अकादमी तथा सिंगलीओग्राफी मालव इतिहास परिषद और इन्दौर विश्वविद्यालय, इन्दौर के संयुक्त तत्वावधान में इतिहास के श्रोत के रूप में मुद्राशास्त्र, "२६, २७ और २८ मार्च १९८३" (७०००)–रु० ।

परिशिष्ट VII

उन अध्येताओं की सूची जिन्हें विदेशो का दौरा करने के लिये अनुदान स्वीकृत किया गया।

१. डा० ब्रिन्सले समारु 'इतिहास विभाग वैस्ट इंडीज विश्वविद्यालय' त्रिनिडाड, 'कारबियन में भारतीय' (एक ओर का हवाई किराया)।

२. प्रोफेसर सी. के. अलैग्जेन्डर, इतिहास विभाग, केरल विश्वविद्यालय, केरल, 'अमरीकी इतिहास में अदलई स्टीवेंसन,' (अमेरिका के लिए एक ओर का हवाई किराया)।

३. प्रोफेसर कृपाल सिंह, अध्यक्ष, ऐतिहासिक अध्ययन विभाग, पंजाबी विश्व-विद्यालय, पटियाला, 'पंजाब के विभाजन के संबंध में चुने हुए दस्तावेज, १९४७, (दोनों ओर का हवाई किराया)।

४. डा० (श्रीमती) ए० सिद्दकी, फ्लैट ३१०, हाउसिंग कालोनी, टी.आई. एफ. आर. होमी भाभा रोड़, बम्बई, ४००००५, '१९ वीं शताब्दी में पश्चिमी भारत और बम्बई के इतिहास की आर्थिक समस्याए, (यू. के. के लिए एक ओर का हवाई किराया)।

५. श्रीमती सविता शर्मा, भा. ई. अ. प. अनुसंधान अध्येता, प्राचीन इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, (३५००)–रु०।

६. प्रोफेसर एम० एम० पुरी, अध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चन्डीगढ,' (मिलान) इटली में दक्षिण-पश्चिम तथा दक्षिण एशिया में सुरक्षा और स्थिरता के संबंध में अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा डसेलड्रोफ (पं. जर्मनी) का दौरा (१९९२)–रु०।

७. डा० लोतिका वदरांजन, ७४, सुन्दर नगर, नई दिल्ली–३, '१७ वीं शताब्दी दक्षिण पूर्व एशियायी इतिहास और शिल्प परम्पराओं के संबंध में

श्रोत सामग्री संग्रहित करने के लिए थाइलैंड का दौरा,' (भारतीय मुद्रा में दस दिन के लिए अनुरक्षण अनुदान) ।

८. डा० शशि बाला, ३८, नया गंज, गाजियाबाद, 'तत्व संग्रह ; एशोटेरई प्रतिभा विज्ञान की ऐतिहासिक संधि; (जापान के लिए दोनों ओर का हवाई किराया) ।

९. प्रोफेसर हेनरी स्कालवर्ग, पुस्तकाध्यक्ष, अमेस दक्षिण एशिया लाइब्रेरी, निन सोटा विश्वविद्यालय, मिनेअपोलिस, एम० एन० ५५ ४५५, अमरीका (८०००)—रु० ।

१०. डा० हिमाद्री बनर्जी, २७, ताला पार्क, एवन्यू, कलकत्ता, 'पंजाब में भू-बाजार का विकास (१८५०—१९००),' (भारत से पाकिस्तान का वापसी हवाई किराया) ।

११. डा० पी० एल० मल्होत्रा, डीन, कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 'सर मोरिस ग्वैयर के संबंध में श्रोतों का संग्रह; दिल्ली के विश्वविद्यालय के भूतपूर्व कुलपति, (यू०के० के लिए दोनों ओर का हवाई किराया) ।

१२. डा० जेड० एम० खान, रीडर, जामियां मिलिया इस्लामियां, नई दिल्ली, 'उप सहारा अफ्रीका में इस्लाम' (काहिरा, मिश्र) में १४ दिन के लिए अनुरक्षण अनुदान ।

परिशिष्ट VIII

३१.३.१९८३ की स्थिति के अनुसार परिषद के स्टाफ की स्वीकृत संख्या

क्रम संख्या	पद का नाम	पदों की संख्या	भरे गये	रिक्त
१.	निदेशक	१	१	—
२.	उप निदेशक	१	१	—
३.	प्रबन्धक प्रकाशन	१	१	—
४.	कार्यकारी सम्पादक	१	१	—
५.	सम्पादक–एवं परियोजना अधिकारी	१	—	१
६.	प्रशासनिक अधिकारी	१	१	—
७.	लेखा अधिकारी	१	१	—
८.	वरिष्ठ व्यवसायिक	१	१	—
९.	अनुसंधान अधिकारी (वरिष्ठ वेतनमान)	२	१	१
१०.	अनुसंधान अधिकारी	३	३	—
११.	सहायक सम्पादक	१	१	—
१२.	जूनियर व्यावसायिक	१	१	—
१३.	कापी सम्पादक	१	—	१
१४.	सहायक उत्पादन अधिकारी	१	१	—
१५.	सहायक अनुदान अधिकारी	१	—	१
१६.	पुस्तकाध्यक्ष	१	१	—
१७.	वरिष्ठ आशुलिपिक ग्रेड–१	१	१	—
१८.	अधीक्षक (प्रशासन)	१	१	—
१९.	अधीक्षक (लेखा)	१	१	—
२०.	आन्तरिक लेखा परीक्षा अधिकारी	१	—	१
२१.	वरिष्ठ अनुसंधान सहायक	७	५	२
२२.	संपादकीय सहायक	२	२	—

२३. उत्पादन सहायक	१	१	–
२४. पी० ए० (गोपनीय)	१	१	–
२५. वरिष्ठ आशुलिपिक	२	२	–
२६. सहायक (प्रवरण ग्रेड)	१	–	१
२७. सहायक	७	८	(–१)
२८. लेखाकार	१	–	१
२९. सहायक (रोकड़)	१	१	–
३०. अध्यक्ष के निजी सचिव	१	–	१
३१. पुस्तकालय सहायक	१	१	–
३२. तकनीकी सहायक	१	१	–
३३. केअर टेकर	१	१	–
३४. जूनियर आशुलिपिक (प्रवरण ग्रेड)	१	१	–
३५. जूनियर आशुलिपिक	७	५	२
३६. यू० डी० सी०	५	५	–
३७. लेखा लिपिक	६	६	–
३८. प्रूफ रीडर	१	–	१
३९. कापी होल्डर	१	१	–
४०. जैरोक्स आपरेटर	१	१	–
४१. स्टाफ कार ड्राइवर	१	१	–
४२. अवर श्रेणी लिपिक	२०	१९	१
४३. गेस्टेटनर आपरेटर	१	१	–
४४. लिफ्ट आपरेटर	१	–	१
४५. स्कूटर ड्राइवर	१	–	१
४६. दफ्तरी	१	१	–
४७. प्रूफ डी प्रवरण ग्रेड	१	–	२
४८. पुस्तकालय परिचर	१	–	१
४९. सफाई कर्मचारी (स्वीपर)	१	१	–
५०. चौकीदार	२	२	–
५१. फराश एवं चपरासी	१३	१३	–
	११८	१००	१८

लेखा परीक्षा प्रमाण-पत्र

मैंने भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद के ३१ मार्च १९८३ को समाप्त होने वाले वर्ष के लेखाओं और तुलन पत्र की जांच कर ली है। मैंने सभी अपेक्षित सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं। लेखा परीक्षा के परिणाम स्वरूप मैं और मेरी सर्वोत्तम जानकारी और मुझे दिए गए स्पष्टीकरण तथा परिषद की बहियों में दर्शाए गये उल्लेखों के अनुसार ये लेखे और तुलन पत्र उपयुक्त रूप से तैयार किए गए हैं और समिति के कार्यकलापों का सही और उचित रूप प्रस्तुत करते हैं।

हस्ताक्षर/-
(ओम प्रकाश गोयल)
निदेशक लेखा परीक्षा,
केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक: २१ नवम्बर १९८३

भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद् का मार्च, १९८३ में समाप्त होने वाले वर्ष की प्राप्ति तथा अदायगी का लेखा

प्राप्तियां			अदायगी			
शीर्ष	राशि	राशि	शीर्ष	राशि	राशि	राशि
१	२	३	४	५	६	७
I. १-४-८२ को प्रारम्भिक रोकड़			**१. स्थापना खर्च**	**योजनेतर**	**योजनागत**	
(क) रोकड़ (हाथ में)	४,०६६		**(क) प्रशासन**			
(ख) रोकड़ (बैंक में)	३,०७,८३६	३,११,९०२	१. अधिकारियों के वेतन तथा भत्ते	७६,५६३	—	
II. वर्ष के दौरान भारत सरकार से प्राप्त अनुदान			२. कर्मचारियों के वेतन तथा भत्ते	३,५७,२०६	५०,३०३	
(१) भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद्			३. चिकित्सा व्यय	१७,४३६	४,११९	
योजनेतर	३४,२४,२५६		४. अधिकारियों तथा कर्मचारियों के यात्रा भत्ते	५,८४९	३०४	
योजनागत	२१,५९,९९८	५५,८४,२५४	५. अवकाश वेतन तथा पेंशन अंशदान	१२,६८७	—	
III. विशेष परियोजनाएं						
(क) अनुवाद परियोजना						
(ख) स्वतन्त्रता की ओर	४,००,०००					
(ग) प्रजामंडल	१,१८,६६३	५,१८,६६३				
अन्य स्रोतों से अंशदान	—	—				

१	२	३	४	५	६	७
Iv. अन्य प्राप्तियां			६. अंशदायी भविष्य निधि में नियोजन का अंश तथा ब्याज	२७,४५१	३,४२६	
१. पुस्तकों की बिक्री एवं रायल्टी :			जोड़ : प्रशासन	४,९७,१९२	५८,१५२	५,५५,३४४
(क) योजनागत	८,६०६					
(ख) अनुवाद परियोजना	२९,०४७					
२. जरनल की बिक्री से प्राप्त राशि						
(क) योजनागत	९,१२३	४६,७७६	**(ख) अकादमिक कार्यक्रम**			
v. विविध प्राप्तियां			१. अधिकारियों के वेतन और भत्ते	१,४४,७५१	,२६,७२०	
(क) योजनेतर	३२,३४०		२. कर्मचारियों के वेतन और भत्ते	३,१४,३१९	२२,३२९	
(ख) योजनागत	२०,१९९		३. चिकित्सा व्यय	१५,४२०	५६५	
(ग) अनुवाद	४,६१३		४. अधिकारियों तथा कर्मचारियों का यात्रा भत्ता	२९,५६७	—	
(घ) स्वतन्त्रता की ओर	२,०६३		५. अवकाश वेतन तथा पेंशन अंशदान	—	—	
(ङ) प्रजा मंडल	—	५९,२१५				
पेशगियों का समायोजन						
(क) आकस्मिक पेशगियां						
१. प्रशासन अनुभाग की पेशगियां	४,५९६					
२. डी०ए०वी०पी० को पेशगियां	५,०००	९,५९६				

१	२	३	४	५	६	७
(ख) परिषद् के कर्मचारियों को पेशगियां			६. अंशदायी भविष्य निधि में नियोजक का अंश तथा ब्याज	४४,५४५	१,१४०	
१. त्योहार पेशगियां	१०,६१५		योग अकादमिक	५,४८,६३२	५०,७५४	५,९९,३८६
२. बाढ़ पेशगियां	—					
३. साइकिल पेशगियां	५,२३६		**(ग) प्रलेखन केन्द्र**			
४. भवन निर्माण के लिए पेशगी	६८०		१. अधिकारियों के वेतन भत्ते	८५,९१२		
५. मोटर कार, स्कूटर पेशगी	२,४००		२. कर्मचारियों के वेतन और भत्ते	६१,४५६		
६. प्रतिनियुक्ति पर आये कर्मचारियों को छुट्टी वेतन की पेशगी	२,०७०	२१,००१	३. चिकित्सा व्यय	५,२१७		
७. संशय लेखा	—	—	४. अधिकारियों तथा कर्मचारियों का यात्रा भत्ता	६,११६		
योग :		६५,५१,४०७	५. अवकाश वेतन तथा पेंशन अंशदान	२६७		

१	२	३	४	५	६	७
पिछला जोड़		६५,५१,४०७	६. अंशदायी भविष्य निधि में नियोजक का अंश तथा ब्याज	१४,१८८		
			योग प्रलेखन केन्द्र	१,७३,१५६	—	१,७३,१५६
			(घ) जनरल यूनिट			
			१. अधिकारियों के वेतन और भत्ते	७८,०५४		
			२. कर्मचारियों के वेतन और भत्ते	९०,५८७		
			३. चिकित्सा व्यय	१,८२२		
		६५,५१,४०७	४. अधिकारियों तथा कर्मचारियों का यात्रा भत्ता	४,५४५		

१	२	३	४	५	६	७
पिछला जोड़		६५,५१,४०७	५. अंशदायी भविष्यनिधि में नियोजक का अंश तथा ब्याज	१८,२३६		
				१,९३,२४४	१,९३,२४४	—
			(ङ) प्रकाशन यूनिट			
			१. अधिकारियों के वेतन और भत्ते	१२,५४९	३६,३५१	
			२. कर्मचारियों के वेतन और भत्ते	५४,८९७	११,७८६	
			३. चिकित्सा व्यय	२,५०६	१,०७९	
			४. अधिकारियों तथा कर्मचारियों का यात्रा भत्ता	७४०	—	
		६५,५१,४०७	५. अवकाश वेतन तथा पेंशन अंशदान	२,०१९	—	

१	२	३	४	५	६	७
पिछला जोड़		६५,५१,४०७	६. अंशदायी भविष्य निधि में नियोजक का अंश तथा ब्याज	३,३७८	६,०८८	
			योग : प्रकाशन यूनिट :	७६,०८९	५५,३०४	१,३१,३९३
			(च) कार्यालय खर्च			
			१. विविध आकस्मिक	१,७५,४६७	७०,८५२	
			२. भवन का किराया	२,१९,१९८	—	
			योग : कार्यालय खर्च	३,९४,६६५	७०,८५२	४,६५,५१७
			११. अन्य व्यय			
			१. वार्षिक रिपोर्ट तथा न्यूजलेटर का मुद्रण	६,००५	—	
		६५,५१,४०७	२. बैठकों का यात्रा भत्ता	३८,६७९	—	

१	२	३	४	५	६	७
पिछला जोड़		६५,५१,४०७	३. समाचार पत्रों व पत्रिकाओं आदि की खरीद	३४,९१४	—	
			४. लेखा-परीक्षा शुल्क	३३,७५०	—	
			योग : अन्य व्यय	१,१३,३४८	—	१,१३,३४८
			III. परिषद् के प्रकाशन			
			१. भा०इ०अ०प० की पहल पर तैयार की गई पांडुलिपि	—	११,६६८	
			२. परिषद् की पत्रिका का प्रकाशन	—	५,१५८	
			३. बिक्री को प्रोत्साहन	—	१,२००	
		६५,५१,४०७	योग : परिषद् के प्रकाशन	—	१८,०२६	१८,०२६

१	२	३	४	५	६	७
पिछला जोड़	—	६५,५१,४०७	**राज्य विधान एकक**			
			१. मुद्रण व्यय	—	१४,८२४	
			२. विविध आकस्मिक	२,४२१		
			योग : राज्य विधान एकक	—	१७,२४५	१७,२४५
			द्वितीय विश्व युद्ध का इतिहास	—	१६,५००	१६,५००
			सहायक अनुदान कार्यक्रम			
			१. अनुसंधान परियोजनाएं	८६,७५०	१,२८,५८५	
			२. शोध वृत्तियां	६,०४,६३७	१२,८२,४२४	
			३. अध्ययन अनुदान	७६,५१८	२,२३,८५३	
			४. प्रकाशन अनुदान	१,७०,३००	—	
			५. पेशेवर संगठनों को सहायता	१,७३,५६७	—	
		६५,५१,४०७	६. सर्वेक्षण	—	२८७	

१	२	३	४	५	६	७
पिछला योग		६५,५१,४०७	७. स्रोत अनुसंधान कार्यक्रम	२,७२७	१,५००	
			योग : सहायक अनुदान कार्यक्रम	११,१७,५२६	१६,३६,६४६	२७,५४,१७८
			सेमिनार, संगोष्ठियां और सम्मेलन (राष्ट्रीय)			
			अन्य संस्थाओं से अनुदान	७५,४२६	—	७५,४२६
			सेमिनार, संगोष्ठियां और सम्मेलन अंतर्राष्ट्रीय			
			१. सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम	६२,५८६	—	६२,५८६
			अन्य देशों के इतिहास का अध्ययन, विशेष रूप से वाह्य विश्व के साथ भारत के संम्पर्कों के इतिहास का अध्ययन	—	—	—
		६५,५१,४०७				

१	२	३	४	५	६	७
पिछला जोड़		६५,५१,४०७	विदेशों में उपलब्ध स्रोत सामग्री के संकलन को सुकर बनाने के लिए अनुसंधान कर्त्ताओं को			
			आर्थिक सहायता	—	५१,०२६	५१,०२६
			कला इतिहास	—	५५,८५०	५५,८५०
			१२. ऐसे क्षेत्रों में युवा अध्येताओं के लिए क्षेत्रीय कार्य जिनमें प्रशिक्षित कार्मिकों का अभाव है	—	—	—
			१३. आदर्शों और विचारों का इतिहास	—	—	—
		६५,५९,४०९	१४. समीक्षा समिति भा०इ०अ०प०		५१,५१०	५१,५१०

१	२	३	४	५	६	७
पिछला जोड़		६५ ५१,४०७	**पूंजीगत व्यय**			
			१. फर्नीचर तथा कार्यालय उपस्कर	३९,२६४	८२,९९२	
			२. डाक वाहक	—	३०,०६७	
			३. पुस्तकें (प्रलेखन केन्द्र)	८७,२१३	—	
			४. पुस्तकालय उपस्कर (प्रलेखन केन्द्र)	३,७४२	—	
			योग	१,३०,२१९	१,१३,०५९	
			घटा : पूंजीगत लेखा से प्राप्त वसूल की गई रकम	—	—	—
			कुल योग	१,३०,२१९	१,१३,०५९	२,४३,२७८
			ऋण जमा तथा पेशगियां			
			(क) आकस्मिक पेशगियां			
कुल जोड़		६५,५१,४०७				
			१. प्रकाशन यूनिट को पेशगी	५००	—	

१	२	३	४	५	६	७
पिछला जोड़		६५,५१,४०७	२. प्रलेखन केन्द्र को पेशगी	——	—	
			३. प्रशासन को पेशगी	७,६६५	—	
			योग	८,१६५	—	
			(ख) परिषद् के कर्मचारियों को पेशगियां			
			१. प्रतिनियुक्ति पर आये व्यक्तियों को छुट्टी वेतन पेशगी	४,५५०	—	
			२. त्योहार पेशगियां	११,८४०	—	
			३. साईकिल पेशगयिां	५५०	—	
			४. भवन निर्माण के लिए पेशगियां	५०,०००	—	
			५. मोटरकार स्कूटर पेशगियां	—	—	
		६५,५१,४०७	योग	६६,९४०	—	

१	२	३	४	५	६	७
पिछला जोड़		६५,५१,४०७	(ग) केन्द्रीय तार घर में जमा की कई धरोहर राशि	—	—	
			कुल योग : ऋण, जमा, तथा पेशगियां	७५,१०५	—	७५१०५
				७४३	—	७४५
			कुल अदायगी :	३४,८७,९३७	२१,९७,९२७	५६,८५,८६४
			परिषद् को सौंपी गयी विशेष परियोजनाएं			
			क. प्रमुख पुस्तकों का प्रकाशन			
			१. अनुवाद के लिए अदा किया गया पारिश्रमिक			
			(१) अनुवाद अधिकार	—		
			(२) अनुवाद व्यय	४५,००४		
			(३) पुनरीक्षण व्यय	१०,२४३		
			(४) प्रकाशन व्यय	—		
		६५,५१,४०७	योग अनुवाद परियोजना	५५,२४७	—	५५,२४७

१	२	३	४	५	६	७
पिछला जोड़		६५,५१,४०७	**ख. स्वतन्त्रता की ओर**			
			१. अधिकारियों तथा कर्मचारियों के वेतन और भत्ते	३,२२,७७२		
			२. चिकित्सा व्यय	६,१३२		
			३. अधिकारियों, कर्मचारियों तथा बैठकों का यात्रा-भत्ता	२३,१२६		
			४. अवकास वेतन तथा पेंशन अंशदान	—		
			५. अंशदायी भविष्यनिधि में नियोजन का अंश तथा ब्याज	२५,६२३		
			६. भवन का किराया	३८,८२६		
		६५,५१,४०७	७. विविध आकस्मिक	१६,३६१		
			८. सामग्री का संग्रह	२३,६३४		

१	२	७	४		५	६	७
पिछला जोड़		६५ ५१४७०७	९. संपादन के लिए पारिश्रमिक		१,०००		
					४,६४,११०		
			२. पूंजीगत व्यय				
				१. पुस्तकें	३,७८३		
				२. फरनीचर तथा कार्यालय उपस्कर	६,५५६		
				योग	१०,३३९		
			ऋण जमातथा पेशगियां				
		६५,५१,४०७	१. प्रतिनियुक्ति पर आए व्यक्तियों को छुट्टी वेतन की पेशगी		—		

१	२	३	४	५	६	७
पिछला जोड़		६५,५१,४०७	२. आकस्मिक पेशगी	१६३		
			योग	१६३		
			जोड़ : स्वतन्त्रता की ओर	४,७४,६१२	–	४,७४,६१२
			ग. प्रजा मंडल			
			१. अधिकारियों तथा कर्मचारियों के वेतन भत्ते	३८,२६९		
			२. चिकित्सा व्यय	२,४०५		
			३. अधिकारियों तथा कर्मचारियों का यात्रा भत्ता	२,१२२		
			४. लेखक को पारिश्रमिक	८,०००		
			५. विविध आकस्मिक	७,०२५		
		६५,५१,४०७	योग प्रजा मंडल	५७,८२१		५७,८२१

१	२	३	४	५	६	७
पिछला जोड़		६५,५१,४०७	खर्च न हुई राशि की वापसी	१,०२,३२६	१,०२,३२६	
			जोड़ : विशेष परियोजनाएं	६,९०,००६	६,९०,००६	
			कुल अदायगियां	६३,७५,८७०	६३,७५,८७०	
			अन्तिम बकाया			
			रोकड़ (हाथ में)	२,८१७		
			रोकड़ (बैंक में)	१,७२,७२०	१,७५,५३७	
कुल जोड़	६५,५१,४०७					६५,५१,४०७

ह०–ओ० पी० बत्रा
अधीक्षक (लेखा)

ह०–पी० एन० मेहता
लेखा अधिकारी

ह०–बी० आर० ग्रोवर
निदेशक

भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद्
१९८२–८३ वर्ष का आय-व्यय खाता

खर्च				आय		
शीर्ष	राशि		राशि	शीर्ष	राशि	राशि
१	२		३	४	५	६
	योजनेतर	**योजनागत**		वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान	६१,०२,९१७	
प्रशासन	४,९७ १९२	५८,१५२	५,५५,३४४	घटा : पूंजीगत धन में परिवर्तित	२,५३,६१७	
अकादमिक	५,४८,६३२	५०,७५४	५,९९,३८६			५८,४९,३००
प्रलेखन केन्द्र	१,७३,१५६	—	१,७३,१५६	पुस्तकों की बिक्री तथा रायल्टी		
जरनल यूनिट	१,९३,२४४	–	१,९३,२४४	(योजनागत)	८,६०६	
प्रकाशन यूनिट	७६,०८९	५५,३०४	१,३१,३९३	अनुवाद	२९,०४७	३७,६५३
कार्यालय खर्चा	३,९४,६६५	७०,८५२	४,६५,५१७	**विविध प्राप्तियां**		
अन्य व्यय	१,१३,३४८	—	१,१३,३४८			
परिषद् के प्रकाशन	—	१२,८६८	१२,८६८	योजनेत्तर	३२,३४०	
राज्य विधान एकक	—	१७,२४५	१७,२४५	योजनागत	२०,१९९	
द्वितीय विश्व युद्ध का इतिहास	—	१९,५००	१९,५००	अनुवाद परियोजना	४,६१३	
सहायक अनुदान कार्यक्रम	११,१७,५२९	१६,३६,६४९	२७,५४,१७८	स्वतन्त्रता की ओर	२,०६३	

१		२	३	४	५	
सेमिनार, संगोष्ठियां व सम्मेलन (राष्ट्रीय)	७५,४२६	—	७५,४२६	प्रजा मंडल	—	५६,२१५
सेमिनार, संगोष्ठियां व सम्मेलन (अन्तर्राष्ट्रीय)	६२,५८६	—	६२,५८६	आय की तुलना में अधिक खर्च		५६,४६,१६८
विदेशों में उपलब्ध स्रोत सामग्री के लिए अनुसंधान कर्त्ताओं को आर्थिक सहायता	—	५१,०२६	५१,०२६			६४,६१६
कला इतिहास	—	५५,८५०	५५,८५०			
समीक्षा समिति	—	५१,५१०	५१,५१०			
	३२,८१,८७०	२०,७६,७१०	५३,६१,५८०			
विशेष परियोजनाएं						
१. अनुवाद परियोजना		५५,२४७				६०,४१,०८४
२. स्वतन्त्रता की ओर		४,६४,११०				

१	२	३	४	५	६
३. प्रजा मंडल	५७,८२१		पिछला जोड़		६०,४१,०८४
४. भारतीय संस्कृति की स्रोत पुस्तक	१,०२,३२६	६,७६,५०४			
		६०,४१,०८४			६०,४१,०८४

ह०—ओ० पी० बत्रा
अधीक्षक (लेखा)

ह०—पी० एन० मेहता
लेखा अधिकारी

ह०—बी० आर० ग्रोवर
निदेशक

भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद

१९८२-८३ वर्ष का तुलन पत्र

देयता	राशि	राशि	परिसम्पति	राशि	राशि	राशि
१	२	३	४	५	६	७
क. पूंजीगत अनुदान			**क. पूंजीगप व्यय**			
१. १९८१–८२ के अन्त तक	१४,४६,३११		**१. स्टाफ कार**			
२. १९८२–८३ के दौरान	२,५३,६१७	१६,९९,९२८	१९८१-८२ के अंत तक	२३,२४०		
			१९८२-८३ के दौरान		२३,२४०	२३,२४०
ख. बकाया अदायगी			**२. डाक वाहक**			
१. अवितरित वेतन तथा भत्ते (प्रजा मंडल)	२,४९६	२,४९६	१९८२-८३ के दौरान			३०,०६७
ग. अंशदायी भविष्यनिधि			**३. फर्नीचर तथा कार्यालय उपस्कर**			
			१९८१-८२ के अंत तक		५,८२,६३८	
१९८१–८२ के अंत तक शेष	६,८५,४२५		१९८२-८३ के दौरान			
१९८२–८३ में जमा	४,६३,४१५		(क) परिषद्	१,२२,२५६		
		११,४८,८४०	(ख) विशेष परियोजनाएं (स्वतन्त्रता की ओर)	६,५५६	१,२८,८१२	७,११,४५०

१	२	३	४	५	६	७
घटा : वर्ष १९८२–८३ के दौरान			**पुस्तकें**			
निकाली गई राशि तथा			१९८१-८२ के अंत तक		८,४०,४३३	
अस्थायी पेशगी	१,००,८०८	१०,४८,०३२	१९८१-८३ के दौरान			
ङ. व्यय के मुकाबले अतिरिक्त व्यय			(क) परिषद्	९०,९५५		
वर्ष १९८१–८२ के अंत का शेष	४,३७,६२९		(ख) विशेष परियोजनाएं			
घटा : १९८२–८३ के दौरान आय की			(स्वतन्त्रता की ओर)	३,७८३	९४,७३८	९,३५,१७१
तुलना में अधिक खर्च	९४,९१६	३,४२,७१३	**ख. परिषद् का प्रकाशन**			
			इंडियन हिस्टोरिकल रिव्यू			
			१९८१-८२ के अंत तक		६०,०११	
			१९८२-८३ के दौरान		५,१५८	
					६५,१६९	
			घटा : १९८२-८३ के दौरान			
			बिक्री से प्राप्त राशि		९,१२३	५६,०४६
			ग. ऋण तथा जमा पेशगियां			
		३०,९३,१६९	**१. अंशदायी भविष्य निधि**			
			(क) १९८१-८२ के अंत तक निवेष		५,२५,०००	

१	२	३	४	५	६	७
पिछला जोड़		३०,९३,६९	(ख) १९८२-८३ के दौरान			
			निवेश		२,००,०००	
			शेष रोकड़ (हाथ में)	—	—	—
			रोकड़ (बैंक में)	३,२३,०३२	३,२३,०३२	१०,४८,०३२
			२. अध्यक्ष के निवास (पूना) पर टेलीफोन हेतु जमा राशि		—	५०००
			३. केन्द्रीय तार घर में धरोहर के रूप में जमा राशि			१,२००
			४. कर्मचारियों को पेशगियां			
			क. अवकास वेतन अग्रिम			
			वर्ष १९८१-८२ के अन्त तक का शेष		१९,९१५	
			वर्ष १९८२-८३ के दौरान पेशगी		४,५५०	
		३०,९३,१९९			२४,४६५	

१	२	३	४	५	६	७
पिछला जोड़		३०,९३,१६९	घटा : १९८२-८३ के			
			दौरान समायोजित		२,०७०	
			शेष			२२,३९५
			ख. त्योहार पेशगियां			
			वर्ष १९८१-८२ के अंत			
			तक बकाया		७,०९५	
			वर्ष १९८२-८३ के			
			दौरान पेशगी		११,८४०	
					१८,९३५	
			घटा : समायोजन १९८२-८३			
			के दौरान		१०,६१५	
			शेष			८,३२०
			ग. साइकिल पेशगियां			
			वर्ष १९८१-८२ के अंत		६,७२२	
			तक बकाया			
			वर्ष १९८२-८३ के दौरान पेशगी		५५०	
		३०,९३,१६९			७,२७२	

१	२	३	४	५	६	७
पिछला जोड़		३०,९३,१६९	घटा : समायोजन १९८२-८३ के दौरान		५,२३६	
			शेष			२,०३६
			घ. मोटरकार स्कूटर पेशगियां			
			वर्ष १९८१-८२ के अंत तक बकाया		१२,६५०	
			वर्ष १९८२-८३ के दौरान पेशगी		—	
					१२,६५०	
			घटा : समायोजन १९८२-८३ के दौरान		२,४००	
			शेष			१०,२५०
			. **ग्रह निर्माण पेशगियां**			
			वर्ष १९८२-८३ के दौरान पेशगी		५०,०००	
			घटा : समायोजन १९८२-८३ के दौरान		६८०	
		३०,९३,१६९	शेष			४९,३२०

१	२	३	४	५	६	७
पिछला जोड़		३०,९३,१६९	**अन्य पेशगियां**			
			क. अनुवाद परियोजनायं			
			१९८१-८२ के अंत तक शेष		३,९६४	
			१९८२-८३ के दौरान पेशगी		—	
			घटा : वर्ष १९८२-८३ के दौरान समायोजन		—	
			शेष			
			आकस्मिक पेशगी			
			क. डी०ए०वी०पी० को पेशगियां			
			वर्ष १९८१-८२ के अंत तक शेष		५,०००	
			वर्ष १९८२-८३ के दौरान पेशगी		—	
			घटा : वर्ष १९८२-८३ के दौरान समायोजन		५,०००	—
			शेष			—
			ख. प्रकाशन यूनिट को पेशगियां			
			वर्ष १९८२-८३ के दौरान पेशगी		५००	
			घटा : १९८२-८३ के दौरान समायोजन		—	
		३०,९३,१६९	शेष			५००

१	२	३	४	५	६	७
पिछला जोड़		३०,९३,१६९	**ग. प्रलेखन केन्द्र को पेशगियां**			
			१९८१-८२ के अंत तक का शेष		१३८	
			१९८२-८३ के दौरान पेशगी		—	
			घटा : १९८२-८३ के दौरान समायोजन		—	
			वर्ष १९८२-८३ के अंत का शेष			१३८
			ग. प्रशासन को पेशगियां			
			वर्ष १९८१-८२ के अंत तक शेष		४,५९६	
			वर्ष १९८२-८३ के दौरान पेशगी		७,६६५	
					१२,२६१	
			घटा : १८२-८३ के दौरान समायोजन		४,५९६	
		३०,९३,१६९	वर्ष १९८२-८३ के अंत तक शेष			७,६६५

१	२	३	४	५	६	७
पिछला जोड़		३०,९३,१६९	ङ. **सहायक अनुदान के लिए पेशगियां**			
			(सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम)			
			१९८१-८२ के अंत तक का शेष		२,६७५	
			घटा : १९८२-८३ के दौरान समायोजन		—	
			शेष			२,६७५
			च. **स्वतन्त्रता की ओर परियोजना के लिए पेशगियां**			
			वर्ष के दौरान पेशगी		१६३	
			घटा : १९८२-८३ के दौरान समायोजन		—	
			शेष			१६३
			अन्तिम रोकड़ (बाकी)			
			रोकड (हाथ में)		२,८१७	
			रोकड़ (बैंक में)		१,७२,७२०	१,७५,५३७
		३०,९३,१६९				३०,९३,१६९

ह०—ओ० पी० बत्रा
अधीक्षक (लेखा)

ह०—पी० एन० मेहता
लेखा अधिकारी

ह०—बी० आर० ग्रोवर
निदेशक

वर्ष १९८२–८३ के लिए प्रोफार्मा लेखा

परिषद् के प्रमुख कार्यक्रम

प्राप्तियां			अदायगी		(योजनागत)
शीर्ष	राशि	राशि	शीर्ष	राशि	राशि
१	२	३	४	५	६
१. १-४-१९८२ को आरम्भिक रोकड़	७४४	७४४	१. प्रशासन	—	४,९७,१९२
२. वर्ष १९८२-८३ के दौरान भारत			२. अकादमिक कार्यक्रम	—	५,४८,६३२
सरकार से प्राप्त अनुदान	३४,२४,२५६	३४,२४,२५६	३. प्रलेखन	—	१,७३,१५६
			४. जरनल यूनिट	—	१,९३,२४४
३. अन्य प्राप्तियां			५. प्रकाशन यूनिट	—	७६,०८९
विविध प्राप्तियां	३२,३४०	३२,३४०	६. अन्य खर्च	—	१,१३,३४८
(क) प्रशासन विभाग को पेशगी	४,५९६		**७. कार्यालय व्यय**		
(ख) डी०ए०वी०पी० को पेशगी	५,०००		(क) विविध आकस्मिक	१,७५,४६७	
(ग) प्रकाशन यूनिट को पेशगी	—		(ख) भवन का किराया	२,१९,१९८	३,९४,६६५
(घ) प्रतिनियुक्ति पर आये व्यक्तियों को			८. सहायक अनुदान कार्यक्रम		११,१७,५२९
छुट्टी वेतन की पेशगी	२,०७०		**९. सेमिनार, संगोष्ठियां तथा सम्मेलन**		
४. पेशगियों का समायोजन			(क) आन्तरिक	७५,४२६	
(ङ) त्योहार पेशगी	१०,६१५		(ख) अन्तर्राष्ट्रीय	९२,५८९	१,६८,०१५

१	२	३	४	५	६	७
(च) बाढ़ पेशगी	—		**पूंजीगत व्यय**			
(छ) साइकिल पेशगी	५,२३६					
(ज) मोटर कार स्कूटर पेशगी	२,४००			(क) पुस्तकें व पुस्तकालय उपकरण	९०,९५५	
(झ) भवन निर्माण के लिए पेशगी	६८०	३०,५९७		(ख) फर्नीचर तथा कार्यालय उपस्कर	३९,२६४	
				जोड़	१,३०,२१९	
			घटा : पूंजीगत खाते में प्राप्त वसूल की गई राशि		—	
				कुल :	१,३०,२१९	१,३०,२१९
			११. ऋण जमा तथा पेशगियां			
				(क) प्रकाशन यूनिट को पेशगी	५००	
				(ख) प्रकाशन यूनिट को पेशगी	७,६६५	
				(ग) त्यौहार पेशगी	११,८४०	
				(घ) साइकिल पेशगी	५००	
जोड़		३४,८७,९३७		(ङ) भवन निर्माण के लिए पेशगी	५०,०००	
				(च) मोटरकार स्कूटर पेशगी	—	

१	२	३	४	५	६	७
पिछला जोड़		३४,८७,९३७	(छ) प्रतिनियुक्ति पर आये व्यक्तियों को छुट्टी वेतन पेशगी		४,५५०	७५,१०५
			१२. संशय लेखा			७४३
				जोड़		३४,८७,९३७
				अन्तिम रोकड़ बाकी	—	
कुल जोड़		३४,८७,९३७	कुल जोड़			३४,८७,९३७

ह०—ओ० पी० बत्रा
अधीक्षक (लेखा)

ह०—पी० एन० मेहता
लेखा अधिकारी

ह०—बी० आर० ग्रोवर
निदेशक

वर्ष १९८२–८३ के लिए प्रोफार्मा लेखा

परिषद के प्रमुख कार्य-क्रम

प्राप्तियां			अदायगियां	योजनागत	
शीर्ष	राशि	राशि	शीर्ष	राशि	राशि
१	२	३	४	५	६
१. १-४-१९८२ को प्रारम्भिक रोकड़	२	२	१. प्रशासन	—	५८,१५२
२. वर्ष के दौरान भारत सरकार से			२. अकादमिक कार्यक्रम	—	५०,७५४
प्राप्त अनुदान	२१,५९,९९८	२१,५९,९९८	३. प्रकाशन यूनिट	—	५५,३०४
३. **अन्य प्राप्तियां**			४. **कार्यालय व्यय**		
(क) पुस्तकों की बिक्री व रायल्टी	८,६०६		विविध आकस्मिक	—	७०,८५२
(ख) जरनल की बिक्री	९,१२३		५. समीक्षा समिति, भा०इ०अ०प०	—	५१,५१०
(ग) विविध प्राप्तियां	२०,१९९		६. परिषद् के प्रकाशन	—	१८,०२६
		३७,९२८	७. राज्य विधान एकक	—	१७,२४५
४. **पेशगियों का समायोजन**			८. द्वितीय विश्व युद्ध का इतिहास	—	१९,५००
(क) प्रतिनियुक्ति पर आये व्यक्तियों			९. सहायक अनुदान कार्यक्रम		१६,३६,६४९
को छुट्टी वेतन की पेशगी			१०. विदेशों में उपलब्ध स्रोत सामग्री के संकलन को सुकर बनाने के लिए अनुसंधानकर्त्ताओं को आर्थिक सहायता		५१,०२६
जोड़		२१,९७,९२८			

१	२	३	४	५	६
पिछला जोड़		२१,९७,९२८	११. कला इतिहास		५५,८५०
			१२. पूंजीगत व्यय		
			(क) फर्नीचर तथा कार्यालय उपस्कर	८२,९९२	
			(ख) डाक वाहक	३०,०६७	
			जोड़	१,१३,०५९	
			घटा : पूंजीगत खाते में प्राप्त वसूल की गई राशि	—	
			कुल	१,१३,०५९	१,१३,०५९
			अंत में बकाया		
		२१,९७,९२८	कुल जोड़	—	२१,९७,९२८

ह०—ओ० पी० बल्ला
अधीक्षक (लेखा)

ह०—पी० एन० मेहता
लेखा अधिकारी

ह०— बी.० आर० ग्रोवर
निदेशक

वर्ष १९८२–८३ के लिए प्रोफार्मा लेखा

प्रमुख पुस्तकों का प्रकाशन (अनुवाद परियोजना)

प्राप्तियां शीर्ष	राशि	राशि	अदायगियां शीर्ष	राशि	राशि
१. १-४-१९८२ को प्रारम्भिक रोकड़	२,२७,६२५	२,२७,६२५	**क्षेत्रीय भाषाओं में पुस्तकों का अनुवाद**		
२. वर्ष १९८२-८३ के दौरान भारत सरकार से प्राप्त अनुदान	—	—	**क. अनुवाद के लिए अदा किया गया पारिश्रमिक**		
३. पुस्तकों की बिक्री व रायल्टी	२९,०४७	२९,०४७	१. अनुवाद अधिकार	—	
४. विविध प्राप्तियां	४,६१३	४,६१३	२. अनुवादकों को अदा किया	४५,००४	
			३. पुनरीक्षकों को अदा किया	१०,२४३	
			४. प्रकाशन व्यय	—	
			जोड़	५५,२४७	५५,२४७
			अन्तिम शेष		२,०६,०३८
		२,६१,२८५	कुल जोड़		२,६१,२८५

ह०–ओ० पी० बत्रा
अधीक्षक (लेखा)

ह०–पी० एन० मेहता
लेखा अधिकारी

ह०– बी. ० आर० ग्रोवर
निदेशक

वर्ष १९८२–८३ के लिए प्रोफार्मा लेखा

T.F. प्रजामंडल परियोजना

प्राप्तियां			अदायगियां		
शीर्ष	राशि	राशि	शीर्ष	राशि	राशि
१	२	३	४	५	६
१. १-४-८२ को प्रारंभिक रोकड़	३७,३७२	३७,३७२	क.१. अधिकारियों तथा कर्मचारियों के वेतन और भत्ते	३,२२,७७२	
२. वर्ष १९८२-८३ के दौरान भारत सरकार से प्राप्त अनुदान	४,००,०००	४,००,०००	२. चिकित्सा व्यय	९,१३२	
३. विविध प्राप्तियां	२,०६३	२,०६३	३. अधिकारियों और कर्मचारियों के यात्रा भत्ते	२३,१२९	
वर्ष १९८२–८३ के दौरान आय के मुकाबले अधिक-व्यय		३५,१७७	४. अवकाश वेतन तथा पेंशन अंशदान	—	
			५. अंशदायी भविष्य निधि में नियोजक का अंश और ब्याज	२५,९२३	
			६. भवन का किराया	३८,८२९	
			७. विविध आकस्मिक	१९,३९१	
			८. सामग्री का संकलन	२३,९३४	
जोड़		४,७४,६१२	९. सम्पादन के लिए दिया गया पारिश्रमिक	१,०००	४,६४,११०

१	२	३	४	५	६	७
योग		४.७४.६१२	१०. **पूंजीगत व्यय**			
			१. फर्नीचर तथा कार्यालय उपस्कर		६,५५६	
			२. पुस्तकें		३,७८३	१०,३३९
			ग. **ऋण, जमा तथा पेशगियां**			
			आकस्मिक पेशगियां		१६३	१६३
योग		४,७४,६१२		कुल योग		४,७४,६१२

ह०—ओ० पी० बत्रा
अधीक्षक (लेखा)

ह०—पी० एन० मेहता
लेखा अधिकारी

ह०—बी० आर० ग्रोवर
निदेशक

वर्ष १९८२–८३ के लिए प्रोफार्मा लेखा

प्रजामण्डल परियोजना

प्राप्तियां			अदायगियां		
शीर्ष	राशि	राशि		राशि	राशि
१	२	३		४	५
१. १-४-१९८२ को प्रारंभिक रोकड़	—	—	१. अधिकारियों तथा कर्मचारियों के वेतन और भत्ते	३८,२६९	
२. वर्ष १९८२–८३ के दौरान भारत सरकार से प्राप्त अनुदान	१,१८,६६३	१,१८,६६३	२. चिकित्सा व्यय	२,४०५	
३. विविध प्राप्तियां	—	—	३. अधिकारियों तथा कर्मचारियों के यात्रा भत्ते	२,१२२	
			४. लेखक को दिया गया पारिश्रमिक	८,०००	
			५. विविध आकस्मिक	७,०२५	५७,८२१
			वर्ष १९८२-८३ के दौरान आय के मुकाबले अधिक व्यय		५६,१६७
			जोड़		१,१३,९८८
			अन्तिम शेष		४,६७५
		१,१८,६६३	कुल जोड़		१,१८,१६३

ह०–ओ० पी० बत्रा
अधीक्षक (लेखा)

ह०–पी० एन० मेहता
लेखा अधिकारी

ह० बी० आर० ग्रोवर
निदेशक

—

वर्ष १९८२-८३ के लिए प्रोफार्मा लेखा
भारतीय संस्कृति पर स्रोत ग्रन्थ

प्राप्तियाँ			अदायगी	
शीर्ष	राशि	राशि	राशि	राशि
१	२	३	४	५
१. १-४-१९८२ को प्रारम्भिक रोकड़	१,०२,३२६		व्यय न की गई राशि की वापसी	१,०२,३२६
२. वर्ष १९८२–८३ के दौरान भारत सरकार से सहायक अनुदान	—	१,०२,३२६	अन्तिम बकाया	—
जोड़		१,०२,३२६	जोड़	१,०२,३२६

ह०–ओ० पी० बत्रा
अधीक्षक (लेखा)

ह०–पीं० एन० मेहता
लेखा अधिकारी

ह०– बी.० आर० ग्रोवर
निदेशक

१९८२–८३ वित्त वर्ष के लिए भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद् के भविष्य निधि लेखे का विवरण

ब्यौरा विवरण	अधिदाताओं से वसूल किया अंशदान तथा वापसी/निकासी	अंशदायी भविष्य निधि में आंकलित अनिवार्य जमा महंगाई भत्ता	परिषद् का अंशदान	अंशदायी भविष्य निधि पर ब्याज	इन्सेन्टिव बोनस	कुल
प्रारम्भिक बकाया	२,७४,१७२	१३,६७६	२,७६,७३२	१,१९,३४६	१,४९९	६,८५,४२५
वर्ष १९२-८३ के दौरान जमा	१,८६,९६४	१.२६,००१	७५,०३८	७३,८६४	१,५४८	४,६३,४१५
घटा : वर्ष १९८२-८३ के दौरान अदा किया गया						
वर्ष के दौरान निकाली गई राशि व अस्थाई						
पेशगियां	१,००,८०८	—	—	—	—	१,००,०००
अन्तिम शेष	३,६०,३२८	१,३९,६७७	३,५१,७७०	१,९३,२१०	३,०४७	१०,४८,०३२

विशेष : ७,२५,००० रुपयों को राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र में लगाया गया है

ओ०पी० बत्रा	**पी० एन० मेहता**	**ह०—बी० आर० ग्रोवर**
अधीक्षक (लेखा)	लेखा अधिकारी	निदेशक